༄༅།།བོད་ཀྱི་རིང་བསྲུན་དབེ་ཚེགས་ལྟེ་གནས།།

Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W2PD20866	***ImageGroup:***	I4PD5105
LCCN:	n/a	***ISBN:***	n/a

Title:	རྣྱིང་མའི་འདོན་ཆོག་ཕྱོགས་བསྡུས། rnying m'i 'don chog phyogs bsdus/
Author:	n/a
Descriptor:	dbu can dbu med gnyis ka yod/
Original Publication:	n/a;n/a
Place:	[s.l.]
Publisher:	[s.n.]
Date:	[n.d.]
Volume:	42
Total Volumes:	58
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 150 West 17th St, New York City, NY 10011, US.

ཨོཾ ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཨཱ་ལོ་ཀེ་ཤྭ་ར་ཡ་ཨཱ་ལོ་ཀེ་ཤྭ་ར་ཡ་ཧཱུྃ་ཧཱུྃ་ཧཱུྃ་ཕཊ་ཕཊ་ཕཊ་སྭཱཧཱ།

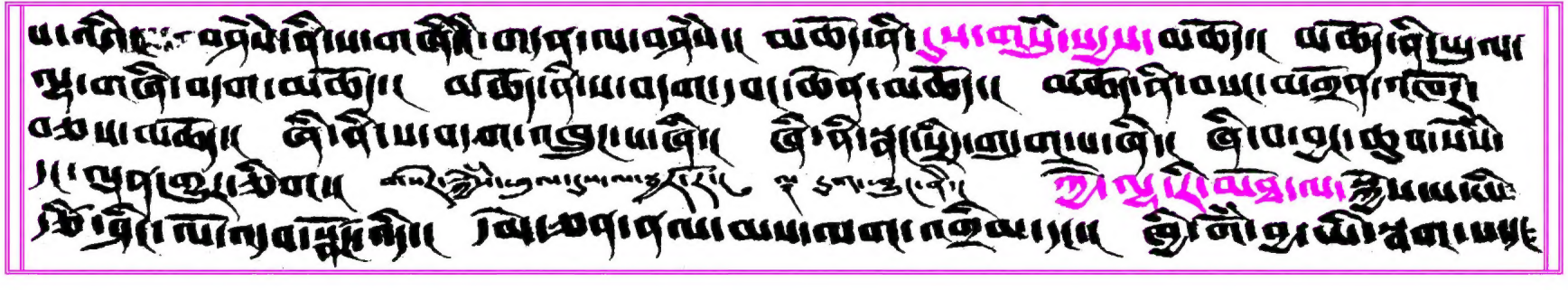

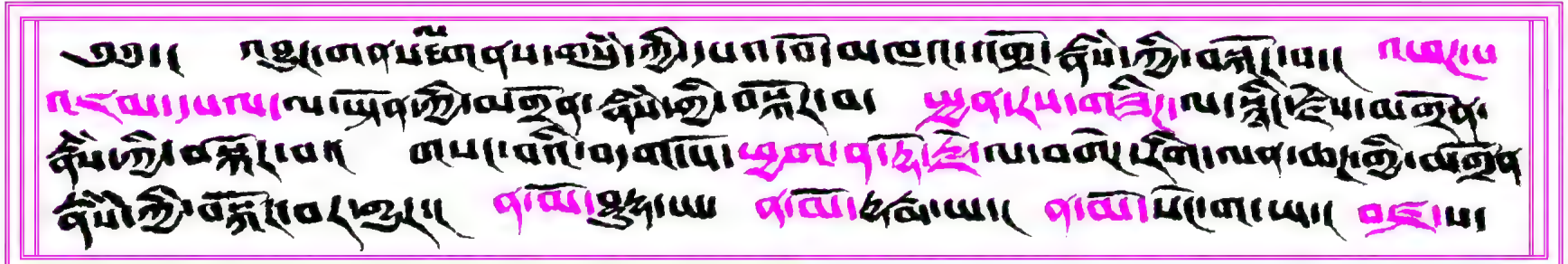

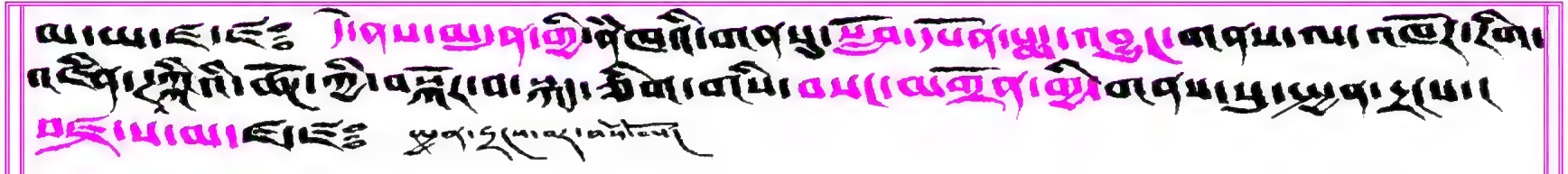

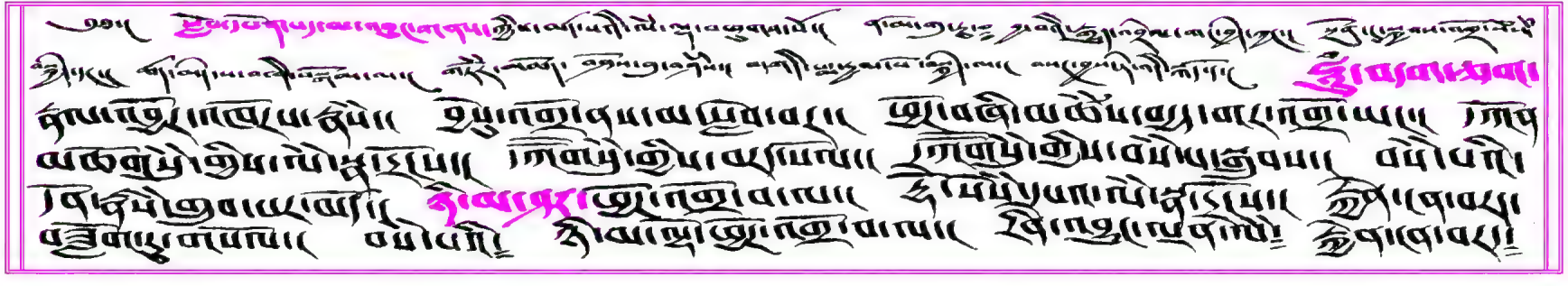

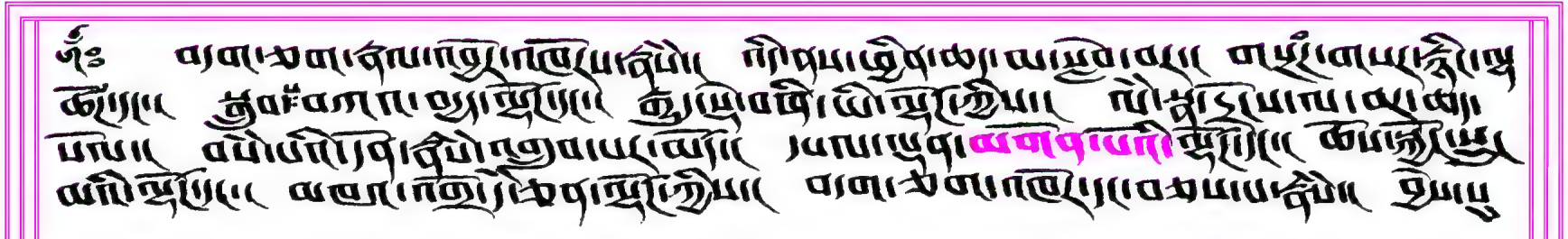

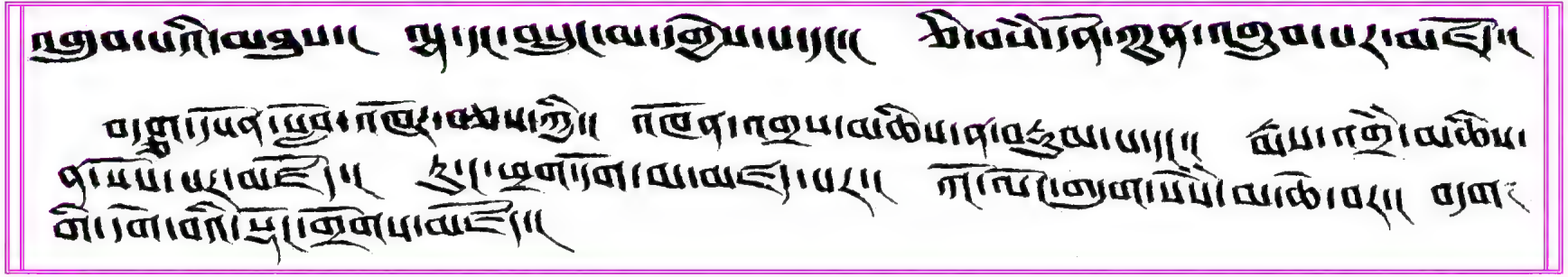

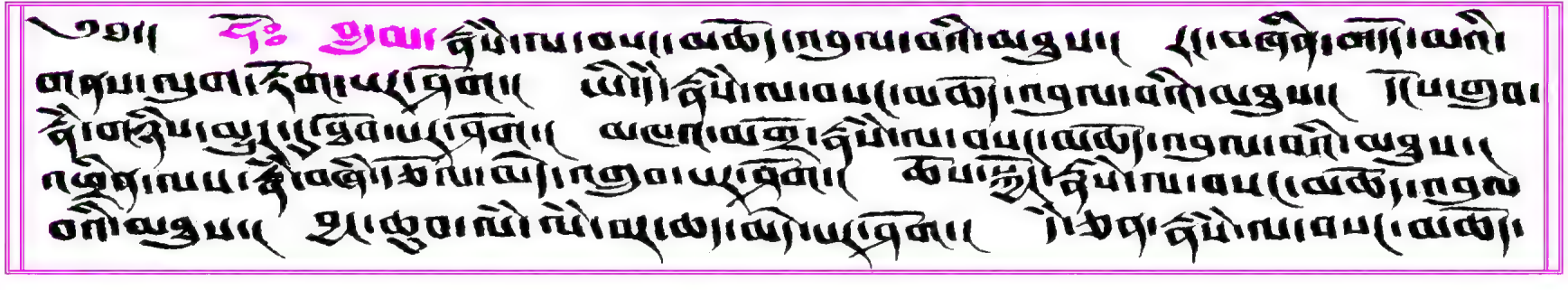

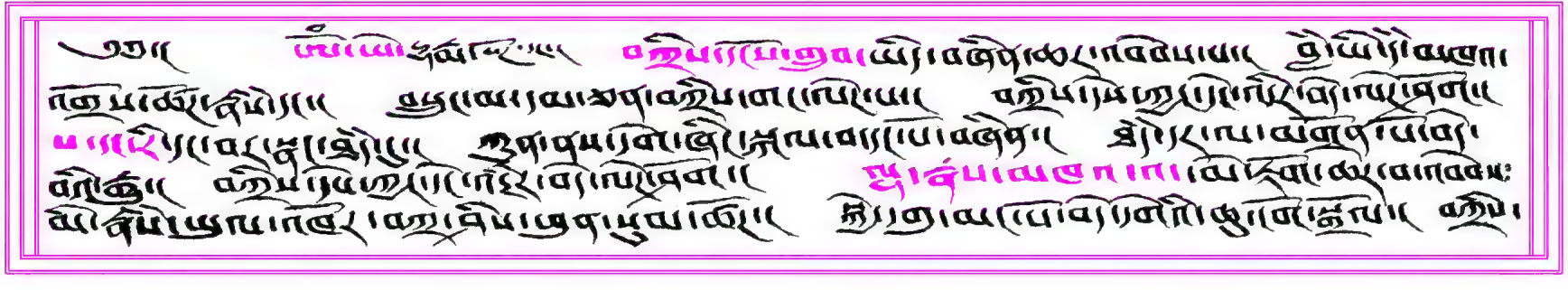

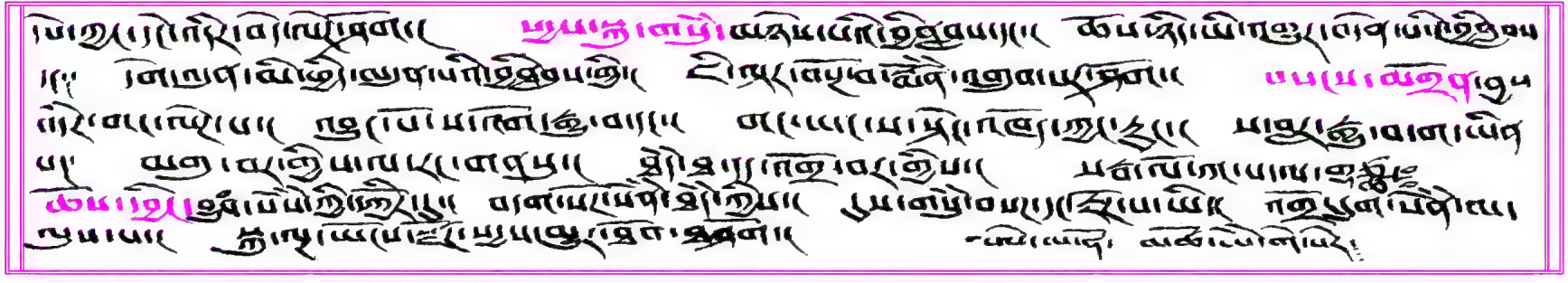

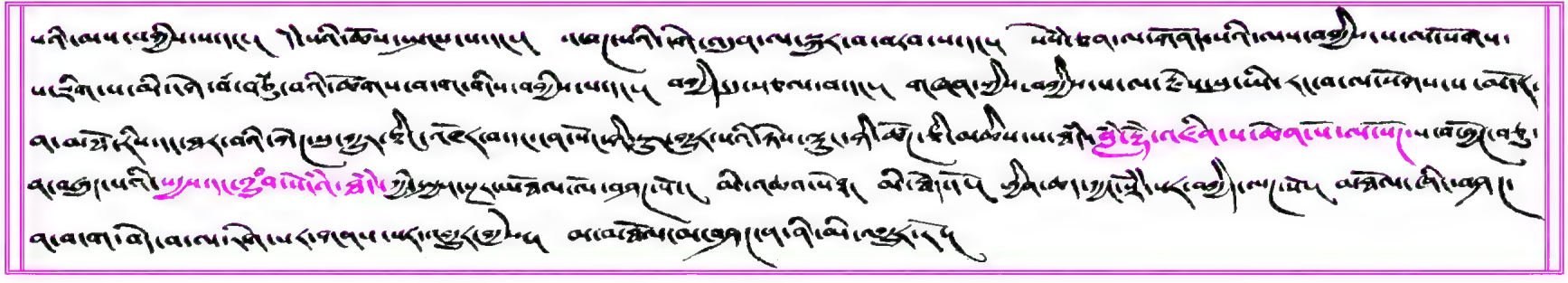

ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ पूर्वपीठिका ॥ श्रीमद्भागवतमहापुराणे ॥ तृतीयस्कन्धे ॥ मैत्रेयविदुरसंवादे ॥ प्रथमोऽध्यायः ॥ श्रीशुक उवाच ॥ एवं सभाजितः क्षत्ता कृष्णेनोद्धवेन भारत ॥ प्रतिपूज्य मुनिप्रवरं पप्रच्छेदमनुव्रतः ॥ १ ॥ विदुर उवाच ॥ कच्चित्त्वं नाभिनन्दामो हरेर्मित्रं महामुने ॥ यदुभिर्देवकल्पैर्यः सख्येनात्मसमो धृतः ॥ २ ॥ अपि ब्रह्मकुलाद्धीत आत्मतन्त्र उदारधीः ॥ आत्मानं मानुषं मन्यन्मनुष्यैर्बहुमानितः ॥ ३ ॥ किं वा तेनाचरद्ब्रह्मन्नवद्यं मधुभिर्वृतः ॥ यदूनां सात्वतर्षभो मिथो जिगीषतां कलिः ॥ ४ ॥ कच्चिन्नाभिहतः सौम्य भ्रातृभिर्वा स्वसृणां सुतैः ॥ सम्बन्धिभिर्वा सुहृद्भिर्वा नादृतो ह्यसतां मधे ॥ ५ ॥ कच्चित्तेऽनाशिषां सम्राडात्मजः परमेष्ठिनाम् ॥ प्रद्युम्नो भगवान्मुख्यो महाभागवतो महान् ॥ ६ ॥ कच्चिदास्ते सुखं वीरो मधुभोजसतां गुरुः ॥ अनिरुद्धो महाबाहुः कपोतीं यं विदुर्बुधाः ॥ ७ ॥ कच्चित्सुनन्दनन्दाद्याः पार्षदाः पार्षदर्षभः ॥ सर्व आरोग्यमायुष्मान्बलमाहुर्यदोः प्रभोः ॥ ८ ॥ कच्चिद्गदश्चारुदेष्णः साम्बो जाम्बवतीसुतः ॥ अन्ये च कार्ष्णिप्रवराः सपुत्रा ऋषभादयः ॥ ९ ॥ कच्चित्ते कुशलं तात योऽसावङ्गात्तव प्रभोः ॥ आत्मनः कुशलं नित्यं सर्वज्ञः सर्वभावनः ॥ १० ॥ कच्चिद्वः पुरुषा नित्यं सुनन्दकुमुदादयः ॥ पार्षदाः सात्वतां भर्तुः सानुगाः कुशलं सह ॥ ११ ॥ कच्चिद्वः पुरुषा नित्यं सुनन्दकुमुदादयः ॥ पार्षदाः सात्वतां भर्तुः सानुगाः कुशलं सह ॥ १२ ॥

ॐ॑ ॐ॑ ॐ॑

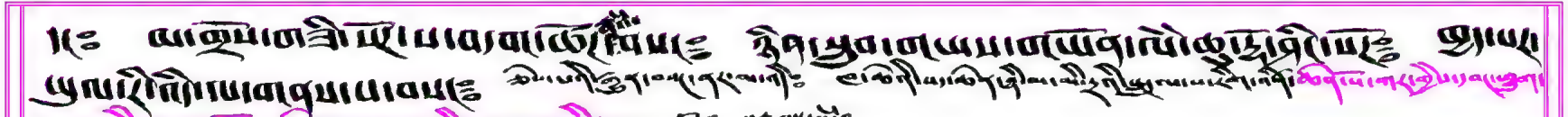

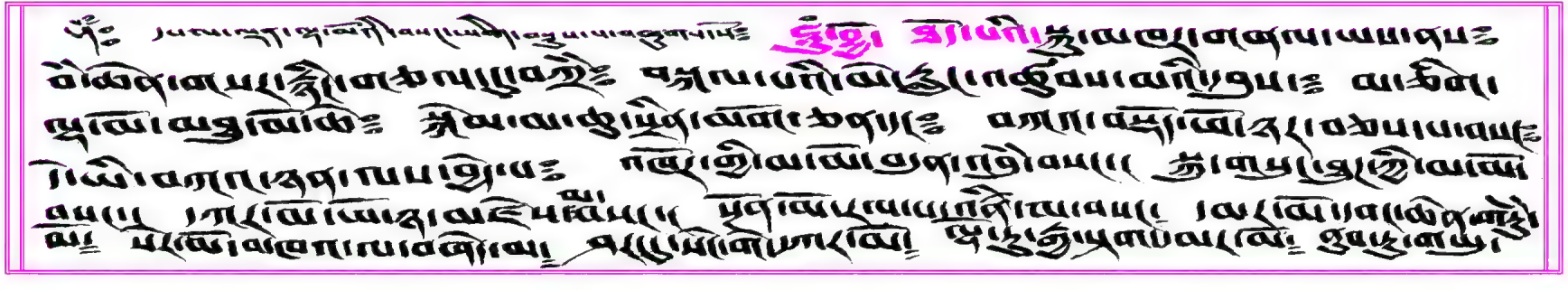

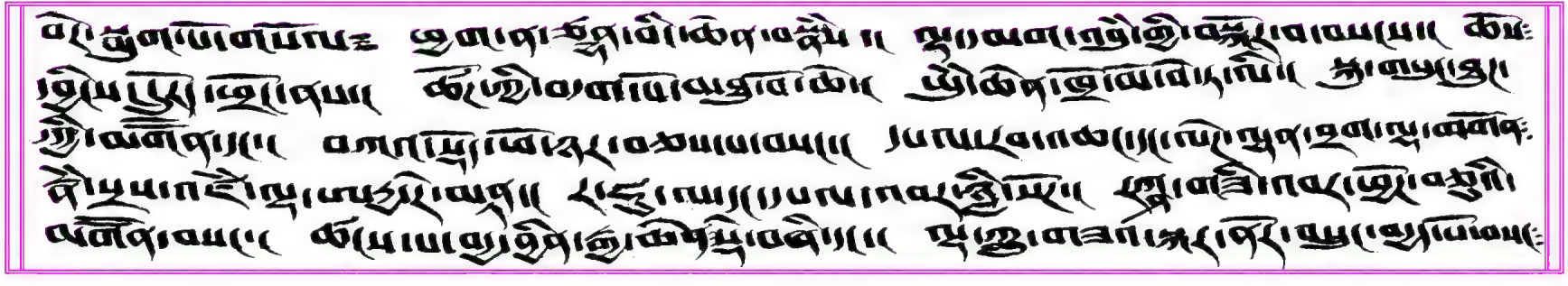

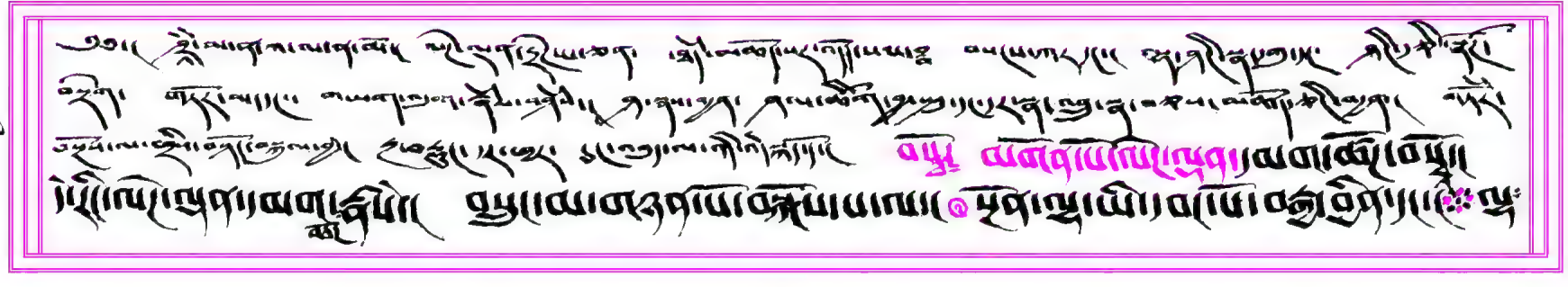

ཨཱཿ ཧཱུྃ ཧཱུྃ ཧཱུྃ

ཐབས་ཀྱི་ཚོགས་རྫོགས་པ། ཤེས་རབ་ཀྱི་ཚོགས་རྫོགས་པས། སངས་རྒྱས་ཀྱི་སྐུ་གཉིས་ཐོབ་པ་ལ། ཐབས་ཤེས་ཡུམ་གྱི་ཡབ་ཡུམ་ཞེས་བྱའོ། །དེ་ཡང་ཐབས་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་དྲུག་ཅུ་རྫོགས་པ་ཐོབ་པ་ནི། ཐབས་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་དྲུག་ཅུ་རྫོགས་པ་ཐོབ་པ་ཡིན་ཏེ། ཐབས་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་དྲུག་ཅུ་ནི། སྦྱིན་པ་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཉི་ཤུ། ཚུལ་ཁྲིམས་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཉི་ཤུ། བཟོད་པ་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཉི་ཤུ། བརྩོན་འགྲུས་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཉི་ཤུ། བསམ་གཏན་གྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཉི་ཤུ། ཤེས་རབ་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཉི་ཤུ། ཐབས་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཉི་ཤུ། སྨོན་ལམ་གྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཉི་ཤུ། སྟོབས་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཉི་ཤུ། ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཉི་ཤུ། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཉི་ཤུ། ཡོན་ཏན་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཉི་ཤུ། ཕྲིན་ལས་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཉི་ཤུ། ཆོ

ཀཱཾ། ནཱཾ། ཏཱཾ། ཐཱཾ། དཱཾ། ཙཱཾ། ཛཱཾ། ཤཱཾ། ཥཱཾ། སཱཾ། ཧཱཾ། ཀྵཱཾ། ཨཱཾ། ཨཱཿ།
ཀཱཿ། ཁཱཿ། གཱཿ། ངཱཿ། ཙཱཿ། ཆཱཿ། ཛཱཿ། ཉཱཿ། ཊཱཿ། ཋཱཿ། ཌཱཿ། ཎཱཿ། ཏཱཿ། ཐཱཿ། དཱཿ། ནཱཿ། པཱཿ། ཕཱཿ། བཱཿ། མཱཿ། ཡཱཿ། རཱཿ། ལཱཿ། ཝཱཿ། ཤཱཿ། ཥཱཿ། སཱཿ། ཧཱཿ། ཀྵཱཿ།
ཨཱཿ། ཨཱཾ། ཨཱཿ། ཀཱཾ། ཁཱཾ། གཱཾ། ངཱཾ། ཙཱཾ། ཆཱཾ། ཛཱཾ། ཉཱཾ། ཊཱཾ། ཋཱཾ། ཌཱཾ། ཎཱཾ། ཏཱཾ། ཐཱཾ། དཱཾ། ནཱཾ། པཱཾ། ཕཱཾ། བཱཾ། མཱཾ། ཡཱཾ། རཱཾ། ལཱཾ། ཝཱཾ། ཤཱཾ། ཥཱཾ། སཱཾ། ཧཱཾ། ཀྵཱཾ།
ཨཱཾ། ཨཱཿ། ཨཱཾ། ཀཱཿ། ཁཱཿ། གཱཿ། ངཱཿ། ཙཱཿ། ཆཱཿ། ཛཱཿ། ཉཱཿ། ཊཱཿ། ཋཱཿ། ཌཱཿ། ཎཱཿ། ཏཱཿ། ཐཱཿ། དཱཿ། ནཱཿ། པཱཿ། ཕཱཿ། བཱཿ། མཱཿ། ཡཱཿ། རཱཿ། ལཱཿ། ཝཱཿ། ཤཱཿ། ཥཱཿ། སཱཿ། ཧཱཿ། ཀྵཱཿ།
ཨཱཿ། ཨཱཾ། ཨཱཿ། ཀཱཾ། ཁཱཾ། གཱཾ། ངཱཾ། ཙཱཾ། ཆཱཾ། ཛཱཾ། ཉཱཾ། ཊཱཾ། ཋཱཾ། ཌཱཾ། ཎཱཾ། ཏཱཾ། ཐཱཾ། དཱཾ། ནཱཾ། པཱཾ། ཕཱཾ། བཱཾ། མཱཾ། ཡཱཾ། རཱཾ། ལཱཾ། ཝཱཾ། ཤཱཾ། ཥཱཾ། སཱཾ། ཧཱཾ། ཀྵཱཾ།
ཨཱཾ། ཨཱཿ། ཨཱཾ། ཀཱཿ། ཁཱཿ། གཱཿ། ངཱཿ། ཙཱཿ། ཆཱཿ། ཛཱཿ། ཉཱཿ། ཊཱཿ། ཋཱཿ། ཌཱཿ། ཎཱཿ། ཏཱཿ། ཐཱཿ། དཱཿ། ནཱཿ། པཱཿ། ཕཱཿ། བཱཿ། མཱཿ། ཡཱཿ། རཱཿ། ལཱཿ། ཝཱཿ། ཤཱཿ། ཥཱཿ། སཱཿ། ཧཱཿ། ཀྵཱཿ།

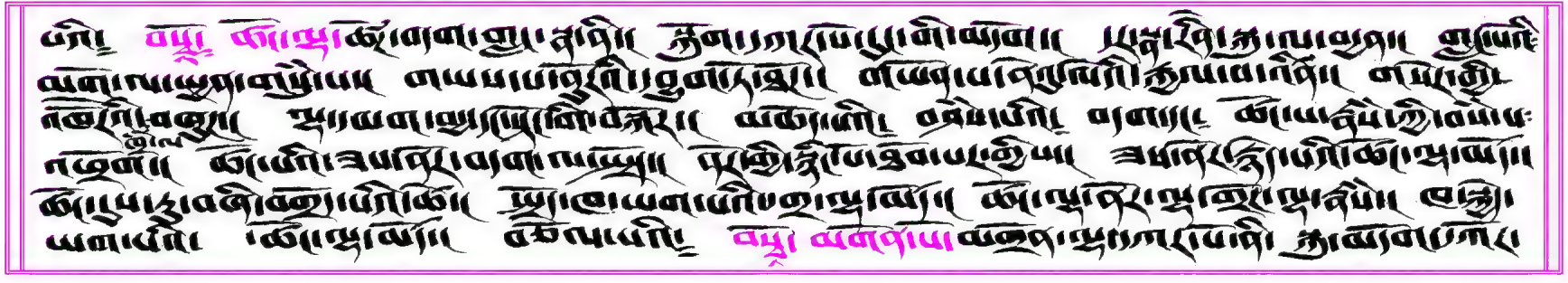

ॐ नमो भगवते ० प्रभावपुष्पोद्गतपुष्पिताभिज्ञराजसमवसरणश्रीविजयाभिधान
प्रभासमाराधितपादपद्मे प्रभासवरश्रीहरिभावसिद्धे कुबेरपुष्पाभिषेकवशेषे वज्रकाय
श्रीमणिभद्रवीरेश्वरे वज्रकायिनी वज्रेश्वरी वज्रमुखे तुरुबलीवलीवक्त्रेत्यादिपरिवारपरिवृते
वज्रवतीश्रीमहाप्रत्यङ्गिरे प्रत्यालीढस्थितसमाक्रान्ते हस्तिहतकाजीवितपा
वज्रेण शीघ्रप्रलयहनुमारणे वज्रकुलोत्पन्नमहाविद्ये वज्रश्रीप्रत्युङ्गिरे

ཡང་བསྟན་པའི་ བསྡུ་བའི་གནས་ལས་ཀྱང་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡུལ་ཅན་གྱི་ཡིད་བྱེད་ཀྱི་རྣམ་པ

ॐ॥ ईशानशिरोमन्त्रस्य॥ पञ्चमाक्षरपदमन्त्रस्य॥ षष्ठाक्षरपदमन्त्रस्य॥ सप्ताक्षरपदमन्त्रस्य॥ अष्टाक्षरपदमन्त्रस्य॥ नवाक्षरपदमन्त्रस्य॥ दशाक्षरपदमन्त्रस्य॥ एकादशाक्षरपदमन्त्रस्य॥ द्वादशाक्षरपदमन्त्रस्य॥ त्रयोदशाक्षरपदमन्त्रस्य॥ चतुर्दशाक्षरपदमन्त्रस्य॥ पञ्चदशाक्षरपदमन्त्रस्य॥ षोडशाक्षरपदमन्त्रस्य॥ सप्तदशाक्षरपदमन्त्रस्य॥ अष्टादशाक्षरपदमन्त्रस्य॥ एकोनविंशत्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ विंशत्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ एकविंशत्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ द्वाविंशत्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ त्रयोविंशत्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ चतुर्विंशत्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ पञ्चविंशत्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ षड्विंशत्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ सप्तविंशत्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ अष्टाविंशत्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ एकोनत्रिंशदक्षरपदमन्त्रस्य॥ त्रिंशदक्षरपदमन्त्रस्य॥ एकत्रिंशदक्षरपदमन्त्रस्य॥ द्वात्रिंशदक्षरपदमन्त्रस्य॥ त्रयस्त्रिंशदक्षरपदमन्त्रस्य॥ चतुस्त्रिंशदक्षरपदमन्त्रस्य॥ पञ्चत्रिंशदक्षरपदमन्त्रस्य॥ षट्त्रिंशदक्षरपदमन्त्रस्य॥ सप्तत्रिंशदक्षरपदमन्त्रस्य॥ अष्टात्रिंशदक्षरपदमन्त्रस्य॥ एकोनचत्वारिंशदक्षरपदमन्त्रस्य॥ चत्वारिंशदक्षरपदमन्त्रस्य॥ एकचत्वारिंशदक्षरपदमन्त्रस्य॥ द्विचत्वारिंशदक्षरपदमन्त्रस्य॥ त्रयश्चत्वारिंशदक्षरपदमन्त्रस्य॥ चतुश्चत्वारिंशदक्षरपदमन्त्रस्य॥ पञ्चचत्वारिंशदक्षरपदमन्त्रस्य॥ षट्चत्वारिंशदक्षरपदमन्त्रस्य॥ सप्तचत्वारिंशदक्षरपदमन्त्रस्य॥ अष्टचत्वारिंशदक्षरपदमन्त्रस्य॥ एकोनपञ्चाशदक्षरपदमन्त्रस्य॥ पञ्चाशदक्षरपदमन्त्रस्य॥ एकपञ्चाशदक्षरपदमन्त्रस्य॥ द्विपञ्चाशदक्षरपदमन्त्रस्य॥ त्रयःपञ्चाशदक्षरपदमन्त्रस्य॥ चतुःपञ्चाशदक्षरपदमन्त्रस्य॥ पञ्चपञ्चाशदक्षरपदमन्त्रस्य॥ षट्पञ्चाशदक्षरपदमन्त्रस्य॥ सप्तपञ्चाशदक्षरपदमन्त्रस्य॥ अष्टपञ्चाशदक्षरपदमन्त्रस्य॥ एकोनषष्ट्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ षष्ट्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ एकषष्ट्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ द्विषष्ट्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ त्रिषष्ट्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ चतुःषष्ट्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ पञ्चषष्ट्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ षट्षष्ट्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ सप्तषष्ट्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ अष्टषष्ट्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ एकोनसप्तत्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ सप्तत्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ एकसप्तत्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ द्विसप्तत्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ त्रिसप्तत्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ चतुःसप्तत्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ पञ्चसप्तत्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ षट्सप्तत्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ सप्तसप्तत्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ अष्टसप्तत्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ एकोनाशीत्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ अशीत्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ एकाशीत्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ द्व्यशीत्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ त्र्यशीत्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ चतुरशीत्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ पञ्चाशीत्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ षडशीत्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ सप्ताशीत्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ अष्टाशीत्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ एकोननवत्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ नवत्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ एकनवत्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ द्विनवत्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ त्रिनवत्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ चतुर्नवत्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ पञ्चनवत्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ षण्णवत्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ सप्तनवत्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ अष्टनवत्यक्षरपदमन्त्रस्य॥ एकोनशतमन्त्रस्य॥ शतमन्त्रस्य॥ सहस्रमन्त्रस्य॥ अयुतमन्त्रस्य॥ लक्षमन्त्रस्य॥ कोटिमन्त्रस्य॥

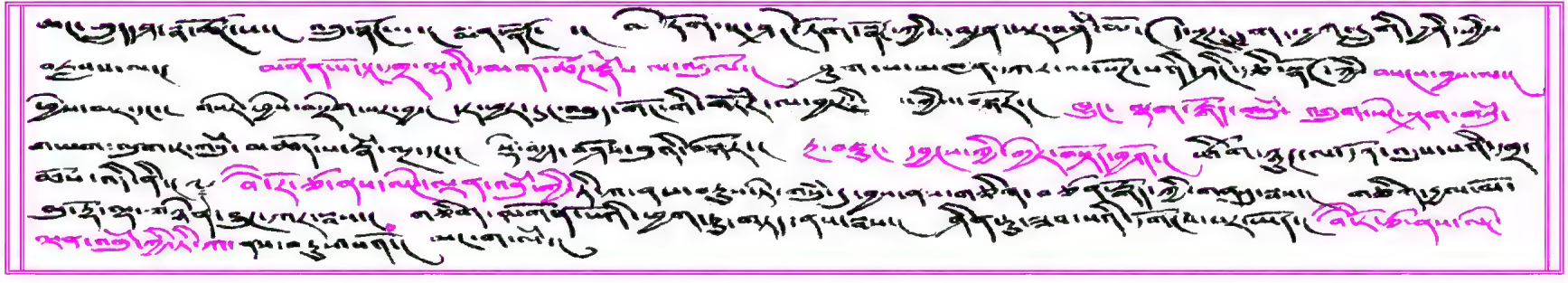

ꣳ ꣳ ꣳ

ཨོཾ། ཤཱཀྱཐུབྦནཱ་ཡ། ཨཱཡུཥྨཱནཱ་ནནྡ། ཨཱཡུཥྨཱནཱ་ཨཱནནྡ། ཨཱཡུཥྨཱནཱ་ཀཱཤྱཔ། ཨཱཡུཥྨཱནཱ་ཀཱཏྱཱཡན། ཨཱཡུཥྨཱནཱ་ཀཽཥྛི་ལ། ཨཱཡུཥྨཱནཱ་ཝཱ་ཏྱཱཔུ་ཏྲ། ཨཱཡུཥྨཱནཱ་ཤཱ་རིཔུ་ཏྲ། ཨཱཡུཥྨཱནཱ་མཽད་གལྱཱཡན། ཨཱཡུཥྨཱནཱ་ཨ་ནུ་རུདྡ། ཨཱཡུཥྨཱནཱ་ཨུ་པ་ལི། ཨཱཡུཥྨཱནཱ་ཨ་ནནྟ་ཀཱ་ཡ། ཨཱཡུཥྨཱནཱ་ཀུ་ཤི་ནཱ་ར་ཡ། ཨཱཡུཥྨཱནཱ་ཀཱ་ཤྱཔ། ཨཱཡུཥྨཱནཱ་ཀཱཏྱཱཡན། ཨཱཡུཥྨཱནཱ་ཀཽཥྛི་ལ། ཨཱཡུཥྨཱནཱ་ཝཱ་ཏྱཱཔུ་ཏྲ། ཨཱཡུཥྨཱནཱ་ཤཱ་རིཔུ་ཏྲ། ཨཱཡུཥྨཱནཱ་མཽད་གལྱཱཡན། ཨཱཡུཥྨཱནཱ་ཨ་ནུ་རུདྡ། ཨཱཡུཥྨཱནཱ་ཨུ་པ་ལི། ཨཱཡུཥྨཱནཱ་ཨ་ནནྟ་ཀཱ་ཡ། ཨཱཡུཥྨཱནཱ་ཀུ་ཤི་ནཱ་ར་ཡ། ཨཱཡུཥྨཱནཱ་ཀཱ་ཤྱཔ། ཨཱཡུཥྨཱནཱ་ཀཱཏྱཱཡན། ཨཱཡུཥྨཱནཱ་ཀཽཥྛི་ལ། ཨཱཡུཥྨཱནཱ་ཝཱ་ཏྱཱཔུ་ཏྲ། ཨཱཡུཥྨཱནཱ་ཤཱ་རིཔུ་ཏྲ། ཨཱཡུཥྨཱནཱ་མཽད་གལྱཱཡན། ཨཱཡུཥྨཱནཱ་ཨ་ནུ་རུདྡ། ཨཱཡུཥྨཱནཱ་ཨུ་པ་ལི། ཨཱཡུཥྨཱནཱ་ཨ་ནནྟ་ཀཱ་ཡ། ཨཱཡུཥྨཱནཱ་ཀུ་ཤི་ནཱ་ར་ཡ། ཨཱཡུཥྨཱནཱ་ཀཱ་ཤྱཔ། ཨཱཡུཥྨཱནཱ་ཀཱཏྱཱཡན། ཨཱཡུཥྨཱནཱ་ཀཽཥྛི་ལ། ཨཱཡུཥྨཱནཱ་ཝཱ་ཏྱཱཔུ་ཏྲ། ཨཱཡུཥྨཱནཱ་ཤཱ་རིཔུ་ཏྲ། ཨཱཡུཥྨཱནཱ་མཽད་གལྱཱཡན། ཨཱཡུཥྨཱནཱ་ཨ་ནུ་རུདྡ། ཨཱཡུཥྨཱནཱ་ཨུ་པ་ལི། ཨཱཡུཥྨཱནཱ་ཨ་ནནྟ་ཀཱ་ཡ། ཨཱཡུཥྨཱནཱ་ཀུ་ཤི་ནཱ་ར་ཡ།

ཀཀཀ

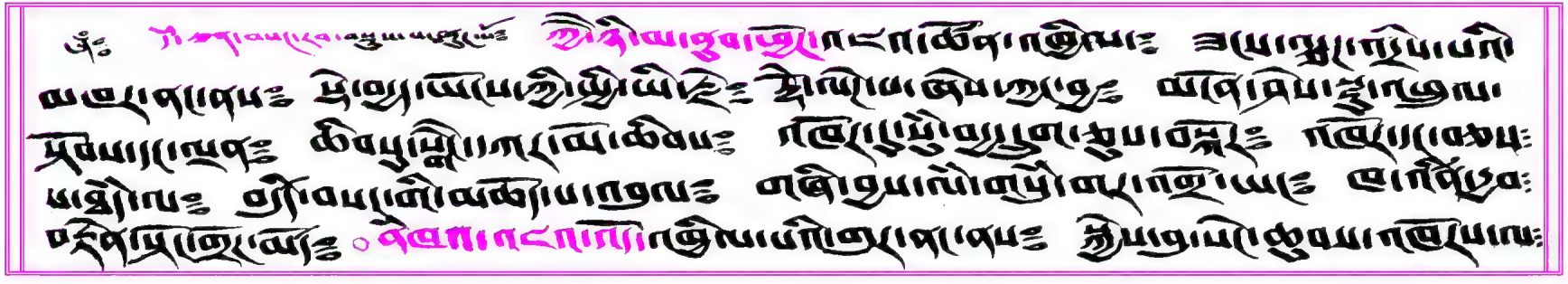

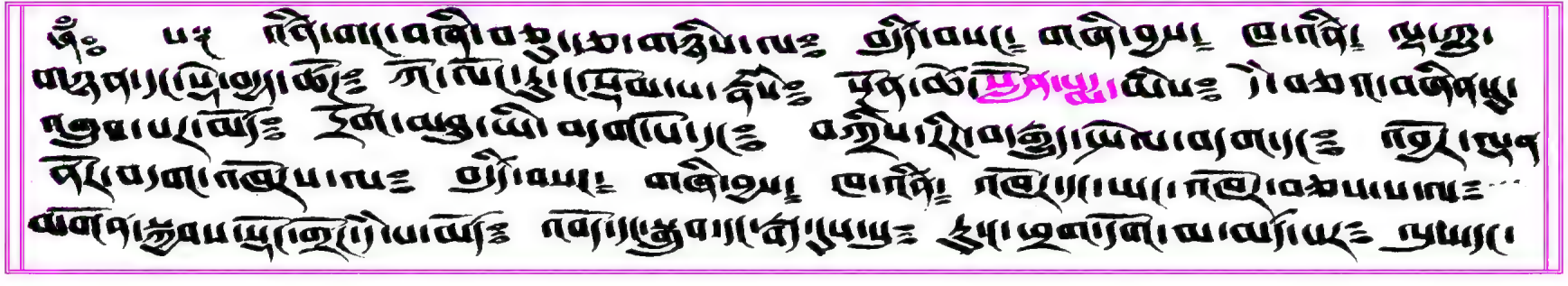

ॐ नमो बोधिसत्त्वाय महासत्त्वाय महाकारुणिकाय तद्यथा
ओं बोधि बोधि सिद्धि सिद्धि बुद्धि बुद्धि विशुद्धि विशुद्धि
समन्त अवभास स्फरण गगन समुद्भव मति शुद्धि स्वाहा
ओं विमल विमल अमल अमल ललित ललित मलय वति स्वाहा
चल चल वाचं मम स्वाहा सर्व बुद्ध अधिष्ठान केशर लोचन
धारणि स्वाहा सर्व बुद्ध हृदय अधिष्ठान गर्भ स्फरण
समय रक्ष रक्ष मां स्वाहा

ॐ नमो भगवते वज्रसत्त्वाय महासत्त्वाय महाकारुणिकाय महाप्रतिज्ञासत्त्वाय
तद्यथा ॐ शुद्धसत्त्व स्वभावशुद्धा सर्वधर्मा शुद्धसत्त्व स्वभावशुद्धोऽहं

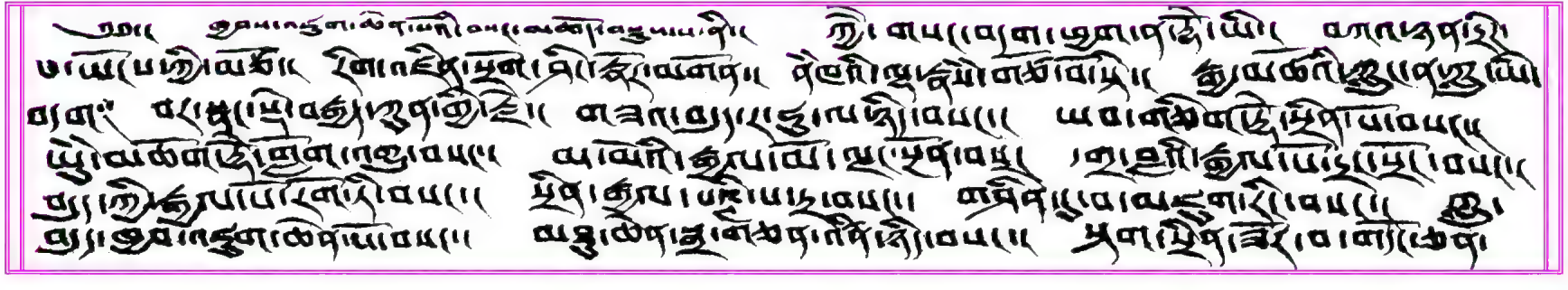

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूतभयोच्चाटनाय महाबलप्रचण्डाय
परविद्यासंभक्षणाय परमन्त्रप्रमथनाय परविद्यासंछेदनाय परमन्त्रनिवारणाय
शीघ्रं शीघ्रं हन हन दह दह पच पच मथ मथ विध्वंसय विध्वंसय
महाबलपराक्रमाय भूतभयोच्चाटनाय स्वाहा ॥ ओं वज्रहस्ताय विद्महे
सहस्राक्षाय धीमहि तन्नो वज्री प्रचोदयात् ॥ ओं वज्रपाणये हुं फट्
स्वाहा ॥ ओं वज्रहस्ताय हुं फट् ॥ ओं वज्रपाणये हुं फट् ॥ ओं वज्रहस्ताय
हुं फट् ॥ ओं वज्रपाणये हुं फट् ॥ ओं वज्रहस्ताय हुं फट् ॥ ओं वज्रपाणये
हुं फट्

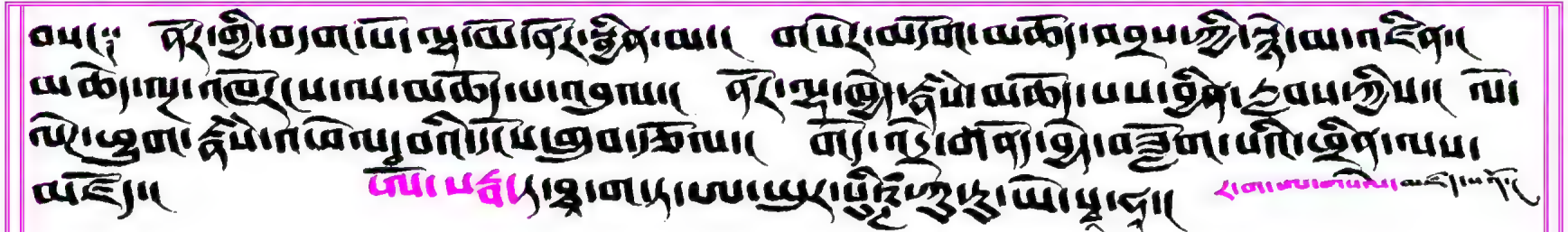

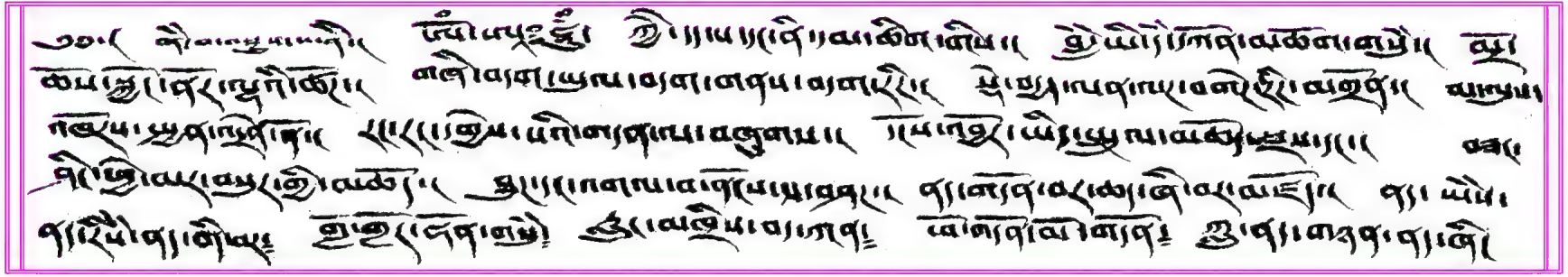

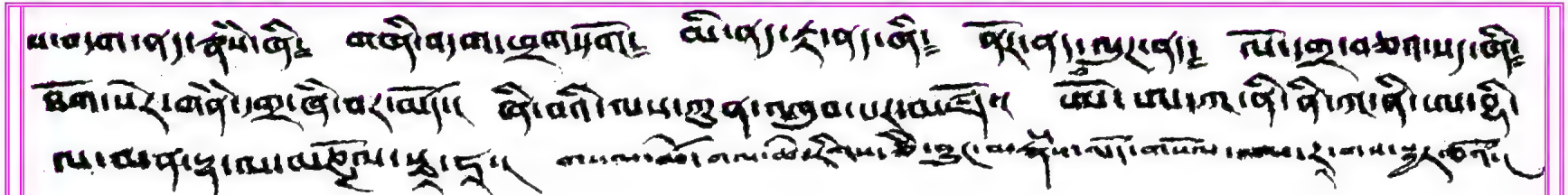

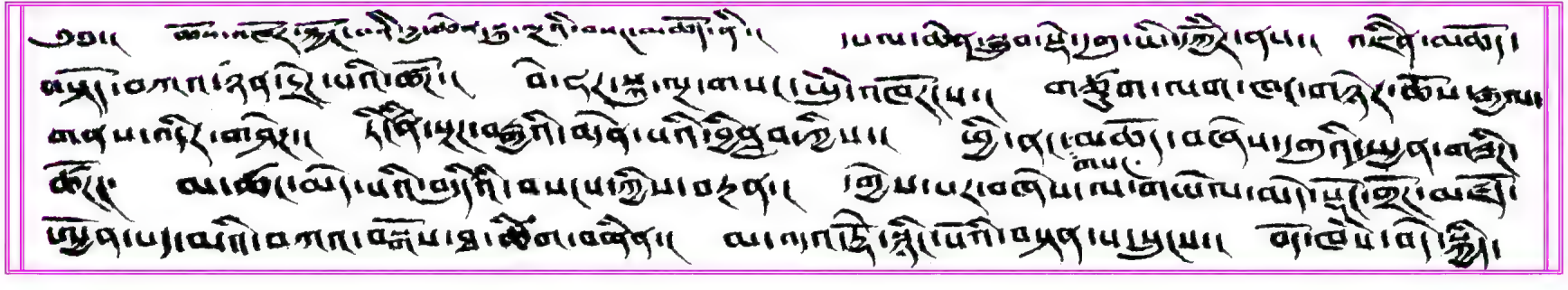

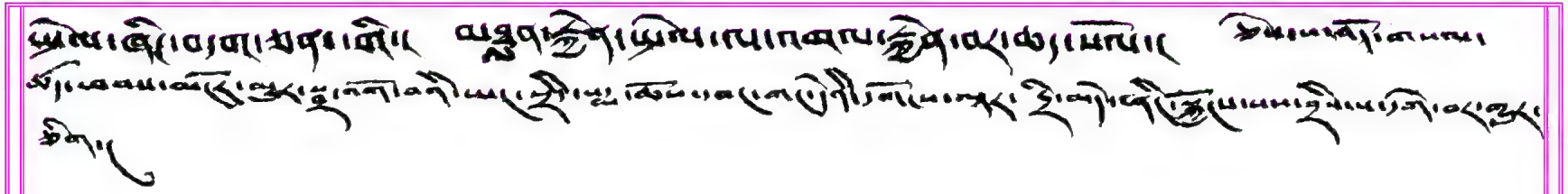

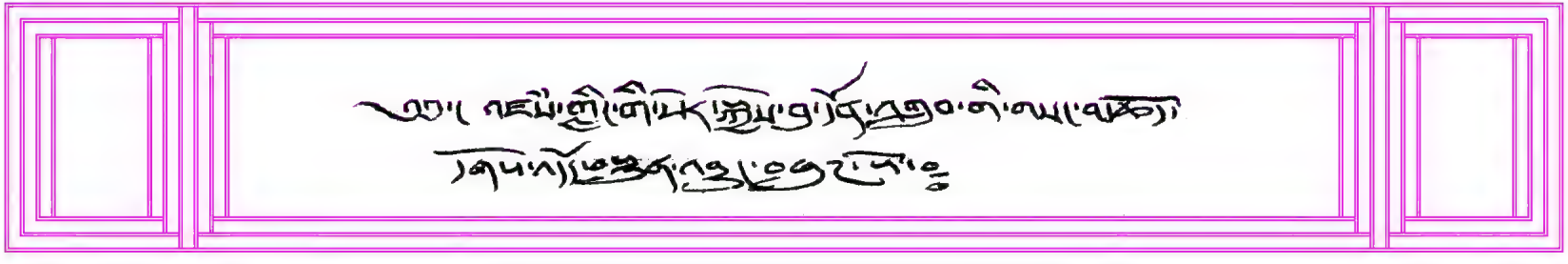

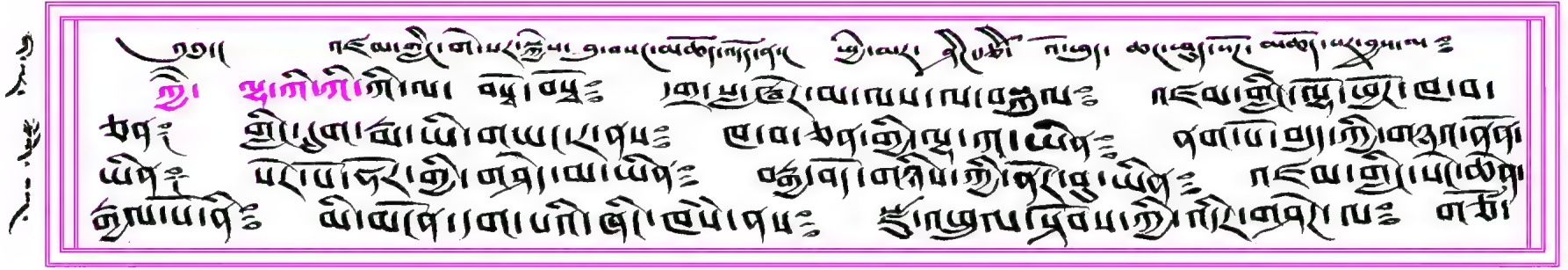

ཀཱཏྱཱཡནཱཡ སྭཱཧཱ ཨོཾ ཝཛྲཱཡ

ཨོཾ་ བཛྲ་ཧཱ་ས་ཨཱ་ཏྨ་ཀོ་ཧཾ། སྭཱ་ཀཱ་ཀཱ་རཱ་ཡཱ་ཀཱ་རཱ་ཡཱ་ཨཱ་ཏྨ་ཀོ་ཧཾ། བཛྲ་ཧཱ་ས་ཨཱ་ཏྨ་ཀོ་ཧཾ། སྭཱ་ཀཱ་ཀཱ་རཱ་ཡཱ་ཀཱ་རཱ་ཡཱ་ཨཱ་ཏྨ་ཀོ་ཧཾ། ཨ

ཚེ་བ་ཀུན་ནི་ཚེ་བ་བཅུ་ཚེ་བ་བཅུ་ཚེ་བ་བཅུ

ཀཱཾ་ཨཱཾ་ཨཱཾ་ཨ

ཀྱི་ཤིང་གཤུག་པའི་ཐ་ན་ཚིག་ཏུ། ཐུ་ཤིང་ཁ་རེག་པའི་ཐ་ན་ཚིག་ཏུ། ཏེ་ཤིང་
ཀཱ་ཤི་པའི་ཐ་ན་ཚིག་ཏུ། ཏོག་ཤིང་ནག་ཚ་པའི་ཐ་ན་ཚིག་ཏུ། ཐལ་ཤིང་ཀྲི་ཀྲི་ཞེས་
ཐ་ན་ཚིག་ཏུ། ཕྱེ་ཤིང་ཀཀུ་བའི་ཐ་ན་ཚིག་ཏུ། ཐུན་པ་ཤིང་ནག་པའི་ཐ་ན་ཚིག་
ཏུ། པི་ཤིང་ནགས་པའི་ཐ་ན་ཚིག་ཏུ། ཐེག་ཤིང་ནགས་པའི་ཐ་ན་ཚིག་ཏུ། རྒྱ་
ཤན་པའི་ཐ་ན་ཚིག་ཏུ། ཐ་ཤིང་ཤན་པའི་ཐ་ན་ཚིག་ཏུ། ལ་ཤིང་ཤན་པའི་ཐ་ན་ཚིག་

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ།

ज्ञानसिद्धाये स्वाहा ॥ ॐ नमो बुद्धाये स्वाहा ॥ ॐ नमो धर्माये स्वाहा ॥ ॐ नमो संघाये स्वाहा ॥ ॐ नमो मैत्रेयाये स्वाहा ॥ ॐ नमो मञ्जुघोषाये स्वाहा ॥ ॐ नमो लोकेश्वराये स्वाहा ॥ ॐ नमो वज्रपाणये महायक्षसेनापतये स्वाहा ॥ ॐ नमो रत्नसंभवाये स्वाहा ॥ ॐ नमो विपश्यिने स्वाहा ॥ ॐ नमो शिखिने स्वाहा ॥ ॐ नमो विश्वभुवे स्वाहा ॥ ॐ नमः ककुसन्धाय स्वाहा ॥ ॐ नमः कनकमुनये स्वाहा ॥ ॐ नमः कश्यपाय स्वाहा ॥ ॐ नमः शाक्यसिंहाय सर्वार्थसाधनाय तेजोराशये तथागताय अर्हते सम्यक्संबुद्धाय तद्यथा ॥ ॐ विशुद्धे विशुद्धे महाविशुद्धे असमसमे सर्वधर्मपरिशुद्धे सर्वकर्मावरणविशोधनि सर्वतथागतसमवसरणसमुद्भवे स्वाहा ॥

ཀཱ་ཡ་ཝཱ་ཀ་ཙི་ཏྟཱ་ནཱཾ་ཨ་ཏི་ཀྲ་མ་ཎཾ་ཨ་ཏི་ཀྲ་མ་ཎཾ་ཨ་ཏི་ཀྲ་མ་ཎ

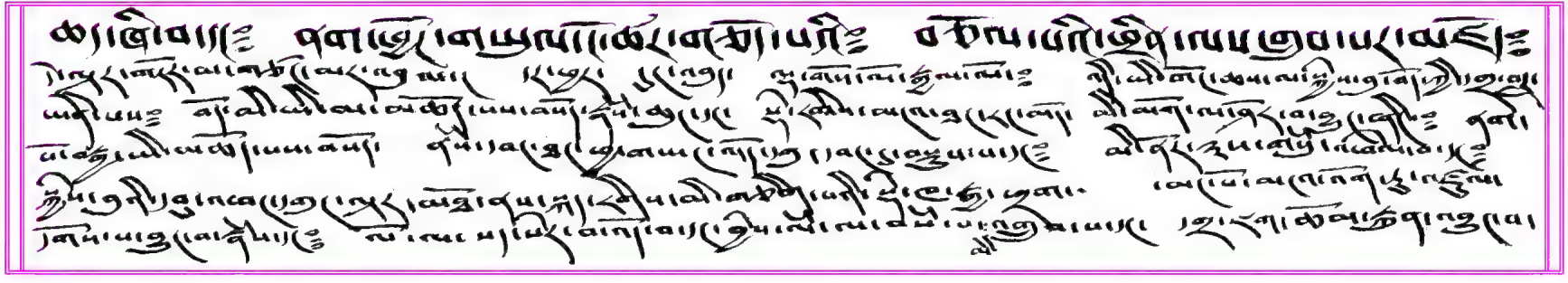

ཀུ་ཀུ་ཀུ་

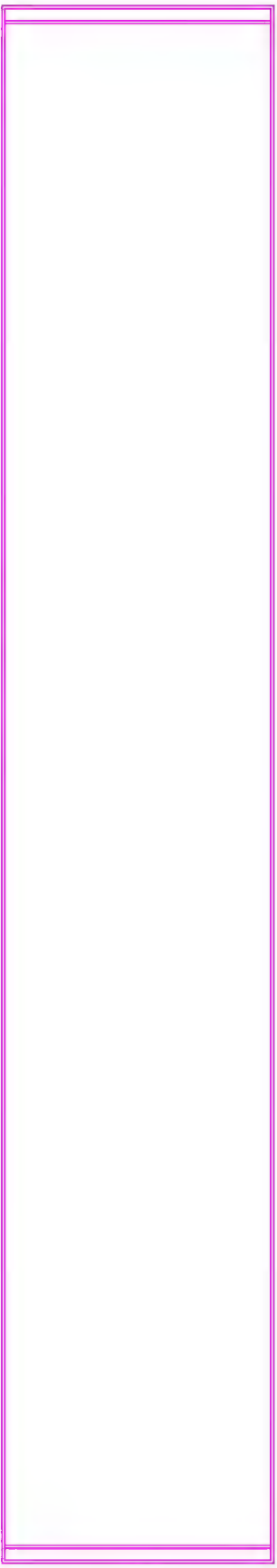

ཀ ། ཀ ། ཀ །

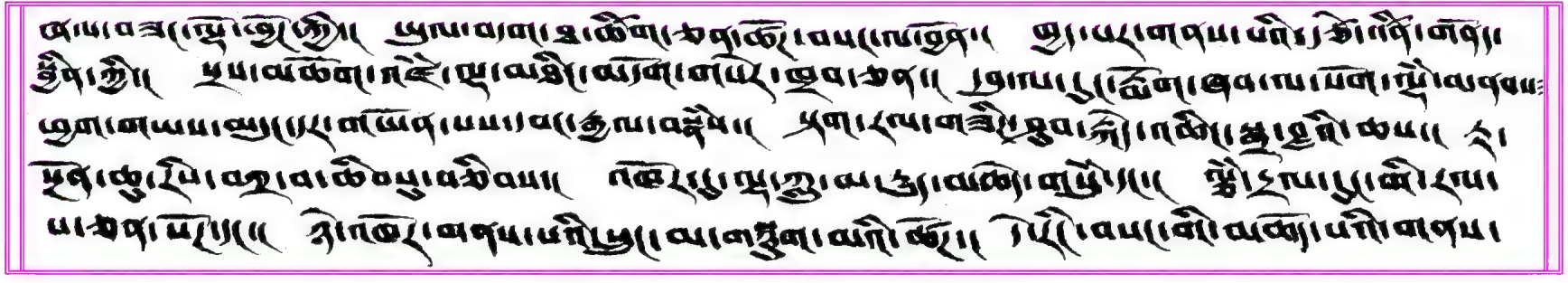

ཨཱཿ ཀཱིརཱིཥྚཱཿ ཛཱཡཱཔཱིཏཱཡཱཿ ཀཱཥཱཡཱཡཱཿ ཝསྟྲཱཡཱཡཱཿ ཡཛྙོཔཝཱིཏཱཡཱཿ
ཤྲཱིཝཱཙཱིཝཱཝཡཱཡཱིཝཙཀྵཱཡཱཡཱཿ ཤྲཱིཝཱཙཱཡཱཡཱཿ ཤྲཱིཡུཀྟཝཱཙཱཡཱཡཱཿ ཤྲཱིཡུཀྟཝཱཙཱཡཱཡཱཿ
ཝཛྲཡུཀྟཡཱཡཱཿ ཝཛྲཝཱཙཱཡུཀྟཱཡཱཡཱཿ ཤྲཱིཔཱཙཱཡཱཡཱཿ ཤྲཱིཔཱཙཱཡཱཡཱཿ ཤྲཱིཔཱཙཱཡཱཡཱཿ
ཤྲཱིཔཱཙཱཡཱཡཱཿ ཤྲཱིཔཱཙཱཡཱཡཱཿ ཤྲཱིཔཱཙཱཡཱཡཱཿ ཤྲཱིཔཱཙཱཡཱཡཱཿ ཤྲཱིཔཱཙཱཡཱཡཱཿ
ཤྲཱིཔཱཙཱཡཱཡཱཿ ཤྲཱིཔཱཙཱཡཱཡཱཿ ཤྲཱིཔཱཙཱཡཱཡཱཿ ཤྲཱིཔཱཙཱཡཱཡཱཿ ཤྲཱིཔཱཙཱཡཱཡཱཿ
ཤྲཱིཔཱཙཱཡཱཡཱཿ ཤྲཱིཔཱཙཱཡཱཡཱཿ ཤྲཱིཔཱཙཱཡཱཡཱཿ ཤྲཱིཔཱཙཱཡཱཡཱཿ ཤྲཱིཔཱཙཱཡཱཡཱཿ
ཤྲཱིཔཱཙཱཡཱཡཱཿ ཤྲཱིཔཱཙཱཡཱཡཱཿ ཤྲཱིཔཱཙཱཡཱཡཱཿ ཤྲཱིཔཱཙཱཡཱཡཱཿ ཤྲཱིཔཱཙཱཡཱཡཱཿ
ཤྲཱིཔཱཙཱཡཱཡཱཿ ཤྲཱིཔཱཙཱཡཱཡཱཿ ཤྲཱིཔཱཙཱཡཱཡཱཿ ཤྲཱིཔཱཙཱཡཱཡཱཿ ཤྲཱིཔཱཙཱཡཱཡཱཿ
ཤྲཱིཔཱཙཱཡཱཡཱཿ ཤྲཱིཔཱཙཱཡཱཡཱཿ ཤྲཱིཔཱཙཱཡཱཡཱཿ ཤྲཱིཔཱཙཱཡཱཡཱཿ ཤྲཱིཔཱཙཱཡཱཡཱཿ

ཅེས་བཤད་པ། བཅུ་པ་ཐབས་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ནི། ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོའི་ཐབས་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཡིན་ཏེ། ཐབས་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཞེས་བྱ་བ་ནི།

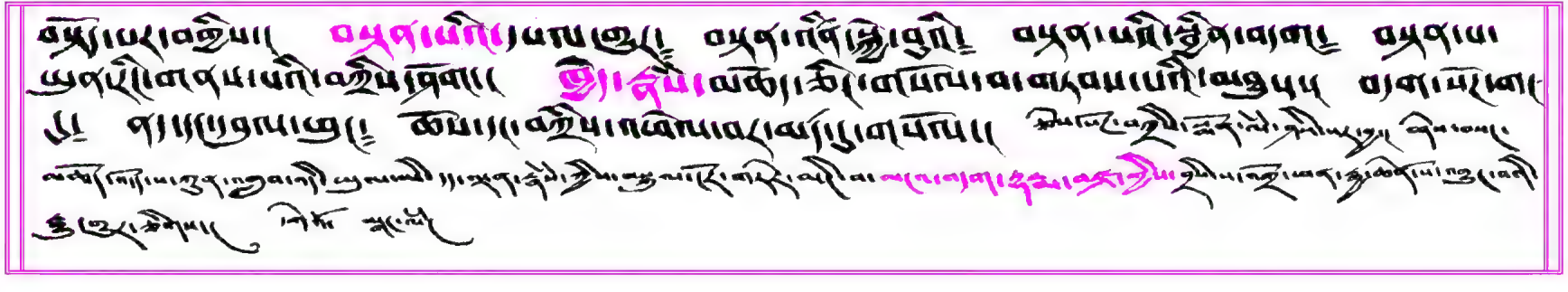

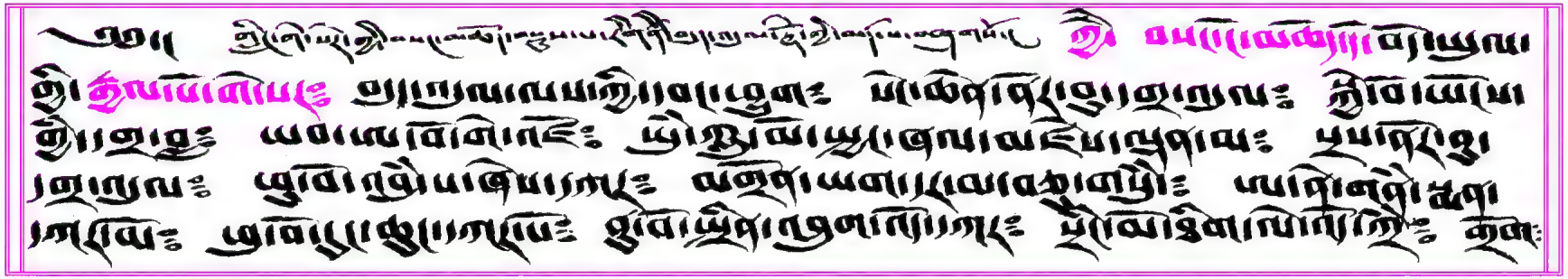

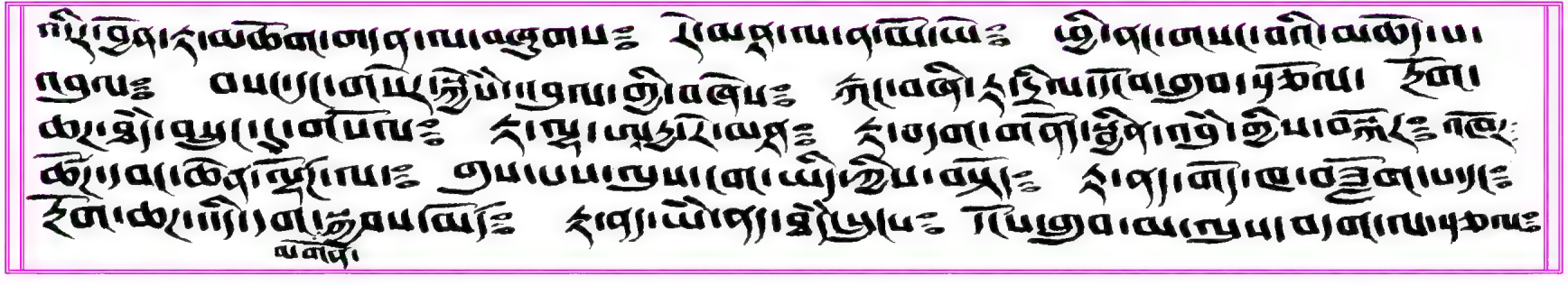

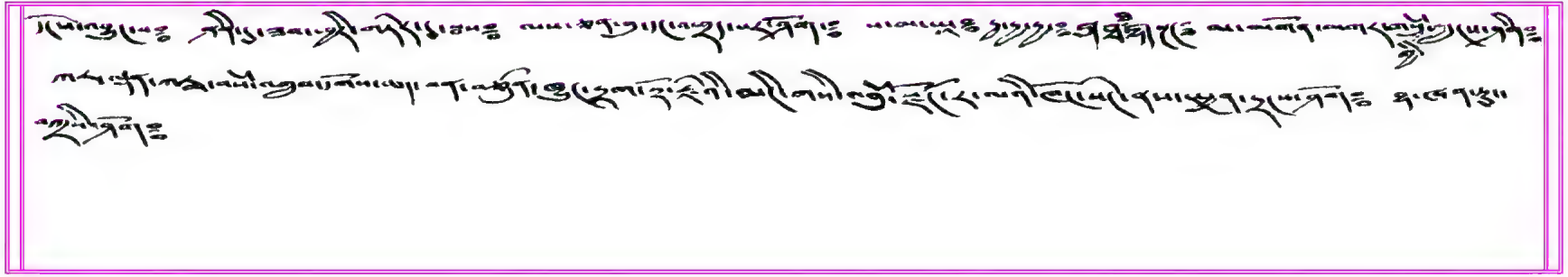

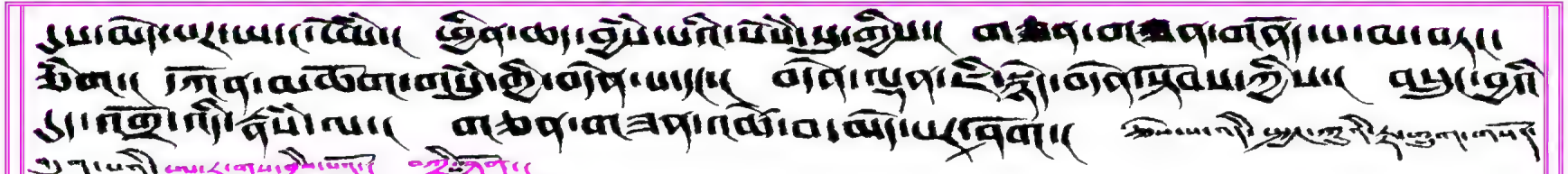

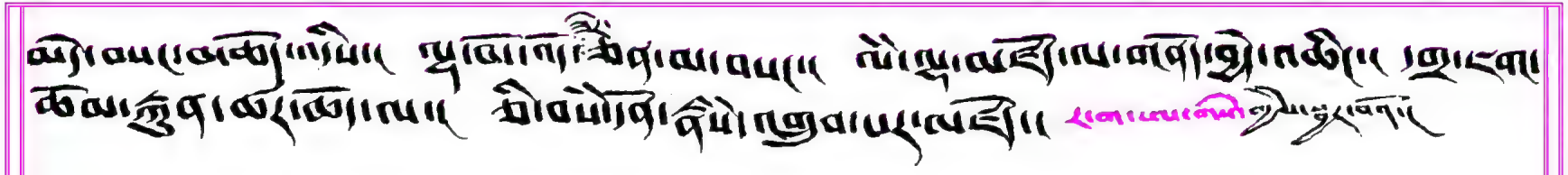

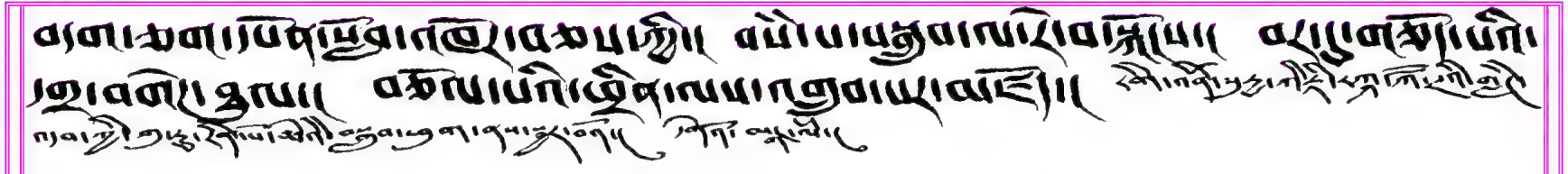

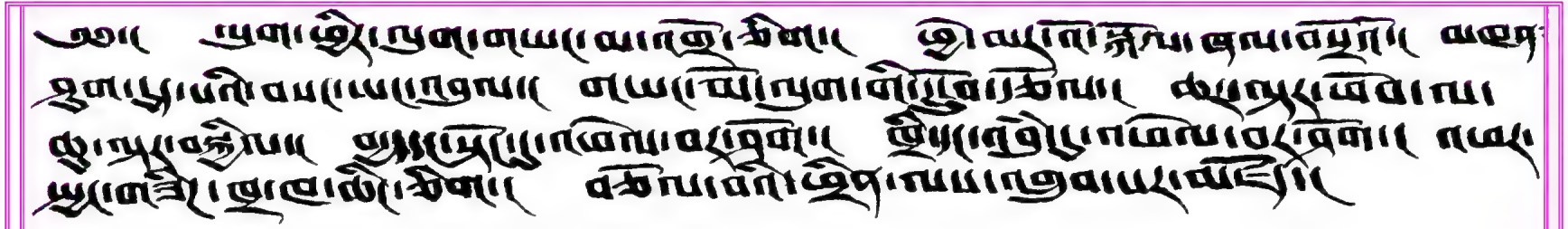

150

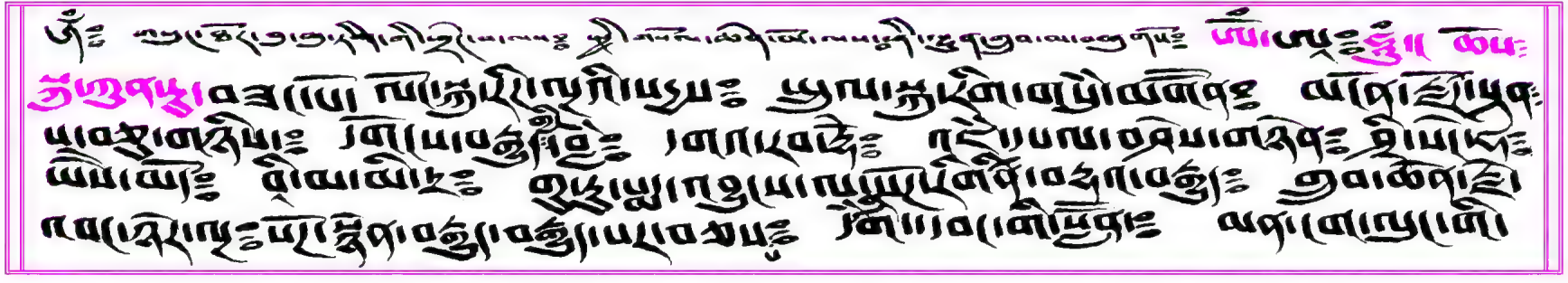

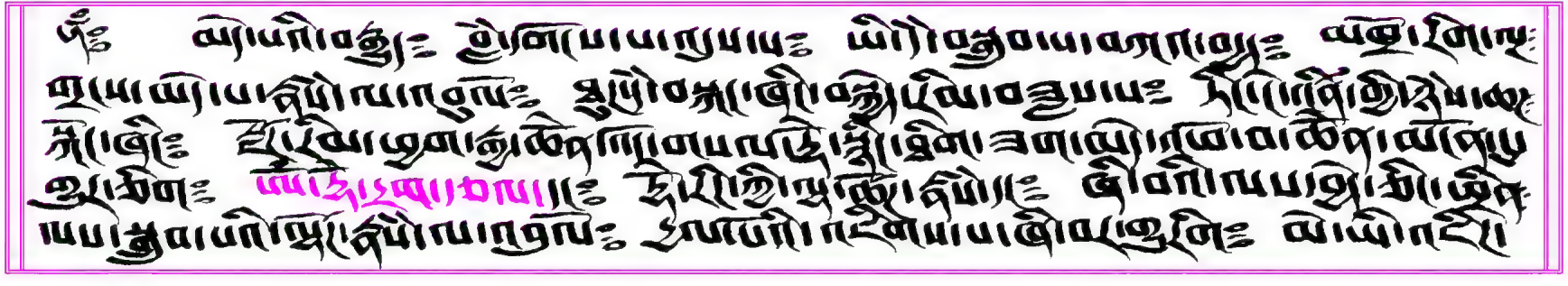

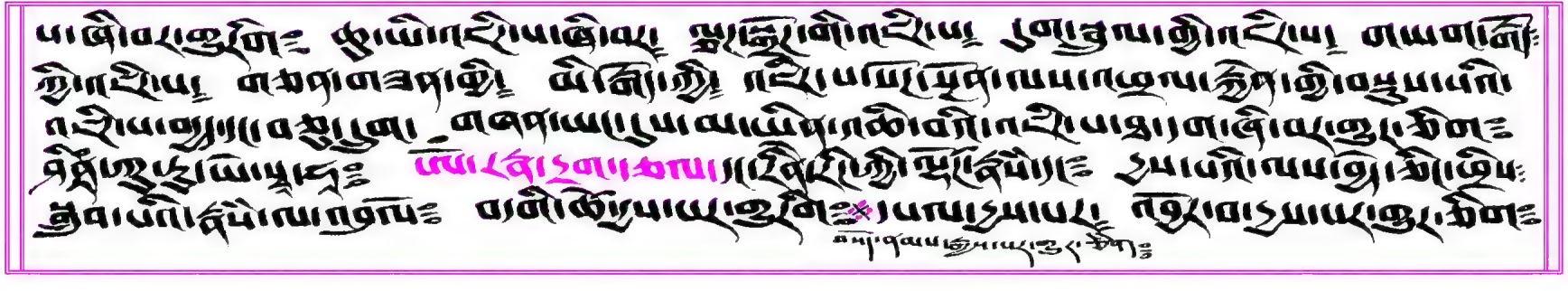

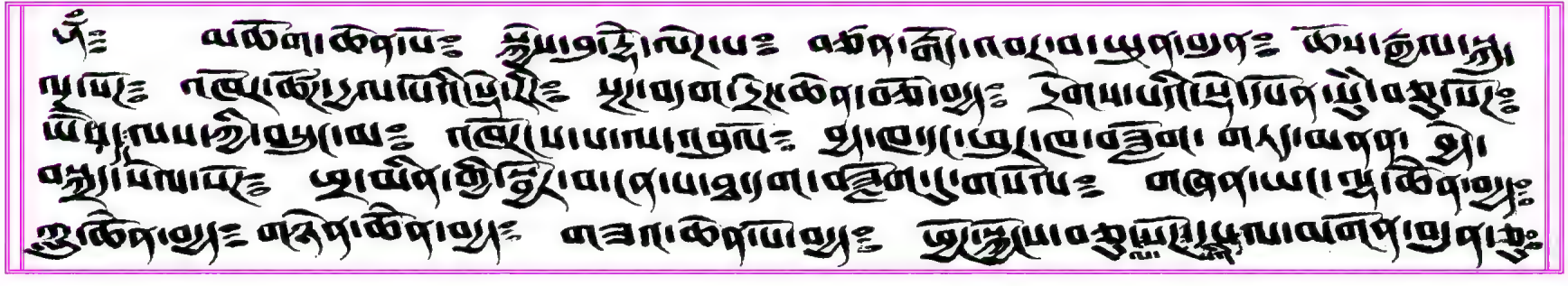

ॐ त्रैलोक्यलोकनाथाय त्रैलोक्यपालकाय त्रैलोक्यपालनाय श्यामावज्रिणे हुंफट् वज्रयक्षाय
नमः ॐ वज्रयक्षाधिपतये स्वाहा ॐ यक्षेश्वरी श्रीदेव्यै स्वाहा ॐ श्यामावज्रिणी
श्रीदेवी यक्षेश्वरी श्रीदेवी यक्षेश्वरी श्रीदेवी यक्षेश्वरी श्रीदेवी यक्षेश्वरी श्रीदेवी

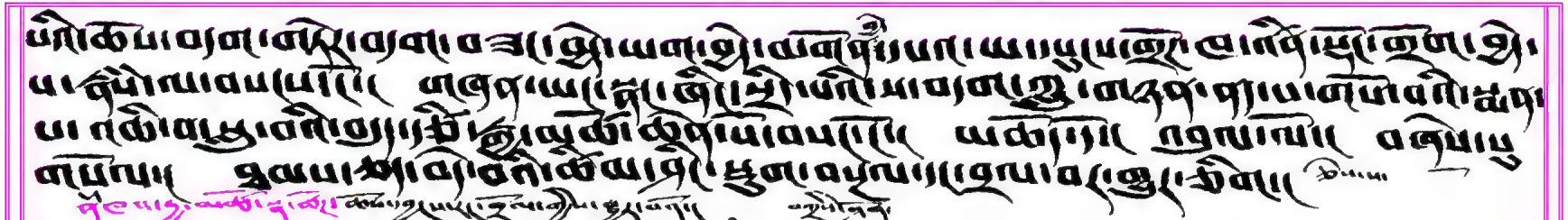

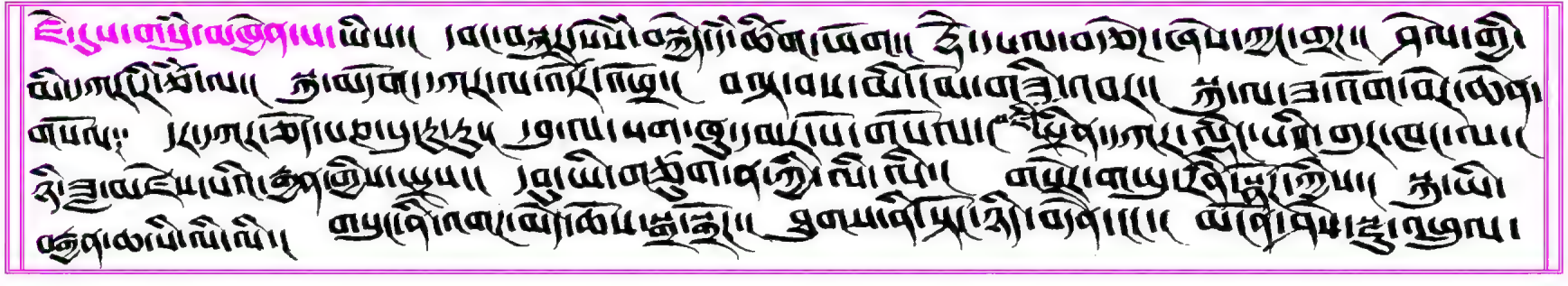

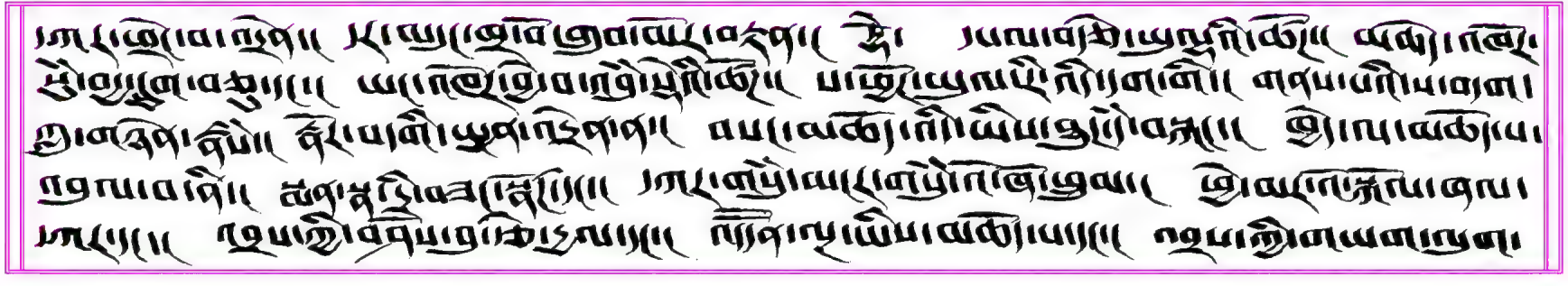

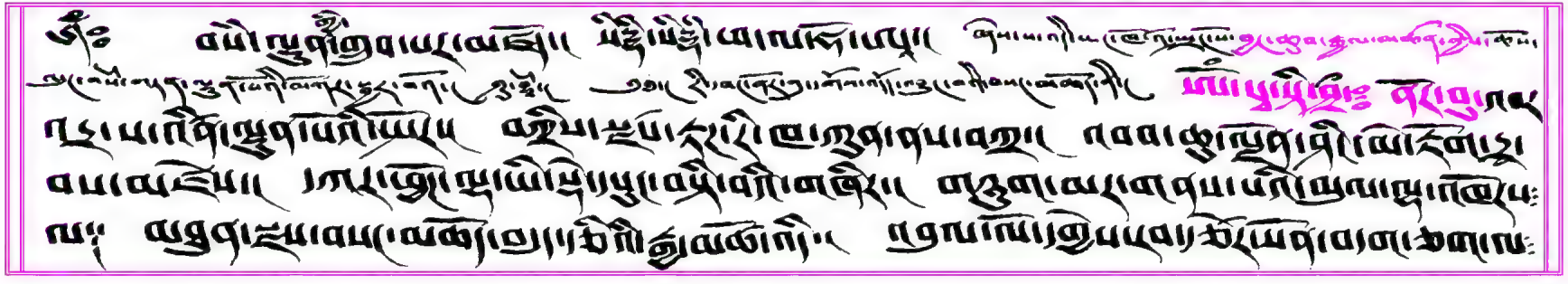

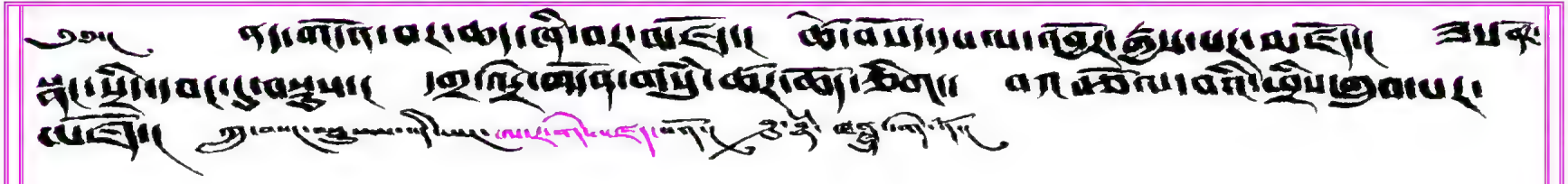

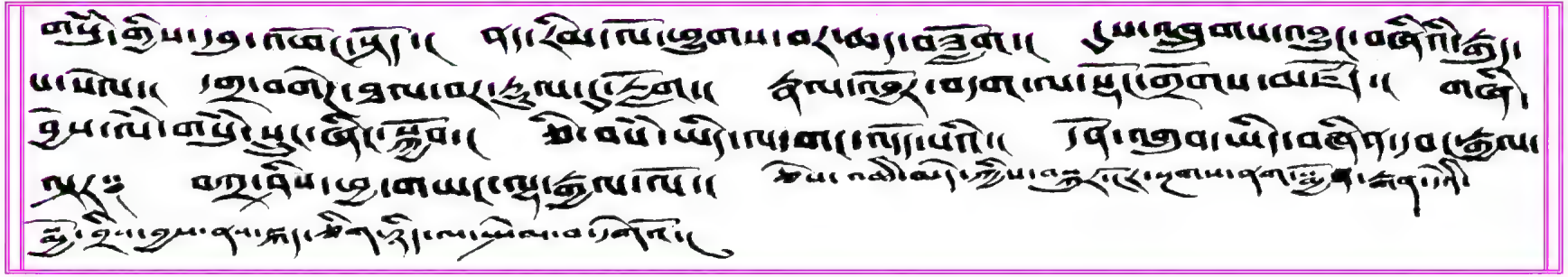

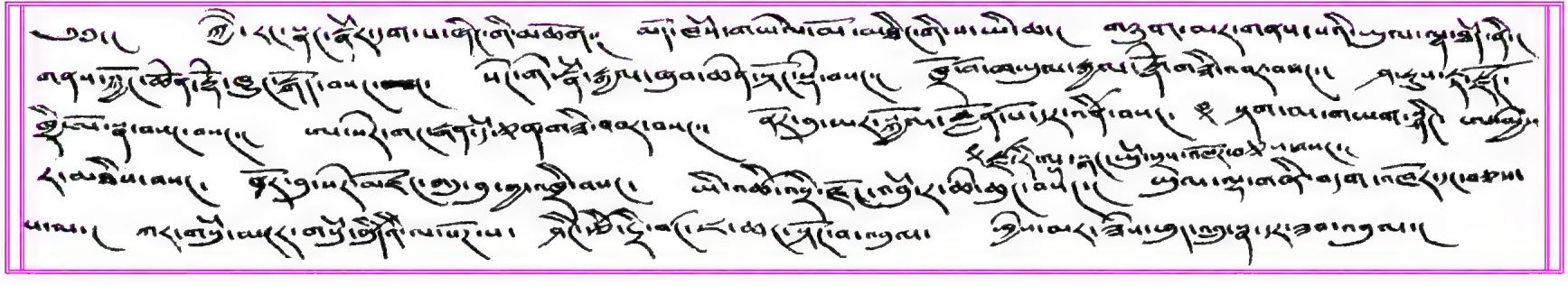

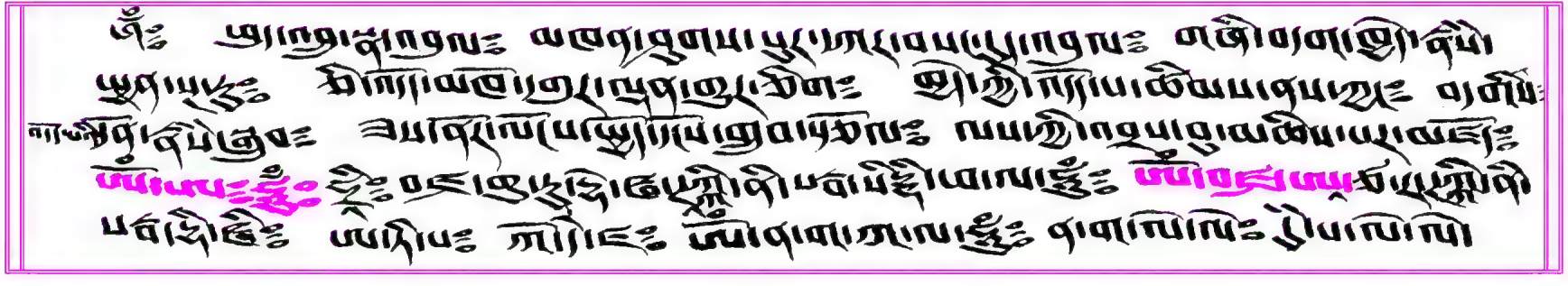

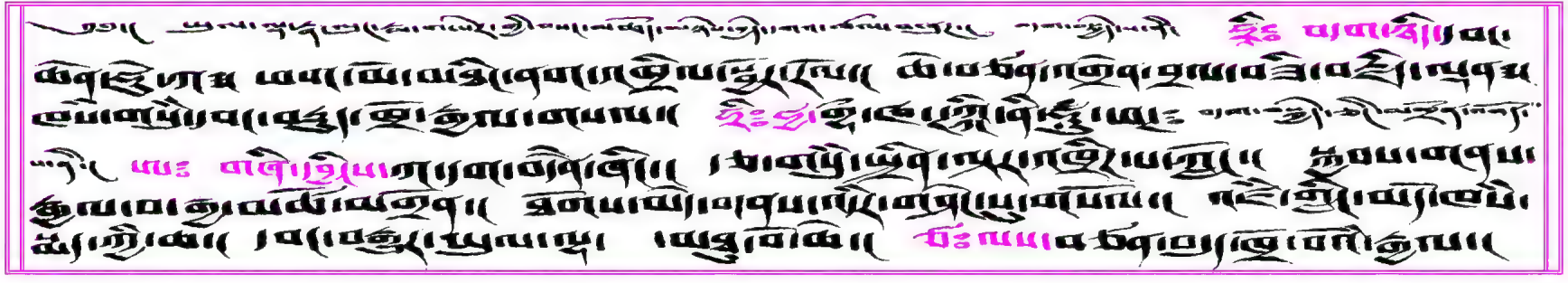

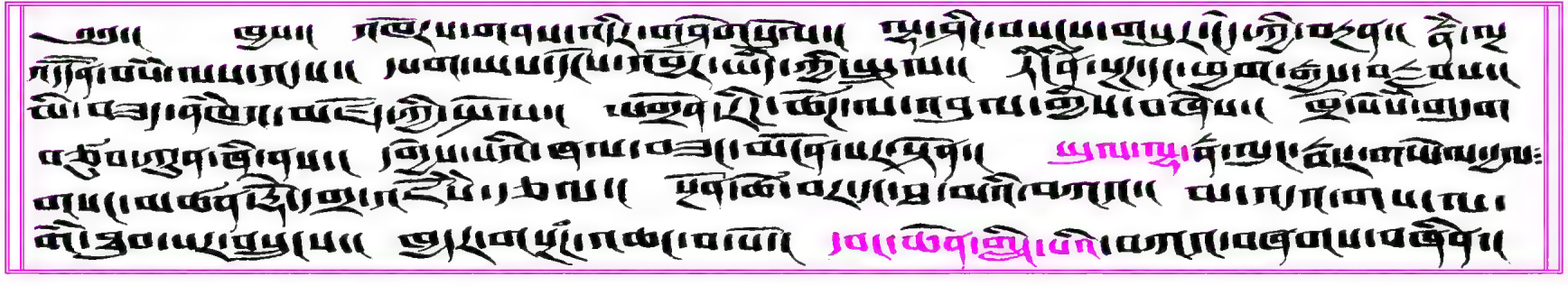

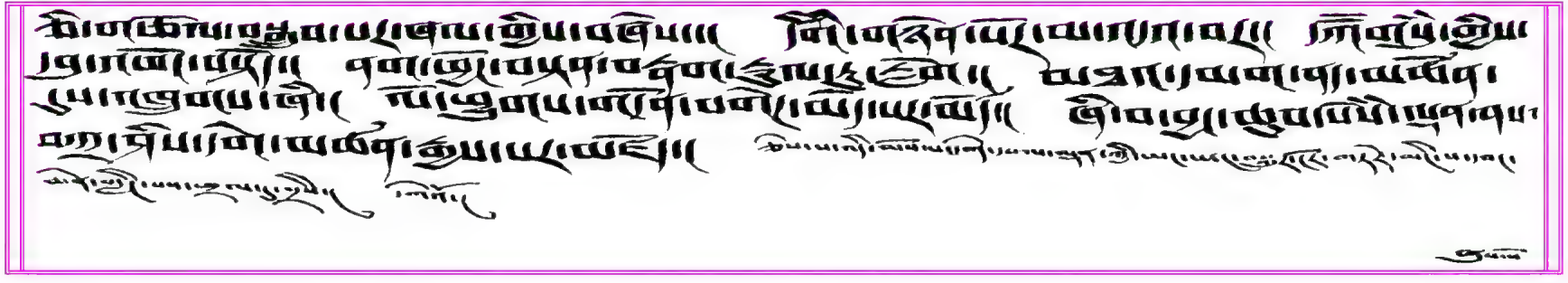

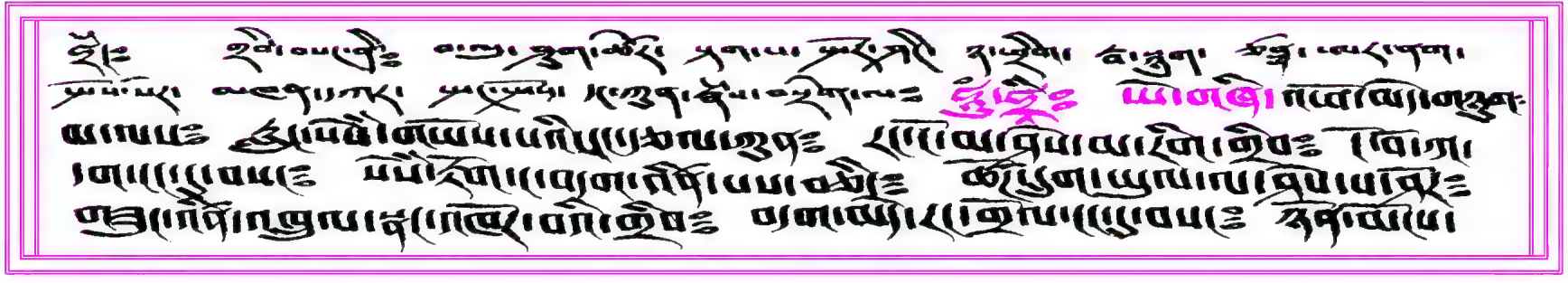

ॐ आः हूं वज्रपाणि अभिषिञ्चतु माम् सर्वतथागतवज्रकुलेषु वज्रपाणिं मां कुरु कुरु वज्रपाणि
हूं फट् स्वाहा। तद्यथा। ॐ वज्रे वज्रे महावज्रे वज्रगर्भे वज्रसंभवे वज्रकुलसंभवे वज्रपाणि
हूं फट् स्वाह

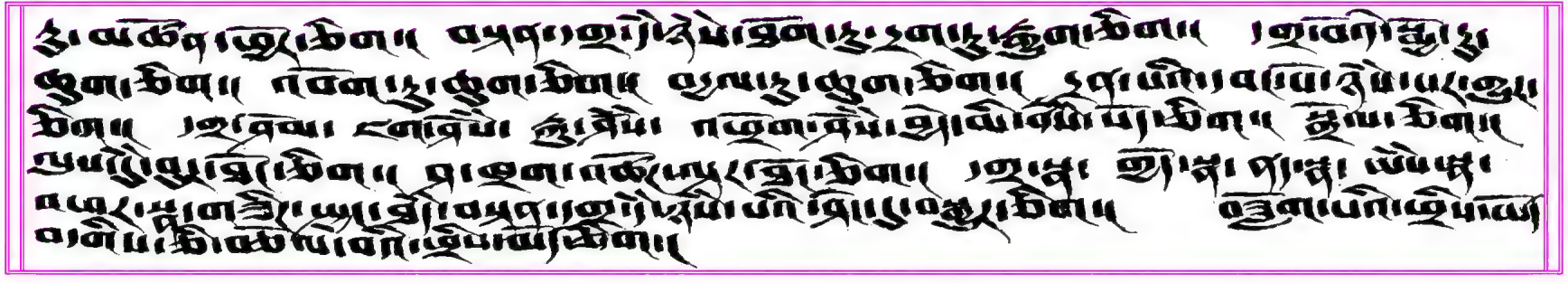

ཡིན་ཏེ། ཁྱོད་ཀྱི་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཁྱད་པར་ཅི་ཙམ་ཞིག་ཡིན་ཞེ་ན། ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཡི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཁྱད་པར་ཡིན་ཏེ། ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཡི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཁྱད་པར་ཅི་ཙམ་ཞིག་ཡིན་ཞེ་ན། ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཡི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཁྱད་པར་ནི

ཡོངས་ བཅས་པ་དེ་ཉིད་ཀྱི་ཚུལ་ཁྲིམས་ཀྱི་ཕུང་པོ་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ཡིན་ནོ། ཞེས་བྱ་བ་ན

ཨོཾ་ ཨཱཿཧཱུྃ་ ཨཱཿཧཱུྃ་ ཨཱཿཧཱུྃ

ཀྱི་ཚེ་ དེ་ཉིད་ཀྱི་ ཁམས་ལས་ཀྱང་ཡིད་ཀྱི་ རྣམ་པར་ཤེས་པ་ཞེས་བྱ་བ་ སྐྱེ་བ་ཡོད་ཀྱི་ ཡིད་ཀྱི་ རྣམ་པར་ཤེས་པ་ཞེས་བྱ་བ་ ཡང

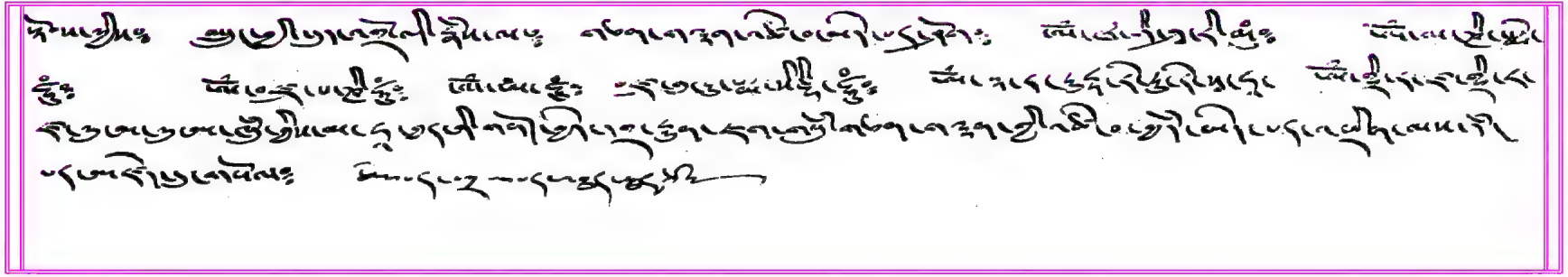

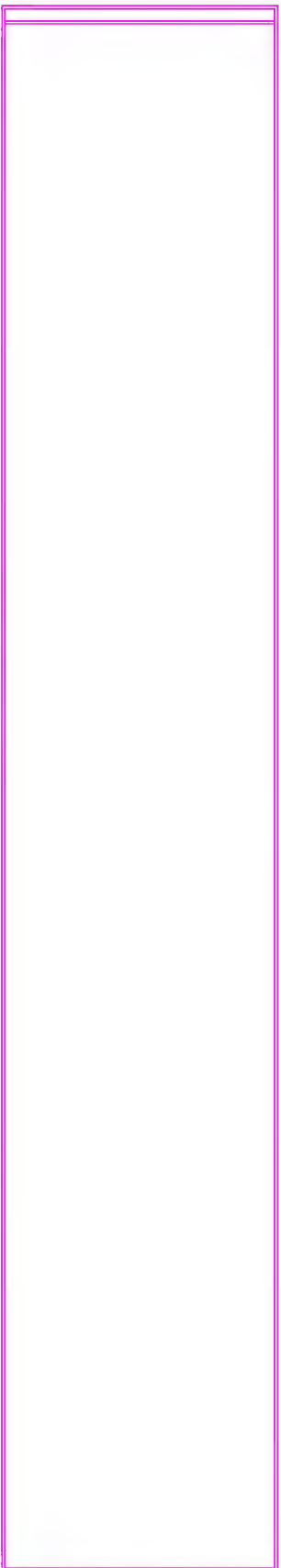

ಶ್ರೀಕೃಷ್ಣಪಾದಾಂಬುಜಭೃಂಗಾಯಮಾನಾಯ ಶ್ರೀಮದ್ವಿಜಯೀಂದ್ರಯತಿವರ್ಯಾಯ ನಮಃ

ಶ್ರೀಮದ್ವಿಜಯೀಂದ್ರಯತಿವರ್ಯವಿರಚಿತಾ

ಶ್ರೀಮದ್ಭಾಗವತಸಾರಸಂಗ್ರಹಃ

ಶ್ರೀಮದ್ಭಾಗವತಸಾರಸಂಗ್ರಹಃ

ಶ್ರೀಮದ್ಭಾಗವತಸಾರಸಂಗ್ರಹಃ

ரரரஃ ரபொளரீபபூபவவியொடஃஃ ரறூரவீவவுதிவதுஜூபவுதுதவபரீரவஃ வளரழதீயவதமுறுவதுதவபரீரகிஃ முபா
எபீபபூபவபரீபவபதுதுபவளபவஃ ஜீபீவவவபவஃ ஜூபவஜூபவதவரீரவதுதீவபவஃ வதுதுதுவபவஜீவதுதுபவபூபவஃ
தூறுதுவதுதீவபூபீபூபவஃ ஜூபவபவபீவுவவபவதுதுதுபவளபவஃ ஸவுவவபவஃ தீஜீவுவவபவஃ ஜீபீவவவபவஃ வஜீவதுதீ
ஜுவவவதுதீஜூவவபவதுதீஃ பவபீதுதீபவதுதுவபவஜூவவபவதுதீஃ தீவீவுதுதீபவதுதுவபவஜூவவபவஃ தீவதுவவதுதீபவபவஜூவதீ
எபவஃ ஜீபீவவவபவஃ முபவஜூபவதீபவவுவதுதீபவபவபவபவயீஃ வஜீவதுதீபவவவபவதுதீபவபவஃ வதுபூவபவதீபவபவபீவபவஜீவ
வதுதீஃ தீபவவவபவவவபவதுதீபவபவஃ ஜீபீவவவபவஃ வவபவபவஜூபவதுவதுதீபவதுதீஃ வீவவபவஜூபவதீபவபவஜீவ
பவபவபவபவதுபவதீஜூவவபவதுதீஃ தவஜூபவதீபவவபவஃ ஜீபீவவவபவஃ வவபவபவபவதுதீபவதுதீஃ வவவபவபவபவதுதீபவதுதீஃ

——ನಾಗಃ ಪತ್ತೋಪಸ್ಥಾನಮಿಸಃ ಶೌಚಕಾಯಾಪದ್ಧಃ ಸ್ವಾಯತೀನಾಮಪ್ಯಾಸಾನಾಕಾರಾಯಾಯಿಯಾಯಾಯಃ ಪೆಕಾಣಿಃ ಕೈಯಾಯಾ ಕೈಯಾಪ್ಪಾಃ ಸ್ವಾಯತೀನಾಮಪ್ಪಾಸಾನಾಕಾರಾಯಾಯಿಯಾಯಾಯಃ ಪೆಕಾಣಿಃ ಕೈಯಾಯಾಕೈಯಾಪ್ಪಾಃ ಶೌಚಕಾಯಾಪದ್ಧಃ ಸ್ವಾಯತೀನಾಮಪ್ಪಾಸಾನಾಕಾರಾಯಾಯಿಯಾಯಾಯಃ ಪೆಕಾಣಿಃ ಕೈಯಾಯಾಕೈಯಾಪ್ಪಾಃ ತಯಾಯಃ ಶೌಚಕಾಯಾಪದ್ಧಃ ಸ್ವಾಯತೀನಾಮಪ್ಪಾಸಾನಾಕಾರಾಯಾಯಿಯಾಯಾಯಃ ಪೆಕಾಣಿಃ ಕೈಯಾಯಾಕೈಯಾಪ್ಪಾಃ ಹೈಕಾಯಾ

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ། གཤེགས་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཉིད་ཀྱི་ངོ་བོ་ཉིད་ཀྱིས་ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཡུམ་ཆེན་མོ་ཀུན་ཏུ་བཟང་མོ་ཞེས་བྱ་བ་ཐུག

ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय महाबलपराक्रमाय महाप्रतिसरे महाविद्याराज्ञि सर्वभूतसंघट्टनि सर्वदुष्टप्रदुष्टेभ्यः सर्वदुष्टग्रहेभ्यः सर्वदुष्टविषेभ्यः सर्वदुष्टक्षुद्रोपद्रवेभ्यः सर्वदुष्टभयेभ्यः सर्वदुष्टोपसर्गेभ्यः सर्वदुष्टदुर्निमित्तेभ्यः सर्वदुष्टदुःस्वप्नेभ्यः सर्वदुष्टदुर्लक्षणेभ्यः सर्वदुष्टदुरारिष्टेभ्यः सर्वदुष्टदुर्गतिगमनेभ्यः सर्वदुष्टदुर्भिक्षेभ्यः सर्वदुष्टदुर्वचनेभ्यः सर्वदुष्टदुर्मनोभ्यः सर्वदुष्टदुष्टचित्तेभ्यः सर्वदुष्टदुष्टवाग्भ्यः सर्वदुष्टदुष्टकायेभ्यः सर्वदुष्टदुष्टकर्मभ्यः सर्वदुष्टदुष्टशब्देभ्यः सर्वदुष्टदुष्टरूपेभ्यः सर्वदुष्टदुष्टगन्धेभ्यः सर्वदुष्टदुष्टरसेभ्यः सर्वदुष्टदुष्टस्पर्शेभ्यः सर्वदुष्टदुष्टधर्मेभ्यः सर्वदुष्टदुष्टसर्वेभ्यः सर्वदुष्टदुष्टसर्वभयेभ्यः सर्वदुष्टदुष्टसर्वोपद्रवेभ्यः सर्वदुष्टदुष्टसर्वोपसर्गेभ्यः सर्वदुष्टदुष्टसर्वदुर्निमित्तेभ्यः सर्वदुष्टदुष्टसर्वदुःस्वप्नेभ्यः सर्वदुष्टदुष्टसर्वदुर्लक्षणेभ्यः सर्वदुष्टदुष्टसर्वदुरारिष्टेभ्यः सर्वदुष्टदुष्टसर्वदुर्गतिगमनेभ्यः सर्वदुष्टदुष्टसर्वदुर्भिक्षेभ्यः सर्वदुष्टदुष्टसर्वदुर्वचनेभ्यः सर्वदुष्टदुष्टसर्वदुर्मनोभ्यः सर्वदुष्टदुष्टसर्वदुष्टचित्तेभ्यः सर्वदुष्टदुष्टसर्ववाग्भ्यः सर्वदुष्टदुष्टसर्वकायेभ्यः सर्वदुष्टदुष्टसर्वकर्मभ्यः सर्वदुष्टदुष्टसर्वशब्देभ्यः सर्वदुष्टदुष्टसर्वरूपेभ्यः सर्वदुष्टदुष्टसर्वगन्धेभ्यः सर्वदुष्टदुष्टसर्वरसेभ्यः सर्वदुष्टदुष्टसर्वस्पर्शेभ्यः सर्वदुष्टदुष्टसर्वधर्मेभ्यः सर्वदुष्टदुष्टसर्वेभ्यः सर्वदुष्टदुष्टसर्वभयेभ्यः सर्वदुष्टदुष्टसर्वोपद्रवेभ्यः सर्वदुष्टदुष्टसर्वोपसर्गेभ्यः सर्वदुष्टदुष्टसर्वदुर्निमित्तेभ्यः सर्वदुष्टदुष्टसर्वदुःस्वप्नेभ्यः सर्वदुष्टदुष्टसर्वदुर्लक्षणेभ्यः सर्वदुष्टदुष्टसर्वदुरारिष्टेभ्यः सर्वदुष्टदुष्टसर्वदुर्गतिगमनेभ्यः सर्वदुष्टदुष्टसर्वदुर्भिक्षेभ्यः सर्वदुष्टदुष्टसर्वदुर्वचनेभ्यः सर्वदुष्टदुष्टसर्वदुर्मनोभ्यः सर्वदुष्टदुष्टसर्वदुष्टचित्तेभ्यः सर्ववाग्भ्यः सर्वकायेभ्यः सर्वकर्मभ्यः सर्वशब्देभ्यः सर्वरूपेभ्यः सर्वगन्धेभ्यः सर्वरसेभ्यः सर्वस्पर्शेभ्यः सर्वधर्मेभ्यः सर्वेभ्यः सर्वभयेभ्यः सर्वोपद्रवेभ्यः सर्वोपसर्गेभ्यः सर्वदुर्निमित्तेभ्यः सर्वदुःस्वप्नेभ्यः सर्वदुर्लक्षणेभ्यः सर्वदुरारिष्टेभ्यः सर्वदुर्गतिगमनेभ्यः सर्वदुर्भिक्षेभ्यः सर्वदुर्वचनेभ्यः सर्वदुर्मनोभ्यः सर्वदुष्टचित्तेभ्यः सर्वसत्त्वानां सर्वभयेभ्यः सर्वोपद्रवेभ्यः सर्वोपसर्गेभ्यः सर्वदुर्निमित्तेभ्यः सर्वदुःस्वप्नेभ्यः सर्वदुर्लक्षणेभ्यः सर्वदुरारिष्टेभ्यः सर्वदुर्गतिगमनेभ्यः सर्वदुर्भिक्षेभ्यः सर्वदुर्वचनेभ्यः सर्वदुर्मनोभ्यः सर्वदुष्टचित्तेभ्यः सर्वसत्त्वानां सर्वपापेभ्यः सर्वावरणेभ्यः रक्ष रक्ष मां भगवति महाप्रतिसरे स्वाहा ॥

ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ ། ཀཱ་ཡ་ཝཱཀ་ཙི་ཏ་ཨ་ནཱ་ཝི་ལ་ཝཛྲ་ཨ་ཨ་ཨཱ་ཨཱ་ཨཱ

ཨོཾ། དེ་ནས་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཡི། །ཏིང་ངེ་འཛིན་ལས་བཞེངས་ནས་ཀྱང་། །ཕྱག་ཕྱོགས་བཅུ་ན་བཞུགས་པ་ཡི། །སངས་རྒྱས་ཐམས་ཅད་ཀུན་ཏུ་ཡང་། །ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོས་ཀུན་ཏུ་བཟུང་། །ཞེས་པ་ལ་སོགས་པ་ཡིས། །ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཉིད་ཀྱིས་ཀྱང་

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महायक्षसेनापतये हुं हुं फट् फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय महायक्षसेनापतये हुं हुं फट् फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय महायक्षसेनापतये हुं हुं फट् फट् स्वाहा ॥

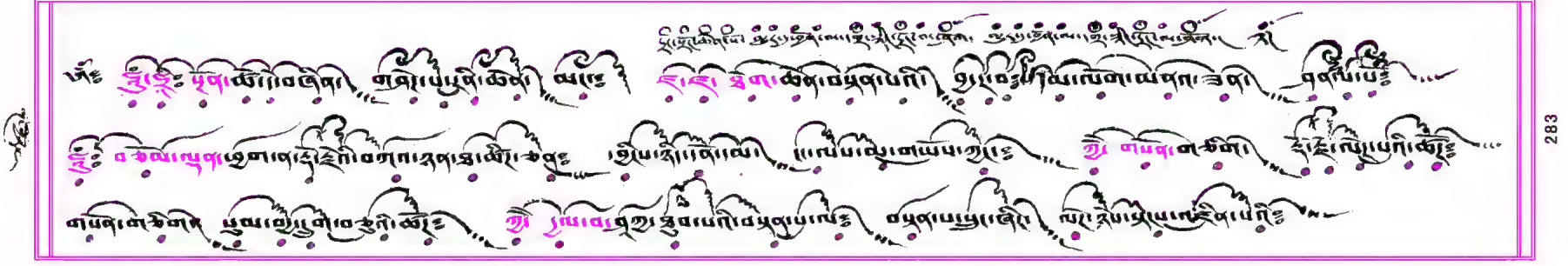

ཨཱཿ ཨོཾ་ཨཱཿ ཧཱུྃ་ཧཱུྃ

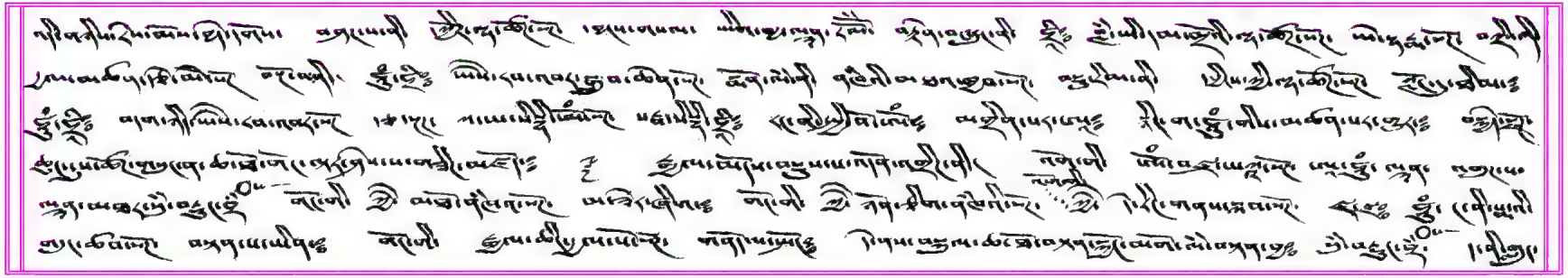

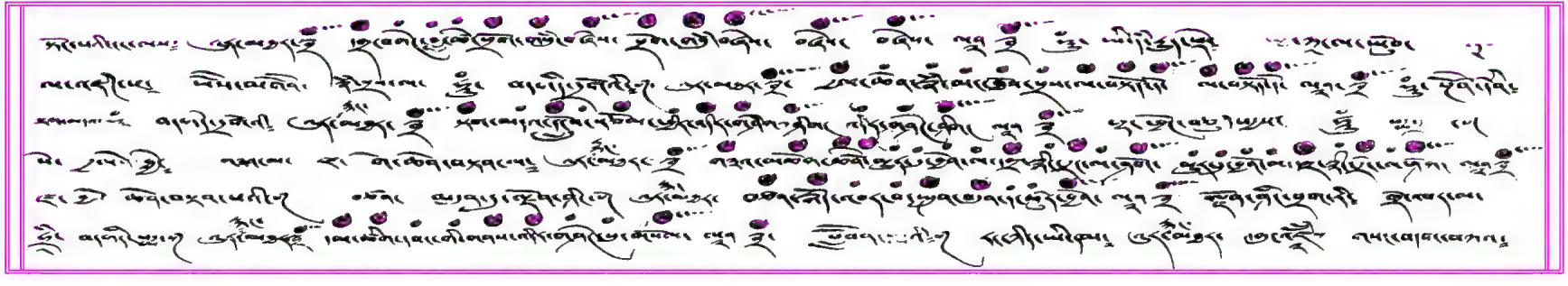

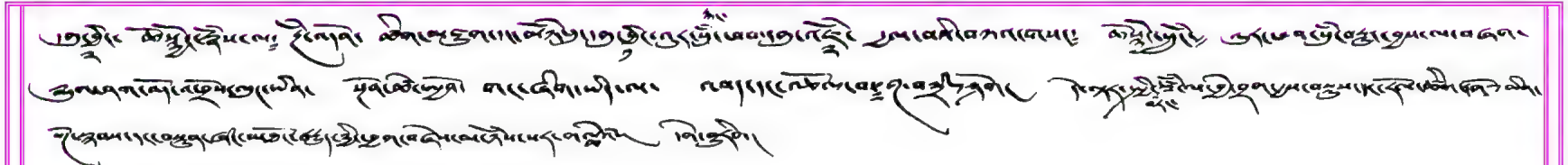

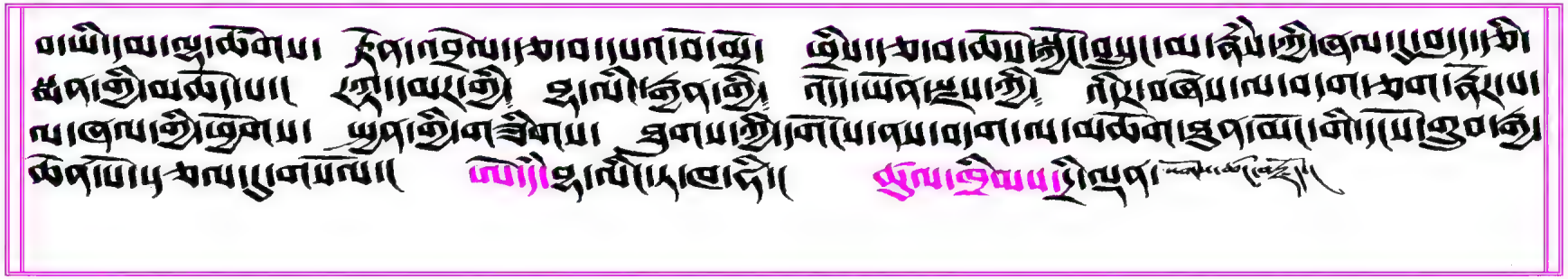

ཨོཾ་ སྭཱ་ཧཱ་ ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ

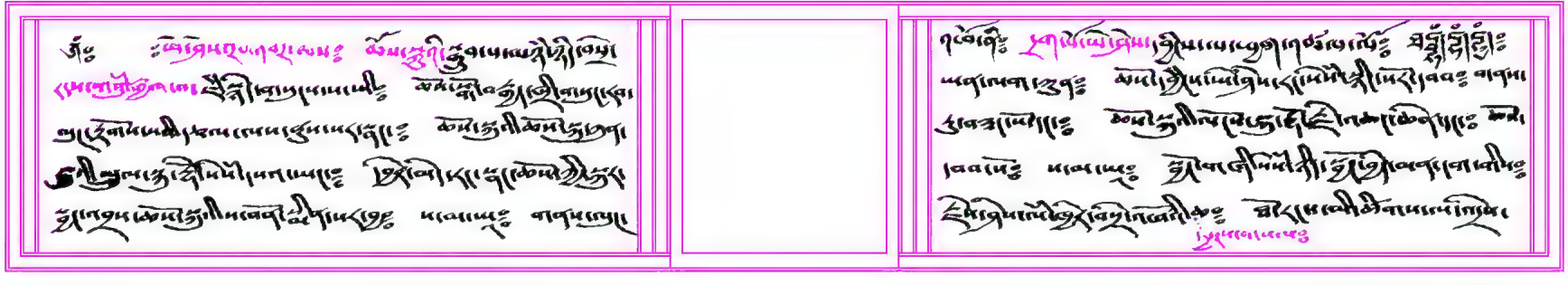

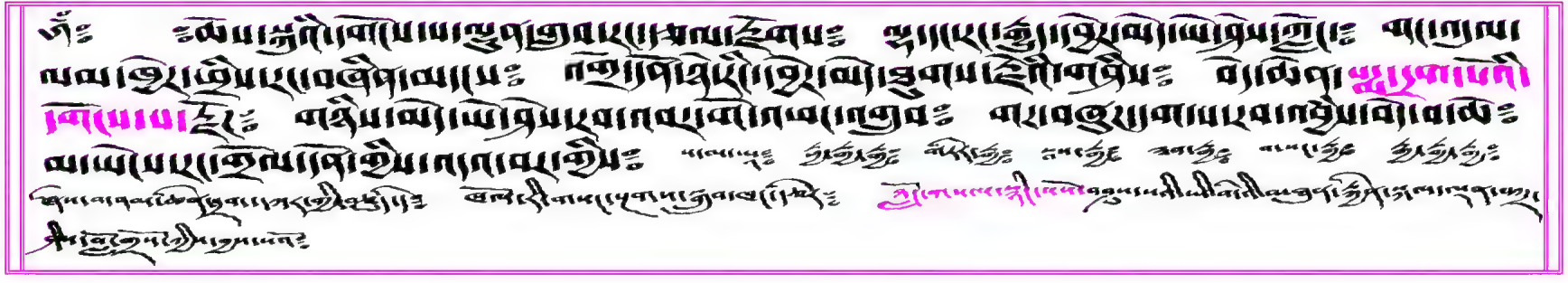

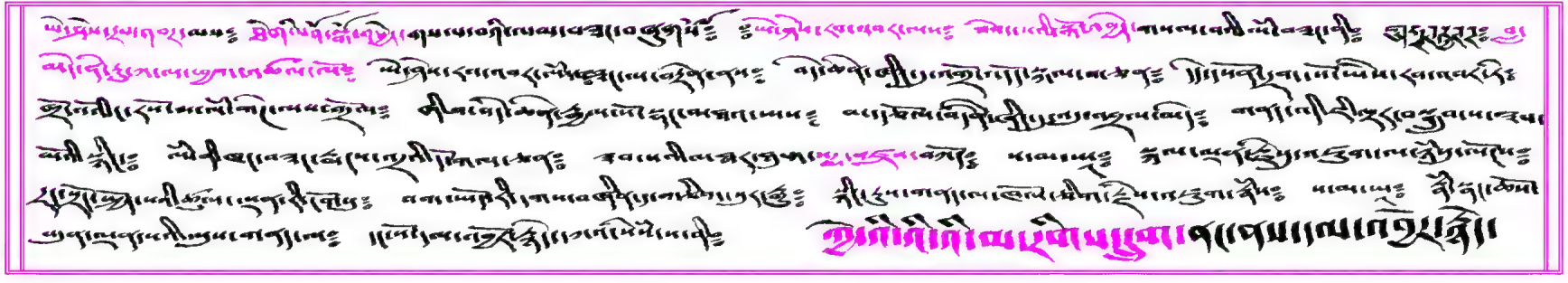

ཨཾ། ཨཱཿཨཱཿཨཱཿཨཱཿཨཱཿ དེཝཱཿཨཱཿཨཱཿཨཱཿཨཱཿ ཨཱཿཨཱཿཨཱཿཨཱཿཨཱཿ ཨཱཿཨཱཿཨཱཿཨཱཿཨཱཿ
ཨཱཿཨཱཿཨཱཿཨཱཿཨཱཿ ཨ

ཨོཾ་ ཨཱཿཧཱུྃ་བཛྲ་ཧཱུྃ་ཀ་ཧ་ཀ་ཧ་ཀ་ཧ

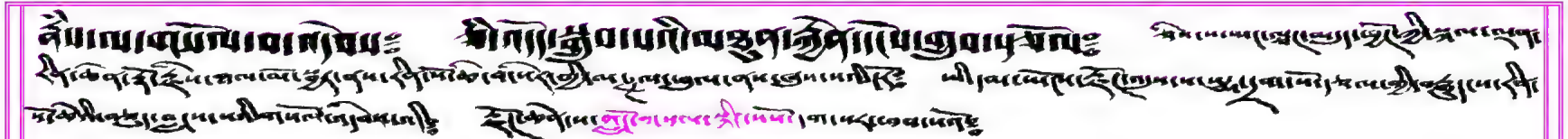

ཨཾ། ཨཱཿཧཱུྃ་ཧཱུྃ་ཧཱུྃ་

ॐ नमः श्रीमत्परमगुरवे परमात्मने परब्रह्मणे सकलतत्त्वात्मकाय नवनाथमहाकायसिद्धौघचक्रसिद्धश्रीचर्पटीनाथाय नमः श्रीमत्सहजानन्दनाथाय नमः श्रीमदभयानन्दनाथाय नमः श्रीमच्चन्द्रचूडनाथाय नमः श्रीमदीश्वरनाथाय नमः श्रीमन्नित्यानन्दनाथाय नमः श्रीमद्धरिहरानन्दनाथाय नमः श्रीमद्ब्रह्मानन्दनाथाय नमः श्रीमत्प्रकाशानन्दनाथाय नमः श्रीमत्सदाशिवेन्द्रसरस्वतीपादेभ्यो नमः श्रीमत्परमहंसपरिव्राजकाचार्यवर्यश्रीमच्छङ्करभगवत्पूज्यपादविरचितं

नवनाथसहितसिद्धचतुरशीतिमहासिद्धानां नामस्तोत्रम्

ॐः ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥

ཨོཾ་ ཨཱཿཧཱུྃ་ བཛྲཱ་ཡུཥྞཱི་ཥ་ཧཱུྃ་ ཨཱཿཧཱུྃ་ བཛྲཱ་ཡུཥྞཱི་ཥ་ཧཱུྃ་ ཨཱཿཧཱུྃ་ བཛྲཱ་ཡུཥྞཱི་ཥ་ཧཱུྃ་ ཨཱཿཧཱུྃ་
བཛྲཱ་ཡུཥྞཱི་ཥ་ཧཱུྃ་ ཨཱཿཧཱུྃ་ བཛྲཱ་ཡུཥྞཱི་ཥ་ཧཱུྃ་ ཨཱཿཧཱུྃ་ བཛྲཱ་ཡུཥྞཱི་ཥ་ཧཱུྃ་ ཨཱཿཧཱུྃ་ བཛྲཱ་ཡུཥྞཱི་ཥ་ཧཱུྃ་

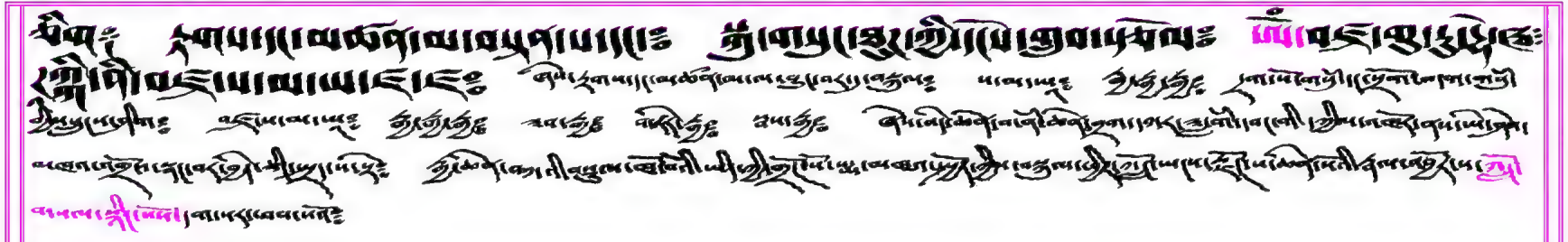

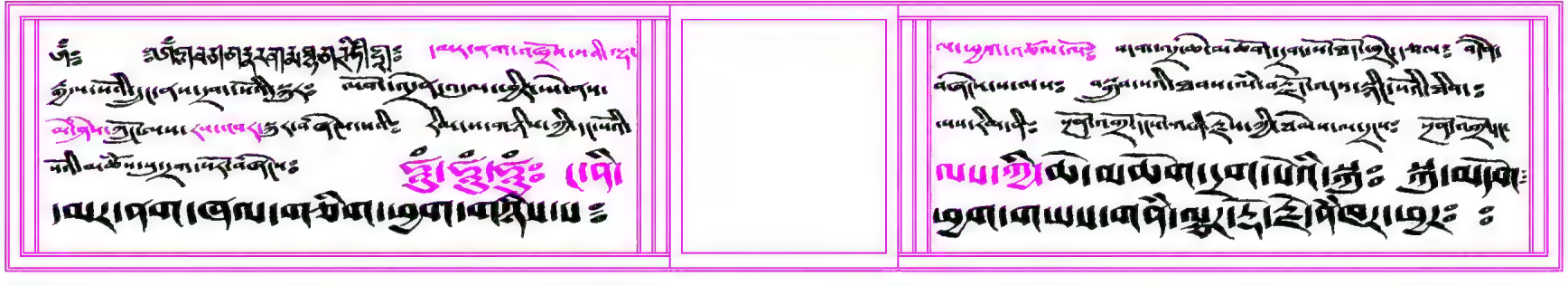

ཨོཾ ཨཱཿཧཱུྃ ཧཱུྃ ཕྱིའུ་ཕྱིའུ་ཕྱིའུ་

ཨོཾ ཨཿཧཱུྃ། བཛྲཱ་ཡཱ་ཡཱ་ཡ

ཨོཾ་ ཨཱཿཧཱུྃ་ ཛྲ་ཡཱ་ཌ་ཀ་ཧཱ་ཡ་ཀྲོ་ཊ་ཛཱ་ལི་ནི་ཡ་ཛཱ་ལ་ཧཱུྃ་ཧཱུྃ་ཕཊ་ཕཊ་ སྭཱཧཱ་ ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་

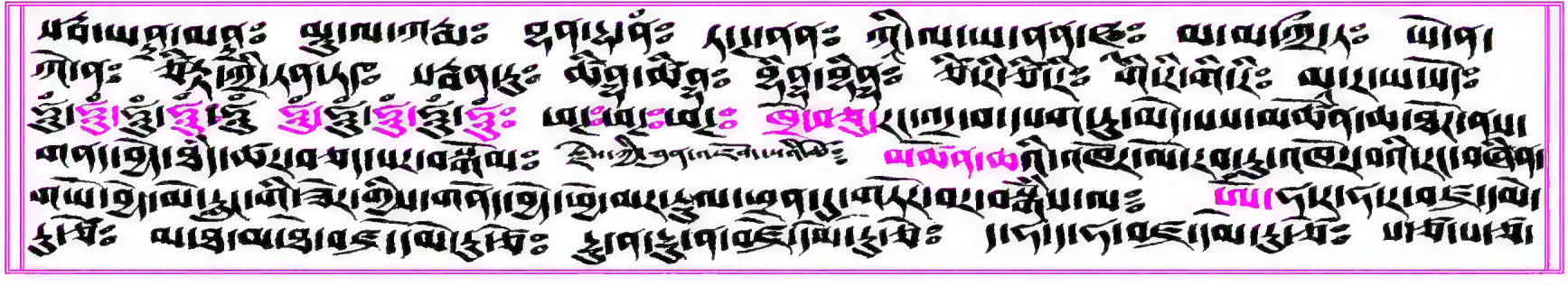

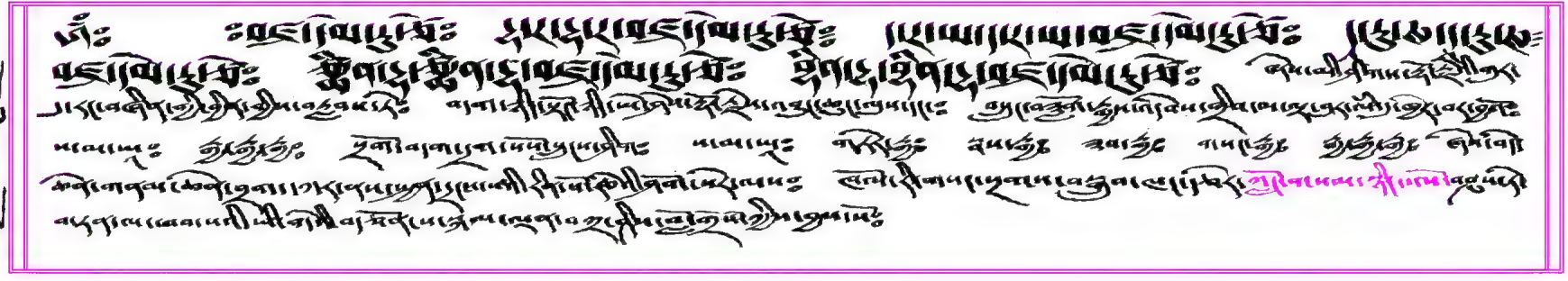

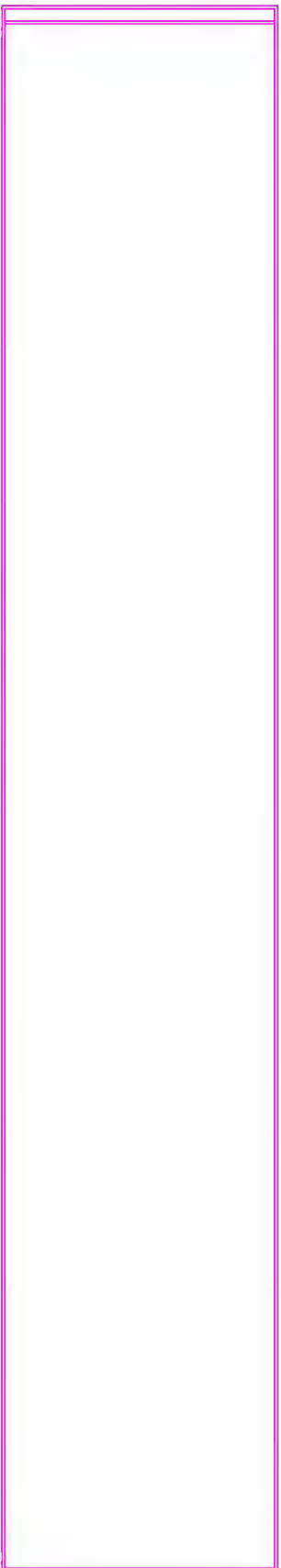

ཨོཾ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཨཱཿ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཨཱཿ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཨཱཿ

ཨོཾ་ ཨཱཿཧཱུྃ་ ཐུགས་ཀྱི་ཀུ་ལེ་ཤ་ནས་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཐུགས་ཀ་ནས་ཐིག་ལེ་ཤ་ནས

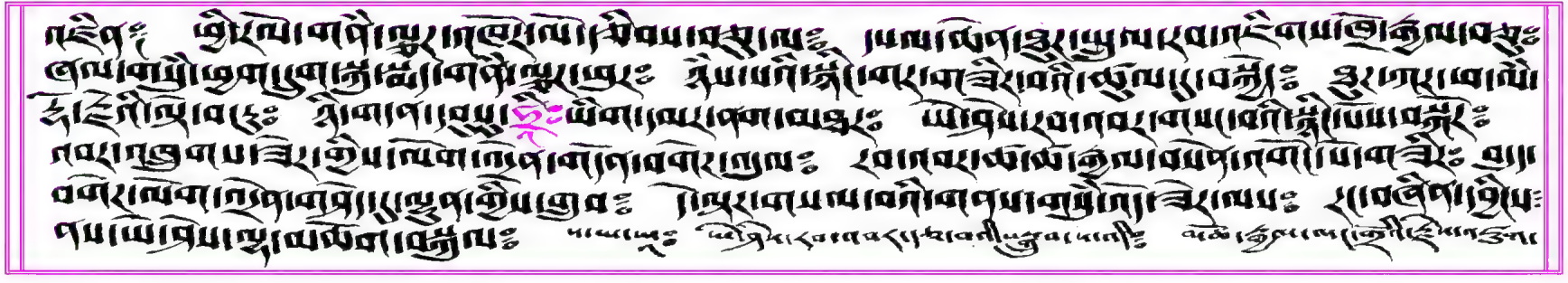

ॐ ः ः ः

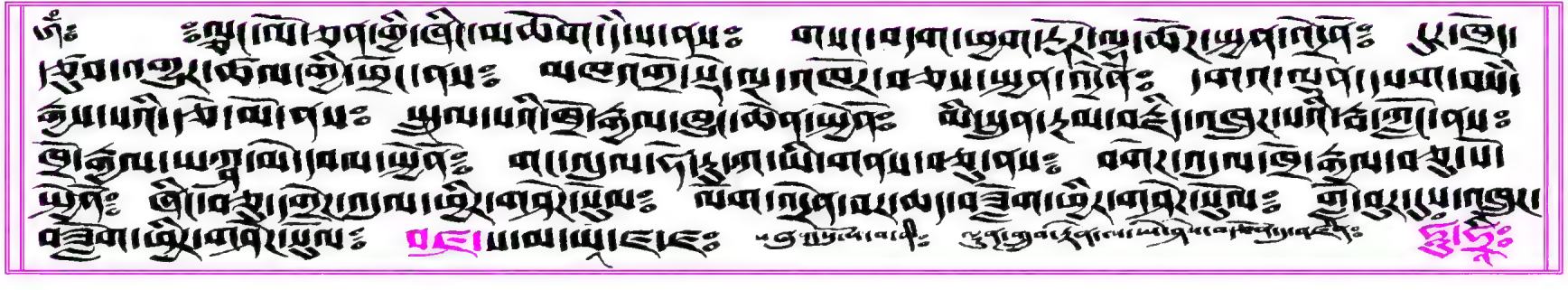

ཨོཾ ཨཱཿཧཱུྃ ཝཛྲ་ཨཱཿཧཱུྃ ཝཛྲ་ཨཱཿཧཱུྃ ཝཛྲ་

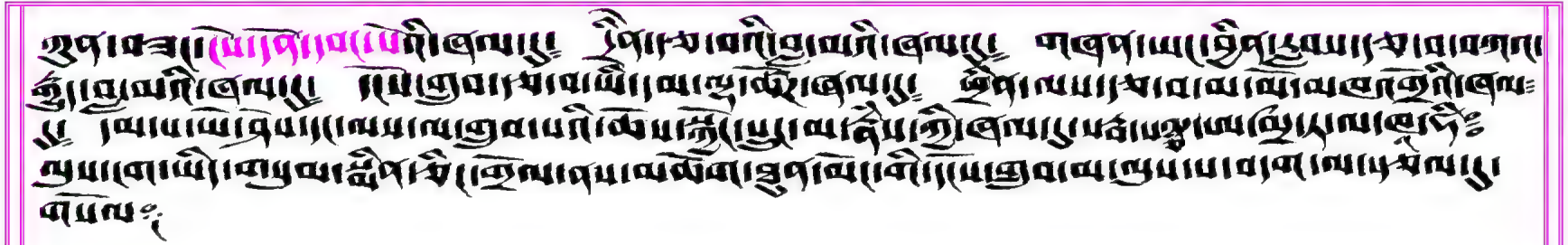

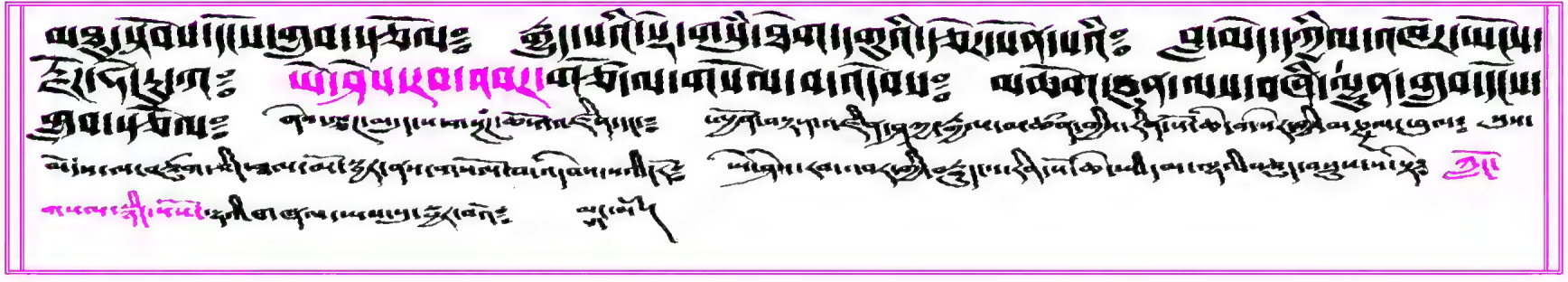

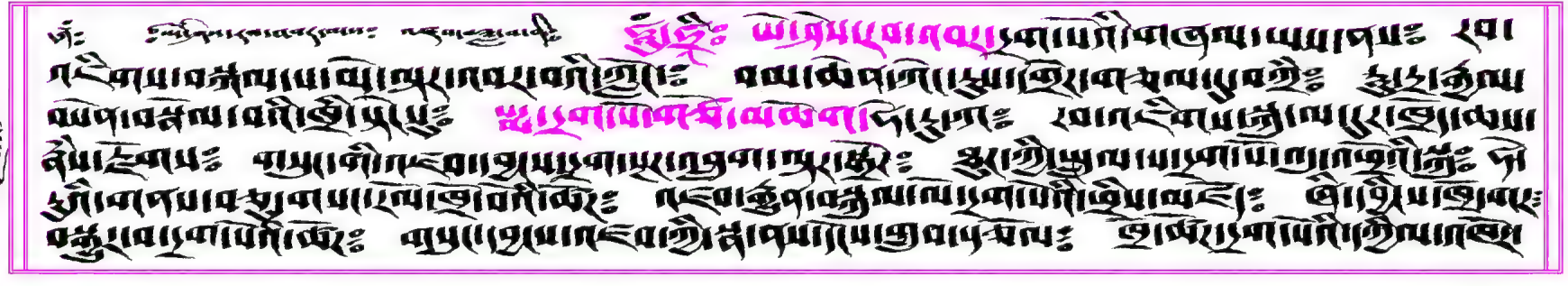

ॐ ः क्रोधमन्त्रोद्धारमहाविद्याश्रीजाः ः श्रीवीरभैरवश्रीमतीवनवारीव्यष्टिः श्रीतवाश्रीक्लवतावनत्यावार्यक्लाश्रीमाव्यश्रीभारतीव्याप्राक्ष्या
विनाप्रश्रीश्रैवाव्याप्रमाणमानाप्रत्युवत्रवाष्ट्रीनक्करवाव्यष्टिः वाक्त्रुमानश्रैमाक्लमातक्षमश्रीक्रुवोत्तमपत्रुत्वावः ख्रीवाक्षमश्रीक्लवत्वावाप्रत्युवत्वावः
वैमाप्रत्युनीवानाप्रक्षाश्रैमाप्रत्यष्टिः श्रैवीश्रैमावश्रीमाव्यष्टिः क्लवाश्रीभारत्यवीव्याप्रक्षाप्रक्षावतः रीमाविश्रीत्रात्रुनामोरत्यापत्नाव्यिः
वोधूत्रन्त्रैमाव्यिप्रात्रवोभरारत्यापत्नीनक्षैमाव्यिप्रैमश्रीमानवक्रैक्षात्मक्षेत्रवाः श्रीव्याक्षाध्यौमाप्रत्युवाक्षुत्मानक्षुनावत्रः वाक्यान्तः ॥ॐ॥
ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥

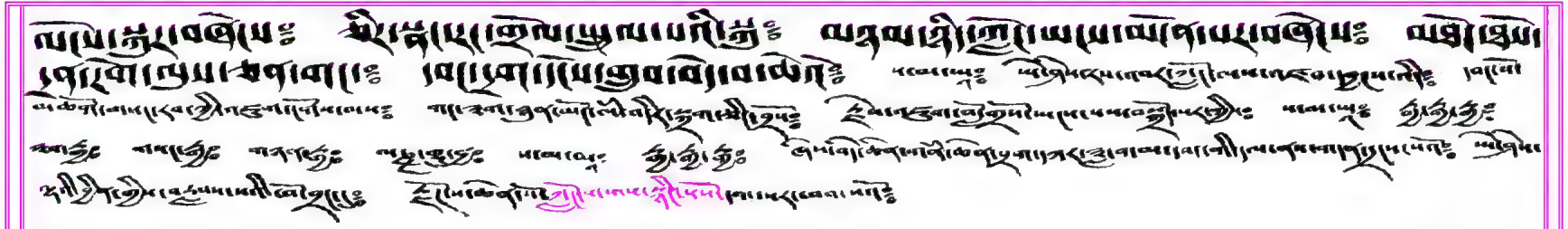

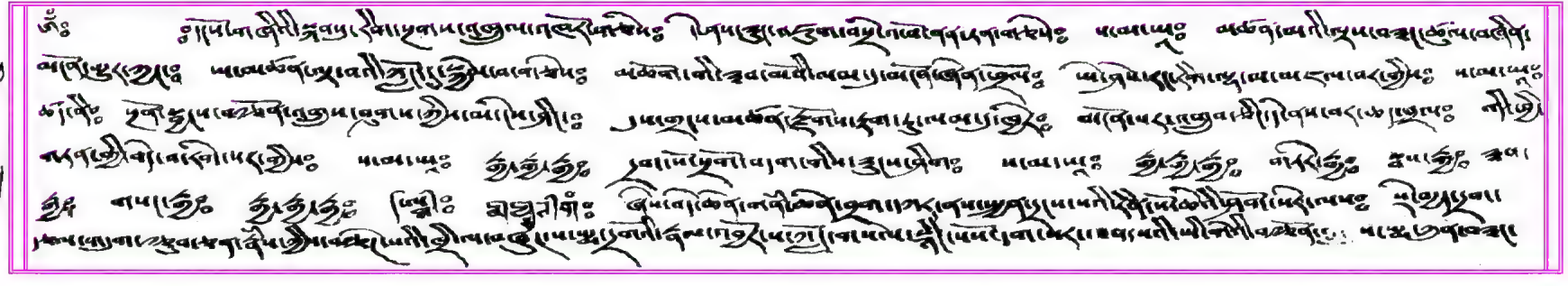

ཧཱུྃ ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ བཛྲཱསྟྲཱཡ་ཧཱུྃ ཕཊ་ ཧཱུྃ ཤྲཱི་ཨཱརྱ་ཨཝ་ལོ་ཀི་ཏེ་ཤྭ་ར་ཡ་ཧཱུྃ
ཨོཾ་བཛྲ་ཧཱུྃ་ཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཧཱུྃ་ཕཊ་ སྭཱཧཱ་ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཧཱུྃ་ཕཊ་ སྭཱཧཱ་
ཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཧཱུྃ་ཕཊ་ ཧཱུྃ ཤྲཱི་ཨཱརྱ་ཨཝ་ལོ་ཀི་ཏེ་ཤྭ་ར་ཡ་ཧཱུྃ ཕཊ་ཧཱུྃ་ཧཱུྃ ཧཱུྃ ཤྲཱི་ཨཱརྱ་ཨཝ་ལོ་ཀི་ཏེ་ཤྭ་ར་ཡ་
ཧཱུྃ་ཧཱུྃ་ཕཊ་ ཨོཾ་བཛྲ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཧཱུྃ་ཕཊ་ སྭཱཧཱ་ ཨོཾ་བཛྲ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཧཱུྃ་ཕཊ་ སྭཱཧཱ་
ཨོཾ་བཛྲ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཧཱུྃ་ཕཊ་ སྭཱཧཱ་ ཨོཾ་བཛྲ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཧཱུྃ་ཕཊ་ སྭཱཧཱ་ ཨོཾ་བཛྲ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཧཱུྃ་ཕཊ་ སྭཱཧཱ་
ཨོཾ་བཛྲ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཧཱུྃ་ཕཊ་ སྭཱཧཱ་ ཨོཾ་བཛྲ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཧཱུྃ་ཕཊ་ སྭཱཧཱ་ ཨོཾ་བཛྲ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཧཱུྃ་ཕཊ་ སྭཱཧཱ་
ཨོཾ་བཛྲ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཧཱུྃ་ཕཊ་ སྭཱཧཱ་ ཨོཾ་བཛྲ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཧཱུྃ་ཕཊ་ སྭཱཧཱ་ ཨོཾ་བཛྲ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཧཱུྃ་ཕཊ་ སྭཱཧཱ་
ཨོཾ་བཛྲ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཧཱུྃ་ཕཊ་ སྭཱཧཱ་ ཨོཾ་བཛྲ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཧཱུྃ་ཕཊ་ སྭཱཧཱ་ ཨོཾ་བཛྲ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཧཱུྃ་ཕཊ་ སྭཱཧཱ་
ཨོཾ་བཛྲ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཧཱུྃ་ཕཊ་ སྭཱཧཱ་ ཨོཾ་བཛྲ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཧཱུྃ་ཕཊ་ སྭཱཧཱ་ ཨོཾ་བཛྲ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཧཱུྃ་ཕཊ་ སྭཱཧཱ་

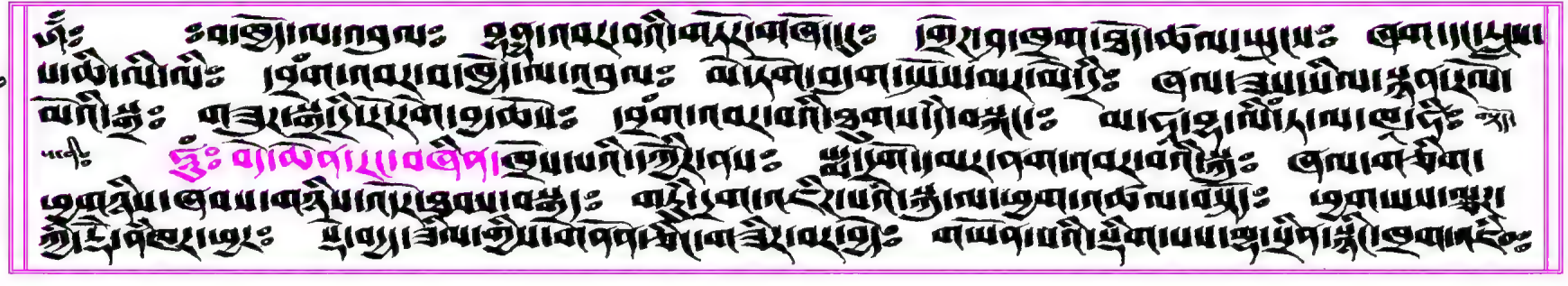

ॐः ः वज्रपाणेर्हेरुकाद्यधिपतेर्वज्रसत्त्वस्य स्वाधिष्ठानाधारचक्रोद्भवैः श्रीः
पुरुषाङ्गैरुत्पन्नैर्वज्रकुलोपनीतैः प्रज्ञाज्ञानीयैरायतनावयवायैः
वज्रायोधानवरक्षणैः वीरवर्यादेवाङ्गैरावाहनीयैः पाद्यार्घ्यपुष्पधूपदीपगन्धाक्षतादि
पादैः ओं वज्रपाणे हूं स्वाहा हृदयावरणाय नमः शुभावरणाङ्गावरणायुधावरणेभ्यः
वज्रानलपानेरपुरुषायावरणनीलेभ्यः वज्रानुरागिण्यावरणाय नमः वज्रायोधनावरणाय नमः
वज्रायोधुरावरणेभ्यः वज्रानाशिनावरणाय नमः प्रज्ञाकेशवनीलपीतायावरणेभ्यः पुष्पाभरणैर्वि

ཨོཾ་ ཨཱཿཧཱུྃ་ཧཱུྃ་ཧཱུྃ་ བཛྲཱ་ཡོ་གི་ནཱི་ཨཱ་ཀ་ཤ་ཀཱ་ཡ་ཝཱཀ་ཙི་ཏ་ཨཱཿ ཧཱུྃ་ ཀཱ་ཡ་ཝཱཀ་ཙི་ཏ་

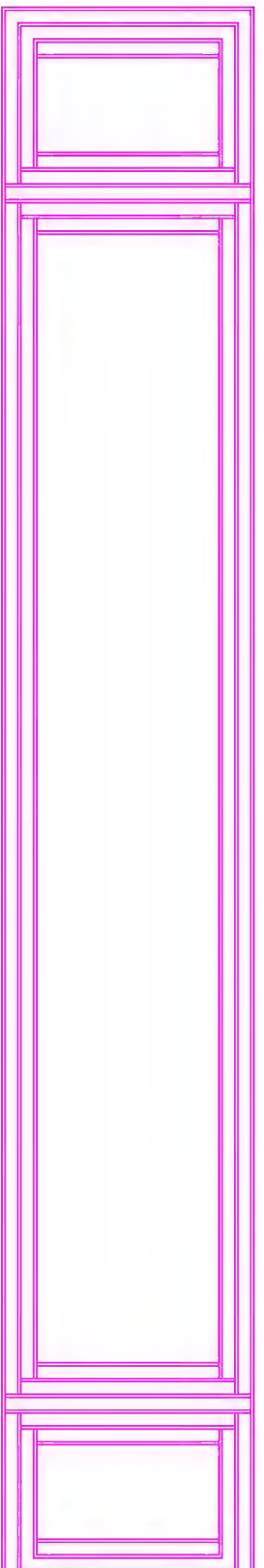

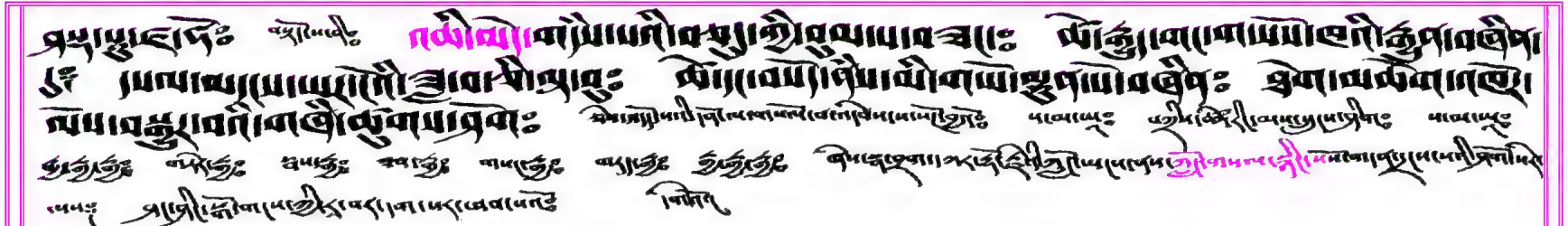

ॐ हूँ फट् स्वाहा ॐ हूँ फट् स्वाहा ॐ हूँ फट् स्वाहा ॐ हूँ फट् स्वाहा

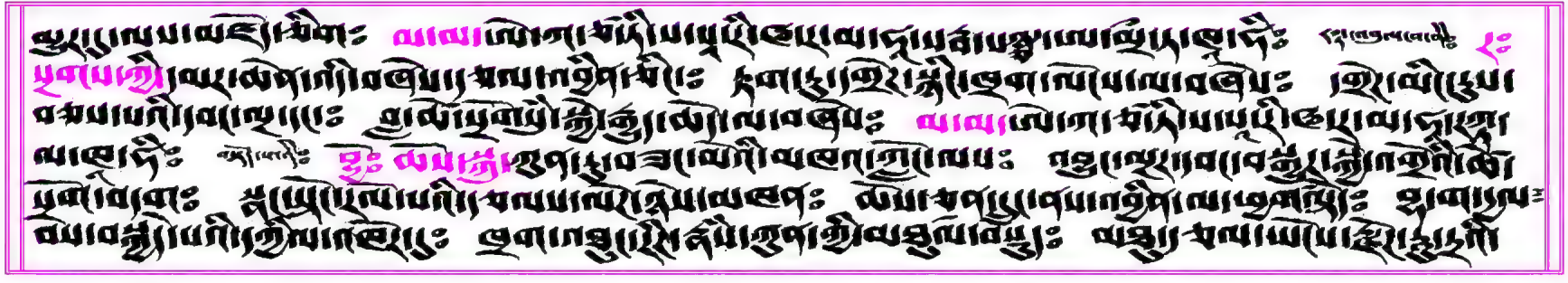

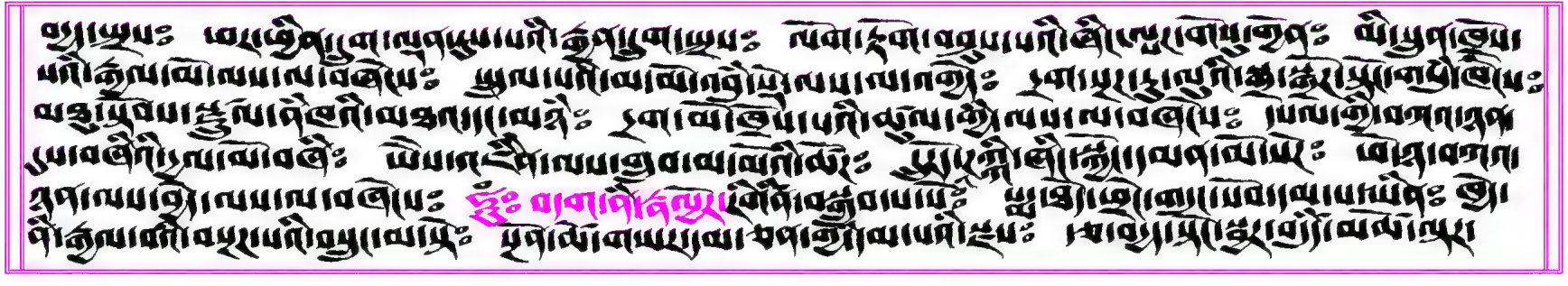

ཨོཾ་ ཨཱཿཧཱུྃ་ ཞེས་བཀའ་སྩལ་ཏོ། །དེ་ནས་ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡབ་ཡུམ་གྱི་ཐུགས་ཀར་ཟླ་བ་ལ་ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཡིག་གསུམ་ཡོད་པ་ལས་ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཡིག་གསུམ་ཡང་ཡང་འཕྲོས་ཏེ་ཞིང་ཁམས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡོན་ཏན་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཚོགས་ཀྱིས་ཡོངས་སུ་བསྐང་ཞིང་། ཡོན་ཏན་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཚོགས་ཀྱིས་ཡོངས་སུ་བསྐངས་པའི

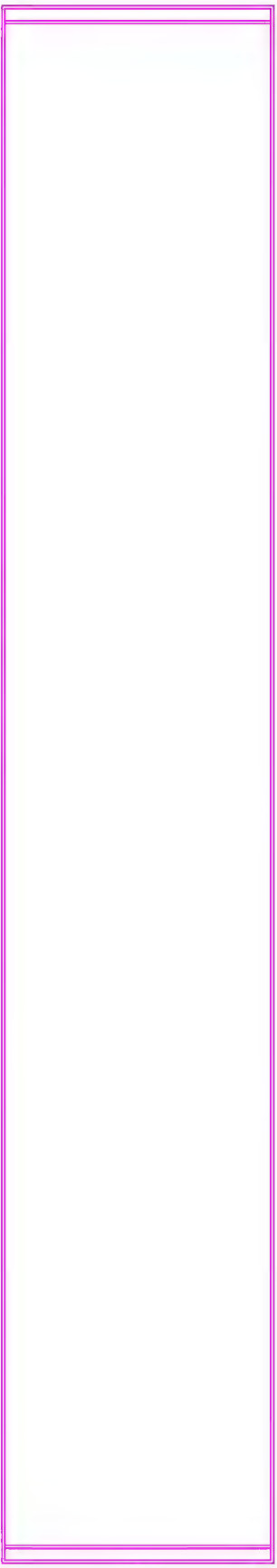

441

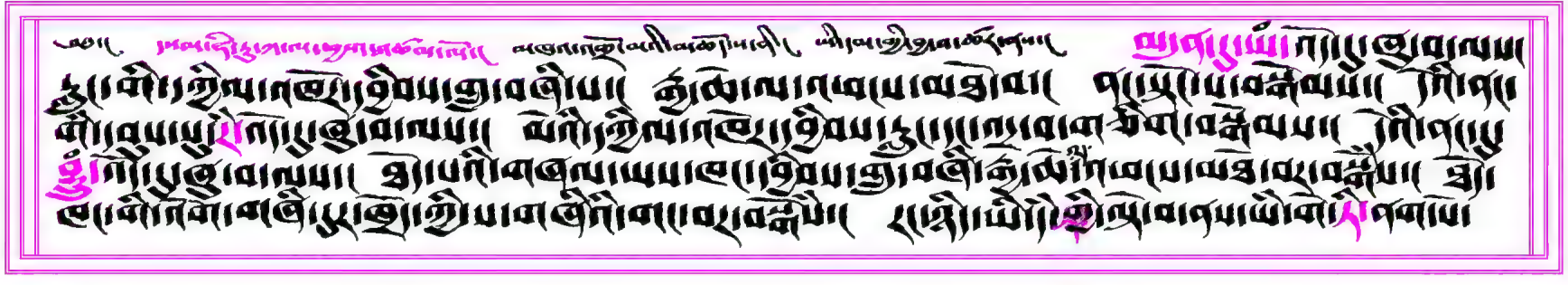

ཨཱཿ བཛྲཻཀཱཏྱཱ སྭཱཧཱ ཨཱཿ ཧཱུྃ ཧཱུྃ ཧཱུྃ

ཡང་། བཅོམ་ལྡན་འདས་ཀྱིས་ཅི་སྐད་དུ་གསུངས་ཏེ། ཀུན་ཏུ་སྤྱོད་པ་ཁྱོད་ཀྱིས་ཇི་ལྟར་ཤེས་ཏེ། ཇི་ལྟར་ཐོས་ཏེ། ཇི་ལྟར་ཡིད་ལ་བྱས་ཏེ། ཇི་ལྟར་ཡང་དག་པར་ཤེས་ཏེ། ཇི་ལྟར་ཡང་དག་པར་རྟོགས་ཏེ། ཇི་ལྟར་ཡང་དག་པར་ཐུགས་སུ་ཆུད་ཅིང་། ཇི་ལྟར་ཡང་དག་པར་ཐུགས་སུ་ཆུད་ནས། ཇི་ལྟར་ཡང་དག་པར་ཐུགས་སུ་ཆུད་པ་ལྟར་ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཆོས་ཉིད་ཡང་དག་པར་ཐུགས་སུ་ཆུད་ཅིང་། ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཆོས་ཉིད་ཡང་དག་པར་ཐུགས་སུ་ཆུད་ནས། ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཆོས་ཉིད་ཡང་དག་པར་ཐུགས་སུ་ཆུད་པ་ལྟར་ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཆོས་ཉིད་ཀྱི་ཚུལ་ཁྲིམས་ཡང་དག་པར་ཐུགས་སུ་ཆུད་ཅིང་། ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཆོས་ཉིད་ཀྱི་ཚུལ་ཁྲིམས་ཡང་དག་པར་ཐུགས་སུ་ཆུད་ནས། ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཆོས་ཉིད་ཀྱི་ཚུལ་ཁྲིམས་ཡང་དག་པར་ཐུགས་སུ་ཆུད་པ་ལྟར་ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཆོས་ཉིད་ཀྱི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ཡང་དག་པར་ཐུགས་སུ་ཆུད་ཅིང་། ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཆོས་ཉིད་ཀྱི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ཡང་དག་པར་ཐུགས་སུ་ཆུད་ནས། ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཆོས་ཉིད་ཀྱི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ཡང་དག་པར་ཐུགས་སུ་ཆུད་པ་ལྟར་ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཆོས་ཉིད་ཀྱི་ཤེས་རབ་ཡང་དག་པར་ཐུགས་སུ་ཆུད་ཅིང་། ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཆོས་ཉིད་ཀྱི་ཤེས་རབ་ཡང་དག་པར་ཐུགས་སུ་ཆུད་ནས། ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཆོས་ཉིད་ཀྱི་ཤེས་རབ་ཡང་དག་པར་ཐུགས་སུ་ཆུད་པ་ལྟར་ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཆོས་ཉིད་ཀྱི་རྣམ་པར་གྲོལ་བ་ཡང་དག་པར་ཐུགས་སུ་ཆུད་ཅིང་། ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཆོས་ཉིད་ཀྱི་རྣམ་པར་གྲོལ་བ་ཡང་དག་པར་ཐུགས་སུ་ཆུད་ནས། ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཆོས་ཉིད་ཀྱི་རྣམ་པར་གྲོལ་བ་ཡང་དག་པར་ཐུགས་སུ་ཆུད་པ་ལྟར་ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཆོས་ཉིད་ཀྱི་རྣམ་པར་གྲོལ་བའི་ཡེ་ཤེས་ཡང་དག་པར་ཐུགས་སུ་ཆུད་ཅིང་། ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཆོས་ཉིད་ཀྱི་རྣམ་པར་གྲོལ་བའི་ཡེ་ཤེས་ཡང་དག་པར་ཐུགས་སུ་ཆུད་ནས། ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཆོས་ཉིད་ཀྱི་རྣམ་པར་གྲོལ་བའི་ཡེ་ཤེས་ཡང་དག་པར་ཐུགས་སུ་ཆུད་པ་ལྟར་ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཆོས་ཉིད་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཡང་དག་པར་ཐུགས་སུ་ཆུད་ཅིང་། ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཆོས་ཉིད་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཡང་དག་པར་ཐུགས་སུ་ཆུད་ནས། ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཆོས་ཉིད་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཡང་དག་པར་ཐུགས་སུ་ཆུད་པ་ལྟར་ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཆོས་ཉིད་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཁྱད་པར་ཡང་དག་པར་ཐུགས་སུ་ཆུད་ཅིང་། ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཆོས་ཉིད་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཁྱད་པར་ཡང་དག་པར་ཐུགས་སུ་ཆུད་ནས། ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཆོས་ཉིད་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཁྱད་པར་ཡང་དག་པར་ཐུགས་སུ་ཆུད་པ་ལྟར་ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཆོས་ཉིད་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་སྟོབས་ཡང་དག་པར་ཐུགས་སུ་ཆུད་ཅིང་། ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཆོས་ཉིད་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་སྟོབས་ཡང་དག་པར་ཐུགས་སུ་ཆུད་ནས། ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཆོས་ཉིད་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་སྟོབས་ཡང་དག་པར་ཐུགས་སུ་ཆུད་པ་ལྟར་ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཆོས་ཉིད་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་མི་འཇིགས་པ་ཡང་དག་པར་ཐུགས་སུ་ཆུད་ཅིང་། ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཆོས་ཉིད་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་མི་འཇིགས་པ་ཡང་དག་པར་ཐུགས་སུ་ཆུད་ནས། ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཆོས་ཉིད་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་མི་འཇིགས་པ་ཡང་དག་པར་ཐུགས་སུ་ཆུད་པ་ལྟར་ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཆོས་ཉིད་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་སོ་སོ་ཡང་དག་པར་རིག་པ་ཡང་དག་པར་ཐུགས་སུ་ཆུད་ཅིང་། ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཆོས་ཉིད་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་སོ་སོ་ཡང་དག་པར་རིག་པ་ཡང་དག་པར་ཐུགས་སུ་ཆུད་ནས། ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཆོས་ཉིད་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་སོ་སོ་ཡང་དག་པར་རིག་པ་ཡང་དག་པར་ཐུགས་སུ་ཆུད་པ་ལྟར་ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཆོས་ཉིད་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཡང་དག་པར་ཐུགས་སུ་ཆུད་ཅིང་། ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཆོས་ཉིད་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཡང་དག་པར་ཐུགས་སུ་ཆུད་ནས། ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཆོས་ཉིད་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ

ཨཱཡུཿཁཾ། བཛྲཱཡཱསྨཱི་ཏྲཱཡུཿཁཾ། རཏྣཱཡཱནྲཱི་ཏྲཱཡུཿཁཾ། པདྨཱཡཱཨཱཿཁཾ།
ཀཱཡཱཡཱཨཱཿཁཾ། ཨཱཿཁཾ་ཡཱཿཁཾ། ཨཱཿཁཾ་ཡཱཿཁཾ། ཨཱཿཁཾ་ཡཱཿཁཾ། ཨཱཿཁཾ་ཡཱཿཁཾ།
ཨཱཿཁཾ་ཡཱཿཁཾ། ཨཱཿཁཾ་ཡཱཿཁཾ། ཨཱཿཁཾ་ཡཱཿཁཾ། ཨཱཿཁཾ་ཡཱཿཁཾ། ཨཱཿཁཾ་ཡཱཿཁཾ།
ཨཱཿཁཾ་ཡཱཿཁཾ། ཨཱཿཁཾ་ཡཱཿཁཾ། ཨཱཿཁཾ་ཡཱཿཁཾ། ཨཱཿཁཾ་ཡཱཿཁཾ། ཨཱཿཁཾ་ཡཱཿཁཾ།
ཨཱཿཁཾ་ཡཱཿཁཾ། ཨཱཿཁཾ་ཡཱཿཁཾ། ཨཱཿཁཾ་ཡཱཿཁཾ། ཨཱཿཁཾ་ཡཱཿཁཾ། ཨཱཿཁཾ་ཡཱཿཁཾ།

ཨཨཨ། དེས་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི། ཐུབ་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི། ཀྱི།
ཀྱི།ཀྱི།ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི། ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི། ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི།
ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི། ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི། ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི།
ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི། ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི། ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི།
ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི། ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི། ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི།
ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི། ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི། ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི།

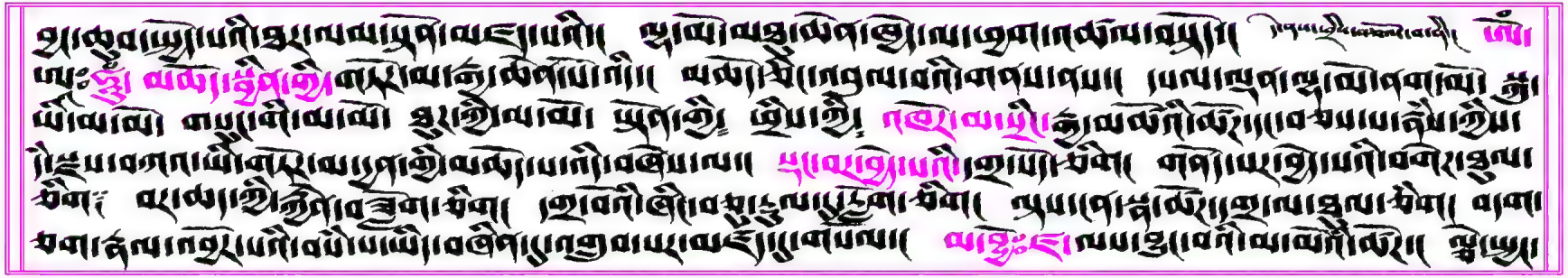

ॐ॥ वीरेभ्यानुब्रूमावलोभ्यावशेषम्॥ उपयानुब्रूमावीरेभ्योवलोभ्यावलोभ्यम्॥ गच्छावशेषम्॥
यावगीर्भ्योमपायानुब्रूमानर्यायावशेषम्॥ वसुभ्यानुब्रूमावीरेभ्योवलोभ्यावलोभ्यम्॥ गच्छावशेषम्॥
या कर्दावभिरेभ्योमपानुब्रूमावीरेभ्योवलोभ्यावलोभ्यम्॥ गच्छावशेषम्॥ वीरुद्भ्यावलोभ्यानुब्रूमा वाव्योवायवीयुद्भ्यावलोभ्यम्॥ वज्रमाप्यम्
वीरुद्भ्योवीरुभ्योमपानुब्रूमा वज्रमाप्यम्॥ वज्रमाप्यम्॥ वृक्षेभ्यावलोभ्यानुब्रूमा वाव्योवायवीयुद्भ्यावलोभ्यम्॥ वज्रमाप्यम्॥ वृक्षेभ्योवृक्षे

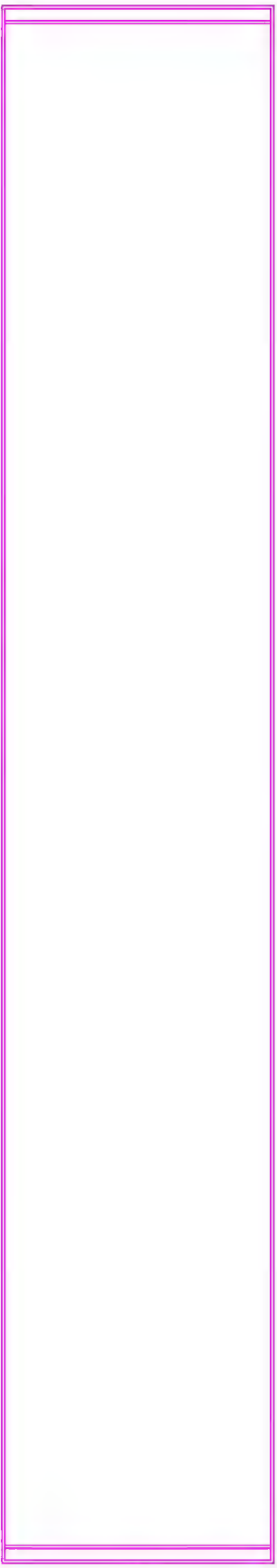

ཨོཾ་ བཛྲཱཡུཥྞཱི་ཥཱ་ཧཱ་ཧཱ་ཧ

ॐ वाग्वाद्यायै स्वाहा वाग्वेदायै स्वाहा वाग्वदायै स्वाहा वाग्वदन्त्यै स्वाहा वाग्वदमानायै स्वाहा वाग्वदिष्यायै स्वाहा वाग्वदिकायै स्वाहा वाग्वदितव्यायै स्वाहा वाग्वदनीयायै स्वाहा वाग्वदितायै स्वाहा वाग्वदिष्यमाणायै स्वाहा वाग्वदिष्यन्त्य

ཨོཾ་ ཧཱུྃ་ ཨཱཿ ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ ཨཱཿ ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ ཨཱཿ
ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ ཨཱཿ ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ ཨཱཿ ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ ཨཱཿ
ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ ཨཱཿ ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ ཨཱཿ ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ ཨཱཿ
ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ ཨཱཿ ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ ཨཱཿ ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ ཨཱཿ
ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ ཨཱཿ ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ ཨཱཿ ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ ཨཱཿ
ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ ཨཱཿ ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ ཨཱཿ ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ ཨཱཿ
ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ ཨཱཿ ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ ཨཱཿ ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ ཨཱཿ
ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ ཨཱཿ ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ ཨཱཿ ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ ཨཱཿ
ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ ཨཱཿ ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ ཨཱཿ ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ ཨཱཿ
ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ ཨཱཿ ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ ཨཱཿ ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ ཨཱཿ
ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ ཨཱཿ ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ ཨཱཿ ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ ཨཱཿ

ॐ॑ ॐ॑ ॐ॑

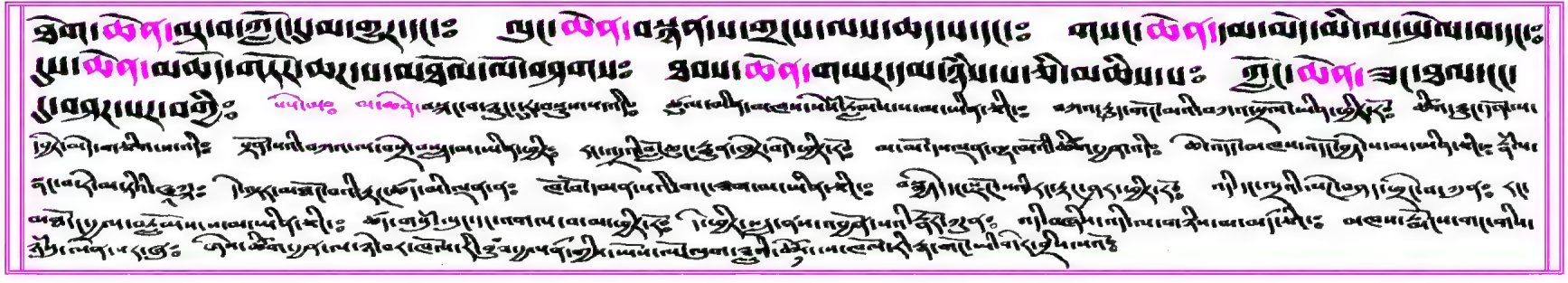

ॐ श्रावकुपाधीश्वायाया वाधूंवयाधुश्रायनीधुया ध्या
चेरायुधीवीश्वयाधुया धुयाधेरीवायश्वयानीधुया वेयाधेरीधुवाश्वयाया ञ्चयाधेरीवाञ्चयाया धीनश्चा
याधेवाश्चायानीधुया धायाधयाधेवाश्चरायेधायाया धुवाधेर्यायाधेयाधया धीपायेश्चयाधेर्यायेधा वधया
धायाधीपायाधेयाधेवाधया धुयाधीनश्चायाधुयाश्चायाया धवधेवाश्चेवर्ञ्चायाधयाधेरीवाया धुवाधुवीवायेश्चयाधी
यधयाधे ञ्चयाधेवयाधयानीर्ञ्चीवाधेया धायाधयाधुवाश्चायीनवधया धीपायेश्चायीनवेया श्चायीवीयाधायाया
धायाधीया धायाश्चायाधेवाश्चायीनधया ध्वेधायाश्चायाधेवाश्चायीधुवया धनाश्चायाधेवाश्चायीधुवया धीवयायाधीधायाधा

ཀཀ

ཅ།། དེ་ལས་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ལས། ཐུབ་པ་ལས། བཅས་ཤིང་ལས། ཡེ་ཤེས་ལས། རྒྱུད་ཀྱི་ཚིག་ལས་གསུངས་པ་ཐམས་
ཅད་ལས་ཀྱང་ཁྱད་པར་དུ་འཕགས་པ་ཡིན་ཏེ། ཐུབ་པ་ཆེན་པོ་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ལས་ཀྱང་ཁྱད་པར་དུ་འཕགས་པ་ཡིན་
ཏེ། ཐུབ་པ་ཆེན་པོ་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ལས་ཀྱང་ཁྱད་པར་དུ་འཕགས་པ་ཡིན་ཏེ། ཐུབ་པ་ཆེན་པོ་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་
ལས་ཀྱང་ཁྱད་པར་དུ་འཕགས་པ་ཡིན་ཏེ། ཐུབ་པ་ཆེན་པོ་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ལས་ཀྱང་ཁྱད་པར་དུ་འཕགས་པ་ཡིན་
ཏེ། ཐུབ་པ་ཆེན་པོ་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ལས་ཀྱང་ཁྱད་པར་དུ་འཕགས་པ་ཡིན་ཏེ། ཐུབ་པ་ཆེན་པོ་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་
ལས་ཀྱང་ཁྱད་པར་དུ་འཕགས་པ་ཡིན་ཏེ། ཐུབ་པ་ཆེན་པོ་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ལས་ཀྱང་ཁྱད་པར་དུ་འཕགས་པ་ཡིན་
ཏེ། ཐུབ་པ་ཆེན་པོ་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ལས་ཀྱང་ཁྱད་པར་དུ་འཕགས་པ་ཡིན་ཏེ། ཐུབ་པ་ཆེན་པོ་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་
ལས་ཀྱང་ཁྱད་པར་དུ་འཕགས་པ་ཡིན་ཏེ། ཐུབ་པ་ཆེན་པོ་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ལས་ཀྱང་ཁྱད་པར་དུ་འཕགས་པ་ཡིན་
ཏེ། ཐུབ་པ་ཆེན་པོ་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ལས་ཀྱང་ཁྱད་པར་དུ་འཕགས་པ་ཡིན་ཏེ། ཐུབ་པ་ཆེན་པོ་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་
ལས་ཀྱང་ཁྱད་པར་དུ་འཕགས་པ་ཡིན་ཏེ། ཐུབ་པ་ཆེན་པོ་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ལས་ཀྱང་ཁྱད་པར་དུ་འཕགས་པ་ཡིན་
ཏེ། ཐུབ་པ་ཆེན་པོ་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ལས་ཀྱང་ཁྱད་པར་དུ་འཕགས་པ་ཡིན་ཏེ། ཐུབ་པ་ཆེན་པོ་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་

ཨཱཿ ། ཨཔརིཝིཔཱུཎཛྲཝཱཎཱིཏྲཱཔཱུཝཛྲཔཱཎཱིཿ བཛྲཝིནཱཤཱཡཱཿ ཧཱུྃ་ཝཛྲཱིཎཝཱཎཱཡཱ་ཧཱུྃ་ཝཛྲཱིཎཝཱ
ཎཱིཏྲཱཔཱཡཱཏི་ཡཱཡཱ། ཛྭཱལཱཔྲཛྭཱལཱཔྲཛྭཱལཱཔཱཡཱཏི་ཡཱཡཱཡཱཔྲཛྭལཏེཛོཝཛྲཱཡཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱཡཱཔྲ
ཏཱིཏྲཱཔཱཡཱཏི་ཡཱཡཱ། ཨཱཀཱཤཱཡཱཔྲཏཱིཏྲཱཔཱཡཱཏི་ཡཱཡཱཡཱཔྲཛྭལཏེཛོཝཛྲཱཡཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱཡཱཔྲ
ཏཱིཏྲཱཔཱཡཱཏི་ཡཱཡཱ། ཏྲཻལོཀྱཝིཛཡཱཡཱཔྲཏཱིཏྲཱཔཱཡཱཏི་ཡཱཡཱཡཱཔྲཛྭལཏེཛོཝཛྲཱཡཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱཡཱཔྲ
ཏཱིཏྲཱཔཱཡཱཏི་ཡཱཡཱ། ཛྲཱལཱཡཱཔྲཏཱིཏྲཱཔཱཡཱཏི་ཡཱཡཱཡཱཔྲཛྭལཏེཛོཝཛྲཱཡཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱཡཱཔྲ
ཏཱིཏྲཱཔཱཡཱཏི་ཡཱཡཱ། ཛྲཱལཱཡཱཔྲཛྭཱལཱཡཱཔྲཛྭཱལཱཔཱཡཱཏི་ཡཱཡཱཡཱཔྲཛྭལཏེཛོཝཛྲཱཡཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱཡཱཔྲ
ཏཱིཏྲཱཔཱཡཱཏི་ཡཱཡཱ། ཨཱཀཱཤཱཡཱཔྲཏཱིཏྲཱཔཱཡཱཏི་ཡཱཡཱཡཱཔྲཛྭལཏེཛོཝཛྲཱཡཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱཡཱཔྲ
ཏཱིཏྲཱཔཱཡཱཏི་ཡཱཡཱ། ཏྲཻལོཀྱཝིཛཡཱཡཱཔྲཏཱིཏྲཱཔཱཡཱཏི་ཡཱཡཱཡཱཔྲཛྭལཏེཛོཝཛྲཱཡཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱཡཱཔྲ
ཏཱིཏྲཱཔཱཡཱཏི་ཡཱཡཱ། ཛྲཱལཱཡཱཔྲཏཱིཏྲ

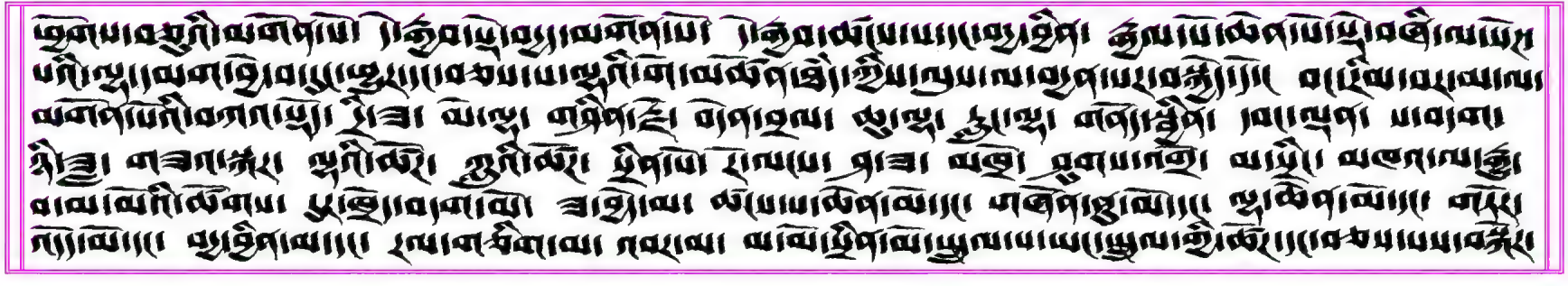

ཨཱཿ ཨཱཿ ཨཱཿ

ཨཱཿ ཤྲཱིཔཱལཱཧཱིཝཛྲཱཡཱཔཱཡཱཝཱཡཱཔཱཡཱཿ། ཧཱེརུཀཱཏྲཱཝཱཛྲཱཡཱཔཱཡཱཿ། ཧཱིཡཱཀྲཱིཝཛྲཱཡཱཔཱཡཱཿ གཙྪ། ཝཛྲཱཧཱཀྵཱཡཱཔཱཡཱཿ། ཤིཝཱཡཱཔཱཡཱཿ ཤཱནྟཱཡཱཔཱཡཱཿ ཤྲཱིཔཱལཱཧཱིཝཛྲ

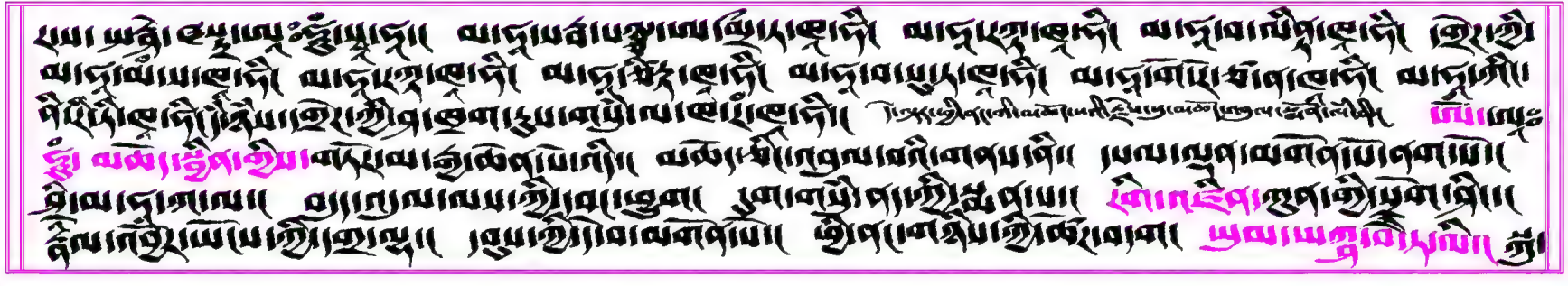

ཅཅཨ། །ཤེས་རབ་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པའི་སྙིང་པོ་ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་མདོ་ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་མདོ་ཞེས་བྱ་བ་
ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་མདོ་ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་མདོ་ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་མདོ་ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་མདོ་ཞེས་བྱ་བ་
ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་མདོ་ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་མདོ་ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་མདོ་ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་མདོ་ཞེས་བྱ་བ་
ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་མདོ་ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་མདོ་ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་མདོ་ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་མདོ་ཞེས་བྱ་བ་
ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་མདོ་ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་མདོ་ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་མདོ་ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་མདོ་ཞེས་བྱ་བ་
ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་མདོ་ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་མདོ་ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་མདོ་ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་མདོ་ཞེས་བྱ་བ་

॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय महायक्षसेनापतये हुं हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते
वज्रधराय महायक्षसेनापतये हुं हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय महायक्षसेना
पतये हुं हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय महायक्षसेनापतये हुं हुं फट् स्वाहा ॥
ॐ नमो भगवते वज्रधराय महायक्षसेनापतये हुं हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय
महायक्षसेनापतये हुं हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय महायक्षसेनापतये हुं हुं
फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय महायक्षसेनापतये हुं हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो
भगवते वज्रधराय महायक्षसेनापतये हुं हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय महा
यक्षसेनापतये हुं हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय महायक्षसेनापतये हुं हुं फट्
स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय महायक्षसेनापतये हुं हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते
वज्रधराय महायक्षसेनापतये हुं हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय महायक्षसेना
पतये हुं हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय महायक्षसेनापतये हुं हुं फट् स्वाहा ॥

ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་

ཨཱཿ ཨཱཿཧཱུྃ ཨཱཿཧཱུྃ ཨཱཿཧཱུྃ

ཧཱུྃ ཧཱུྃ ཨོཾ ཨ་ཀ་ནི་ཥྛ་ཝཛྲ་ཀཱ་ཡ་ཝཛྲ་ཀཱ་ཡ་ཝཛྲ་ཀཱ་ཡ

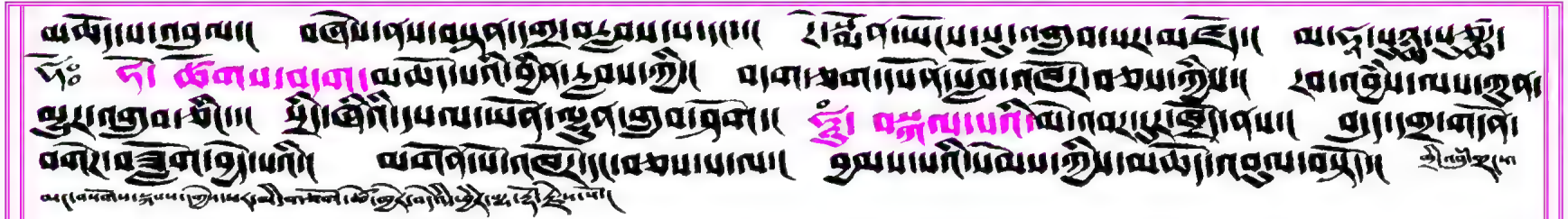

ཀཱཾ ཨཱཿསཏྭཱནཱཾ བཛྲཱཡུཥྟཱཾ ཀཱཡཱཾ ཨཱཿཛཿཧཱུཾ ཝཾཤཿ ཨཱཿསཏྭཱནཱཾ བཛྲཱཡུཥྟཱཾ ཛཱིཝིཏཱཾ ཨཱཿཛཿཧཱུཾ ཝཾཤཿ ཨཱཿསཏྭཱནཱཾ བཛྲཱཡུཥྟཱཾ ཙིཏྟཱཾ ཨཱཿཛཿཧཱུཾ ཝཾཤཿ

ཨོཾ ཨོཾ ཨོཾ

ཨོཾ ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ

ॐः ः॥ ॥ ॥

ॐ ह्रीं श्रीं [illegible] ॐ [illegible] हुं स्वाहा

[illegible] [illegible] [illegible] [

ཧཱུྃ ཨཱཌྷྱཱནཱཱུཔཱནཊཱིཔཱཡ ཧཱུྃ ཨཱཌྷྱཱནཱཱུཔཱནཊཱིཔཱཡ ཧཱུྃ ཨཱཌྷྱཱནཱཱུཔཱནཊཱིཔཱཡ

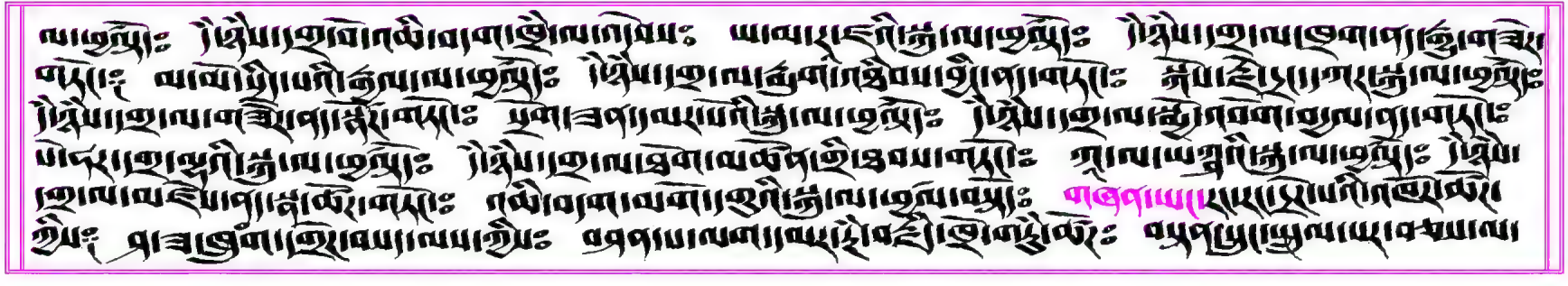

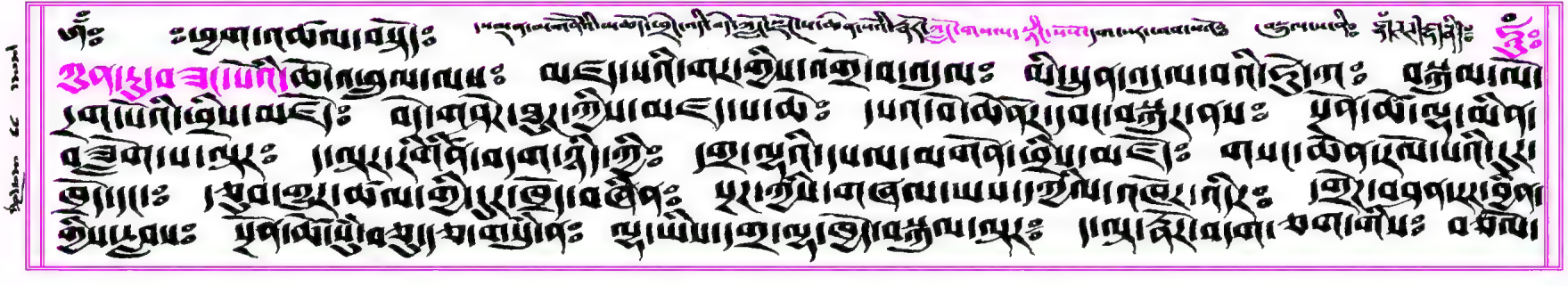

ཨོཾ་ ཨཱཿཧཱུྃ་ཛཿ ཨཱཿཧཱུྃ་ཛཿ ཨཱཿཧཱུྃ་ཛཿ ཨཱཿཧཱུྃ་ཛཿ ཨཱཿཧཱུྃ་ཛཿ ཨཱཿཧཱུྃ་ཛཿ
ཨཱཿཧཱུྃ་ཛཿ ཨཱཿཧཱུྃ་ཛཿ ཨཱཿཧཱུྃ་ཛཿ ཨཱཿཧཱུྃ་ཛཿ ཨཱཿཧཱུྃ་ཛཿ ཨཱཿཧཱུྃ་ཛཿ
ཨཱཿཧཱུྃ་ཛཿ ཨཱཿཧཱུྃ་ཛཿ ཨཱཿཧཱུྃ་ཛཿ ཨཱཿཧཱུྃ་ཛཿ ཨཱཿཧཱུྃ་ཛཿ ཨཱཿཧཱུྃ་ཛཿ
ཨཱཿཧཱུྃ་ཛཿ ཨཱཿཧཱུྃ་ཛཿ ཨཱཿཧཱུྃ་ཛཿ ཨཱཿཧཱུྃ་ཛཿ ཨཱཿཧཱུྃ་ཛཿ ཨཱཿཧཱུྃ་ཛཿ
ཨཱཿཧཱུྃ་ཛཿ ཨཱཿཧཱུྃ་ཛཿ ཨཱཿཧཱུྃ་ཛཿ ཨཱཿཧཱུྃ་ཛཿ ཨཱཿཧཱུྃ་ཛཿ ཨཱཿཧཱུྃ་ཛཿ
ཨཱཿཧཱུྃ་ཛཿ ཨཱཿཧཱུྃ་ཛཿ ཨཱཿཧཱུྃ་ཛཿ ཨཱཿཧཱུྃ་ཛཿ ཨཱཿཧཱུྃ་ཛཿ ཨཱཿཧཱུྃ་ཛཿ
ཨཱཿཧཱུྃ་ཛཿ ཨཱཿཧཱུྃ་ཛཿ ཨཱཿཧཱུྃ་ཛཿ ཨཱཿཧཱུྃ་ཛཿ ཨཱཿཧཱུྃ་ཛཿ ཨཱཿཧཱུྃ་ཛཿ

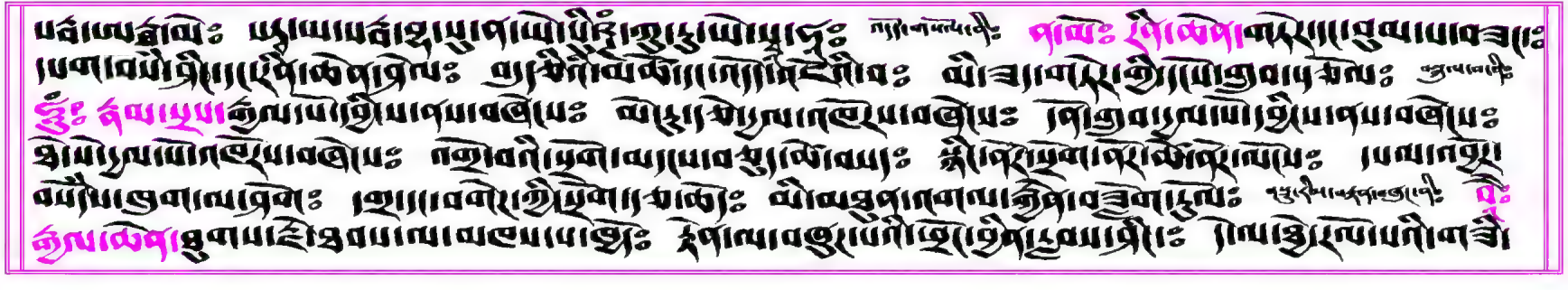

ཨོཾ་ ཨཱཿཝཛྲཱཡོགིནཱི་ ཧཱུྃ་ ཧཱུྃ་ ཕཊ་ ཕཊ་ ཕཊ་ སྭཱཧཱ། ཡང་དེའི་ཚེ་ ཧཱུྃ་ ཀུལཱལཱ་ཡ་ཤེལཱ་ཡ་ཤེལཱ་ཡ་ཤེ

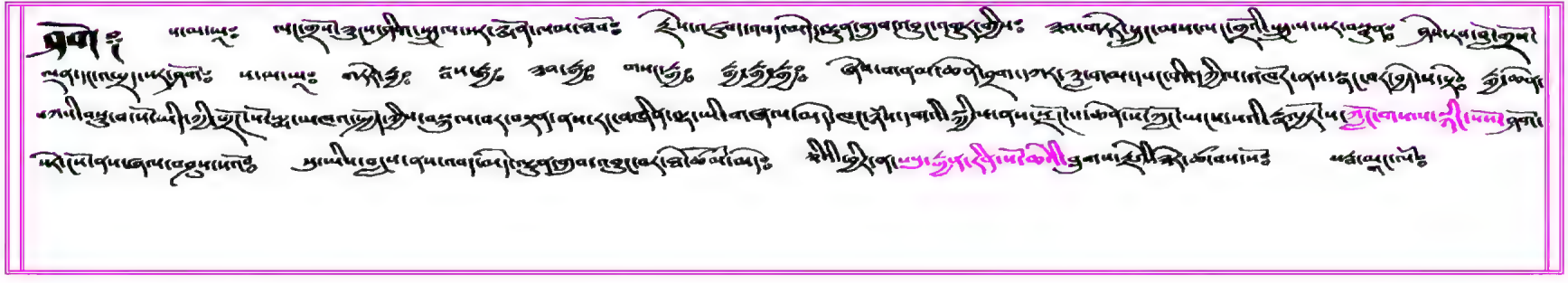

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཨཱཿ ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཨཱཿ
ཀཱཡ་ཝཱཀ་ཙིཏྟ་ཨཱ་ནཱན་ཏ་རྱ་ཨཱ་ཏྨ་ཀོ་ཧཾ་ཨཱཿ ཀཱཡ་ཝཱཀ་ཙིཏྟ་ཨཱ་ནཱན་ཏ་རྱ་ཨཱ་ཏྨ་ཀོ་ཧཾ་ཨཱཿ
ཨཱཿཧཱུྃ་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཨཱཿ ཨཱཿཧཱུྃ་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཨཱཿ

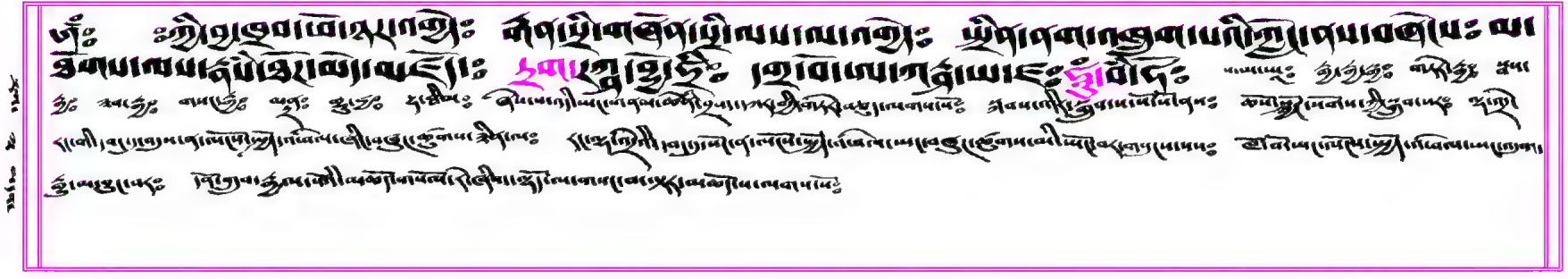

ཨོཾ་ ཨཱཿཧཱུྃ་ བཛྲཱ་ཡུཥྞཱི་ཝི་ཛ་ཡཱ་ཨུཥྞཱི་ཥཾ་ ཨུཥྞཱི་ཥ་ཙཀྲ་ཝརྟི་ཏི་ཀེ་ཤ

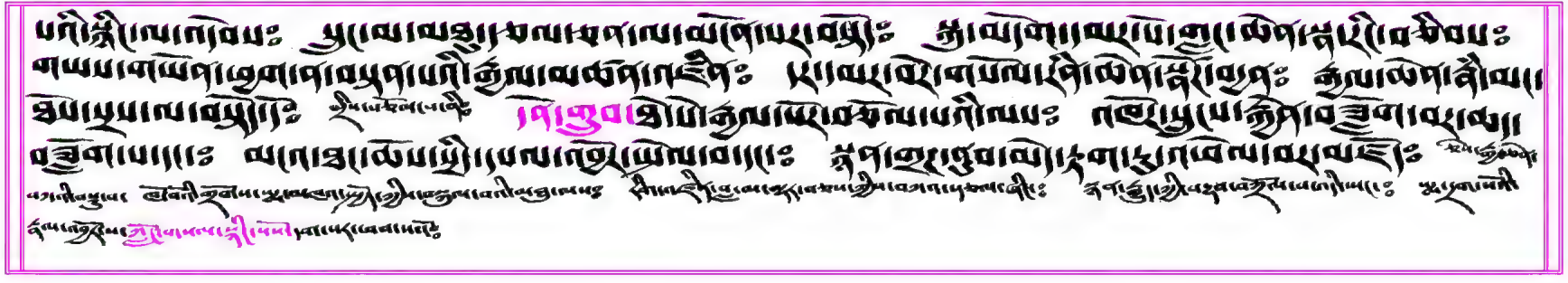

ཀྱཻཿ ཨོཾ་ཧཱུྃ་ཛྲ་ཝཱ་རཱ་ཧཱི་ཡ་ཛྲ་ཏུཎྜ་ཧཱུྃ་ཕཊ་ཨོཾ་ཧཱུྃ་ཕཊ་ཨོཾ་ཧཱུྃ་ཕཊ་ཨོཾ

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ

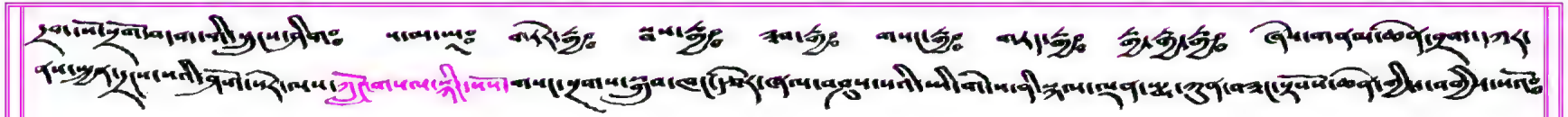

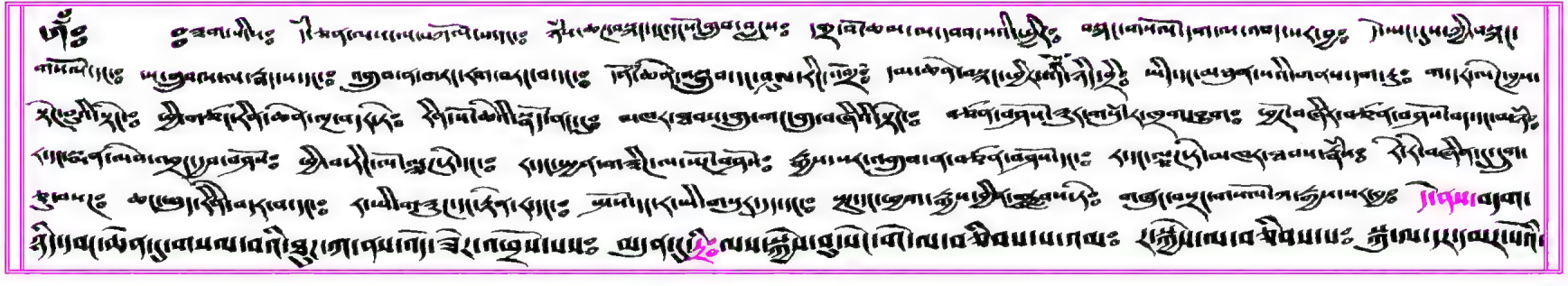

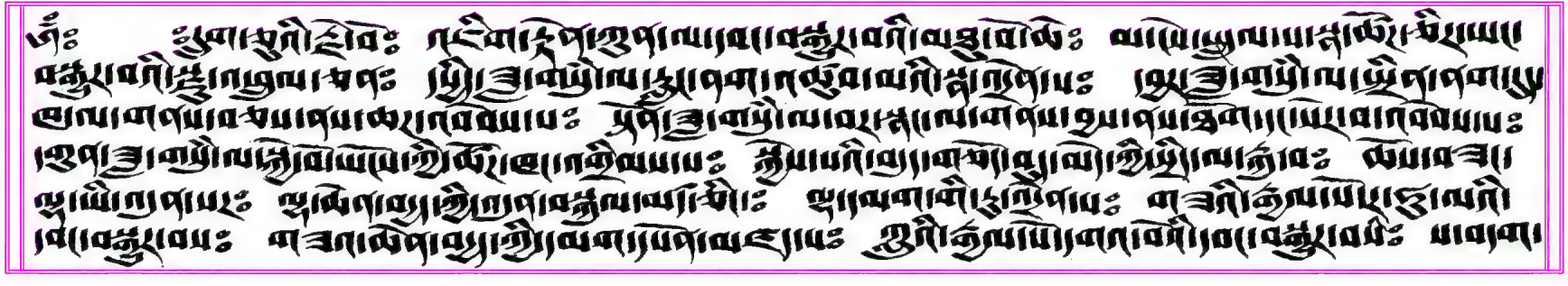

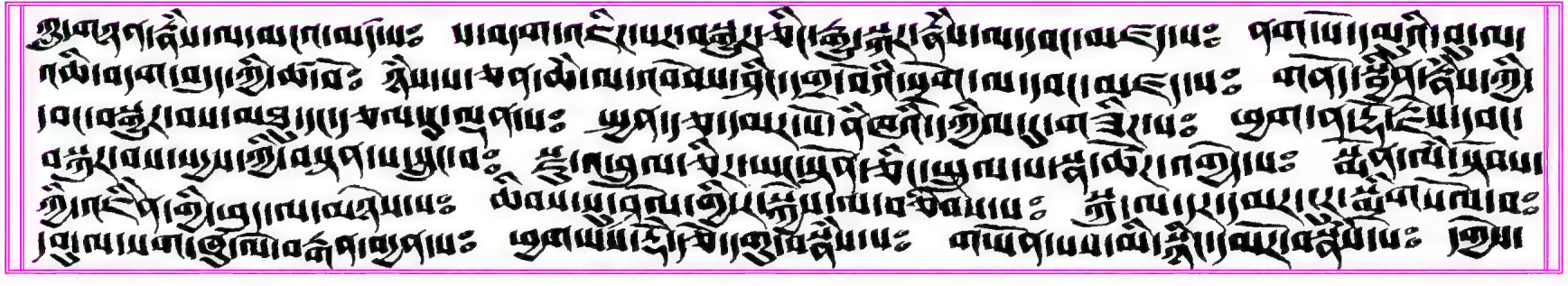

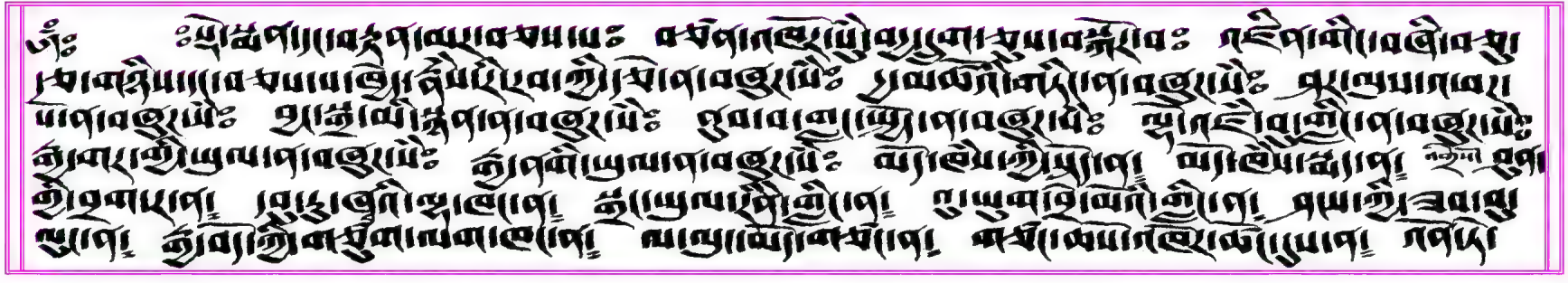

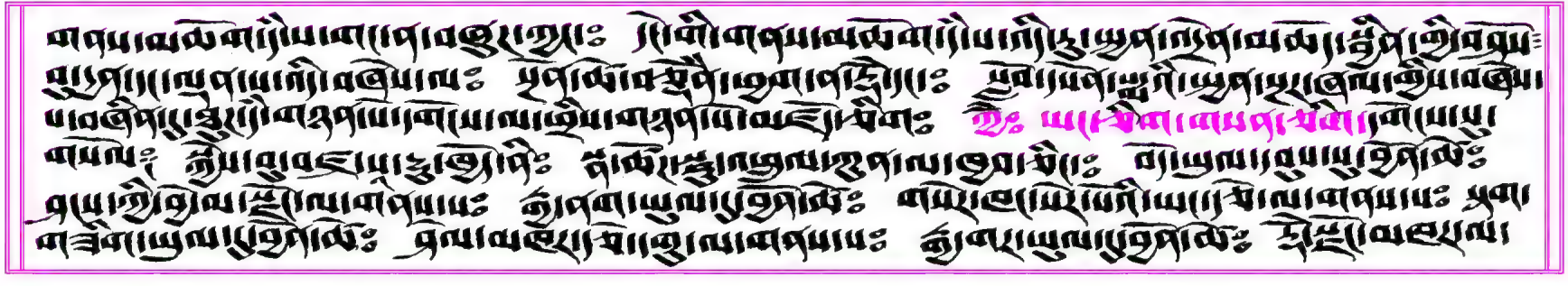

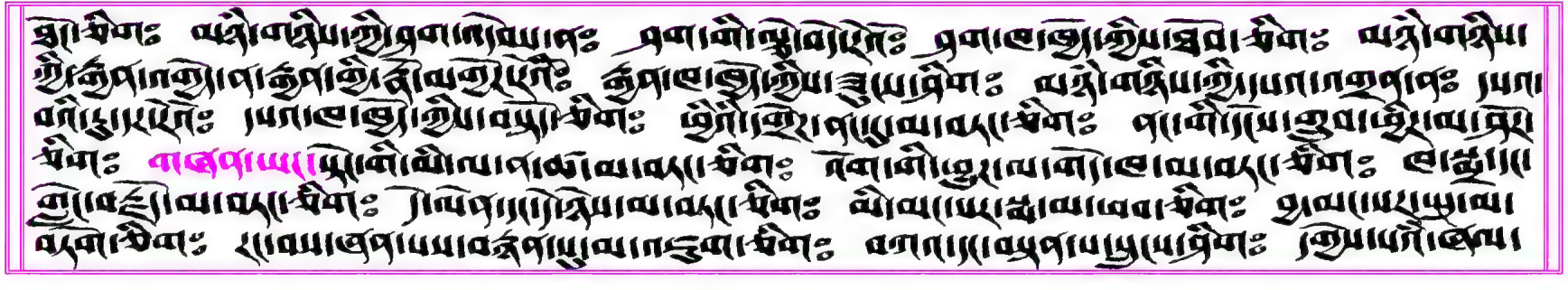

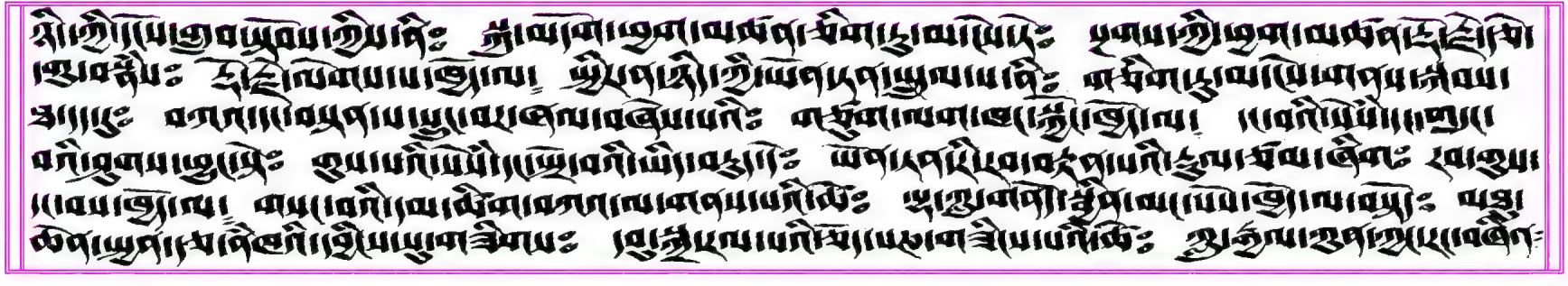

ཡུམ་བཞིའི་ཚོགས་ཀྱི་དཀྱིལ་འཁོར་ཡུམ་བཞིའི་ཚོགས་ཀྱི་དཀྱིལ་འཁོར་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡུམ་ཆེན་མོ་ཁམས་གསུམ་ཀུན་ཏུ་ཁྱབ་པ་ཆོས་ཀྱི་དབྱིངས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་མོ

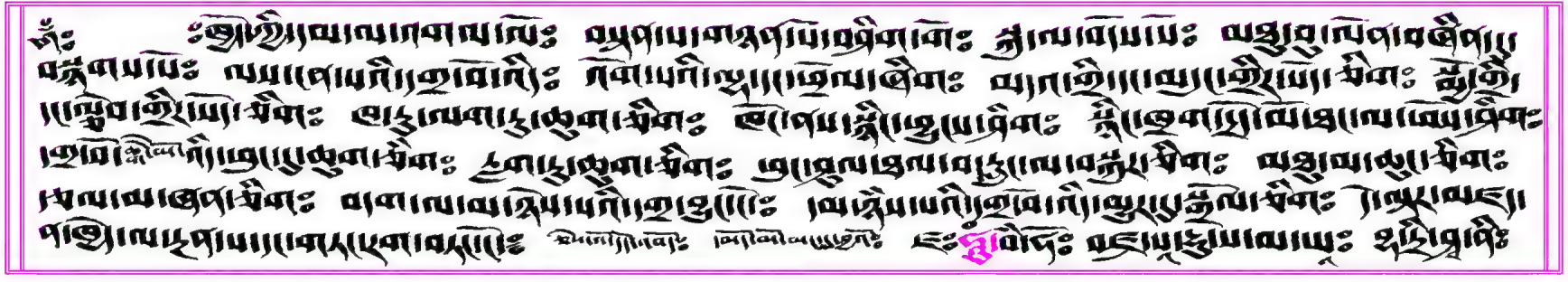

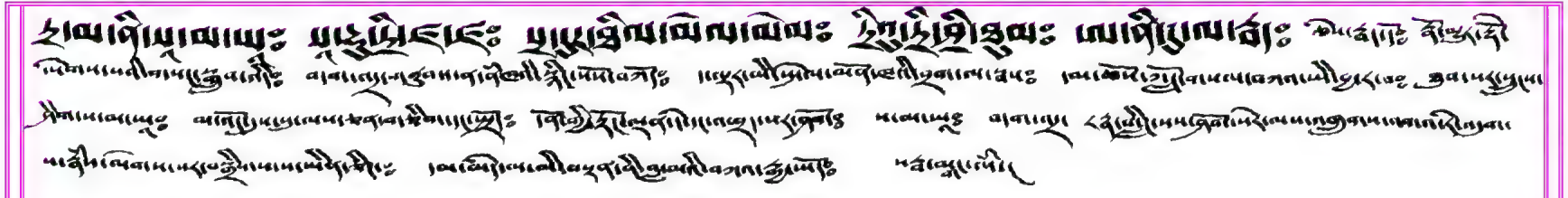

ॐ ः ॐ ः ॐ ः

ཨོཾ་ ཨཱཿཧཱུྃ་ ཧཱུྃ་ ཡཱ་ཝཛྲ་ཡཱ་ཧཱུྃ་ ཨེ་ཧི་ཨེ་ཧི་ ཨཱ་ཀ་ཥ་ཡ་ ཨཱ་ཀ་ཥ་ཡ་ ཨཱ་ཀ་ཥ་ཡ

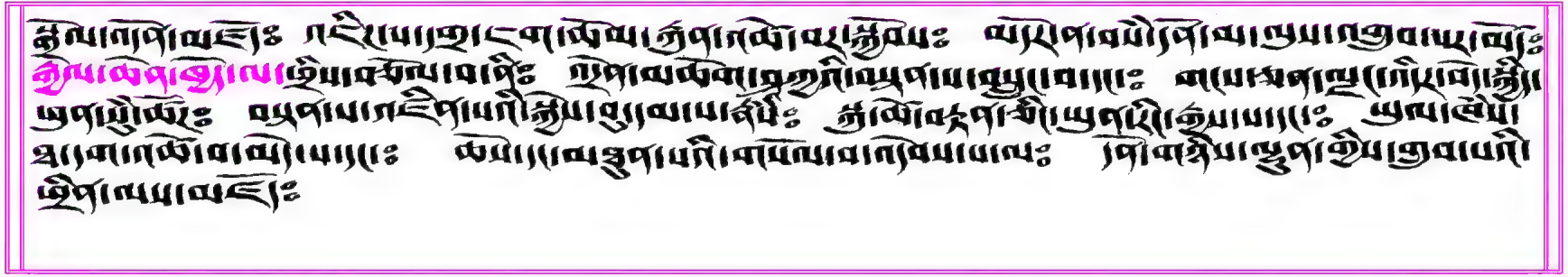

ཨོཾ ཨཿཝཛྲཱཝཱརཱཧཱིཿ ཀཱཡཝཱཀ་ཙིཏྟཱཧཱརཱཡཱཡཱཿ སཱཥྚཱཡཱཿ སཱཥྚཱཡཱཿ ཨཱཡཱཡཱཿ ཨཱཡཱཡཱཿ ཨཱཡ

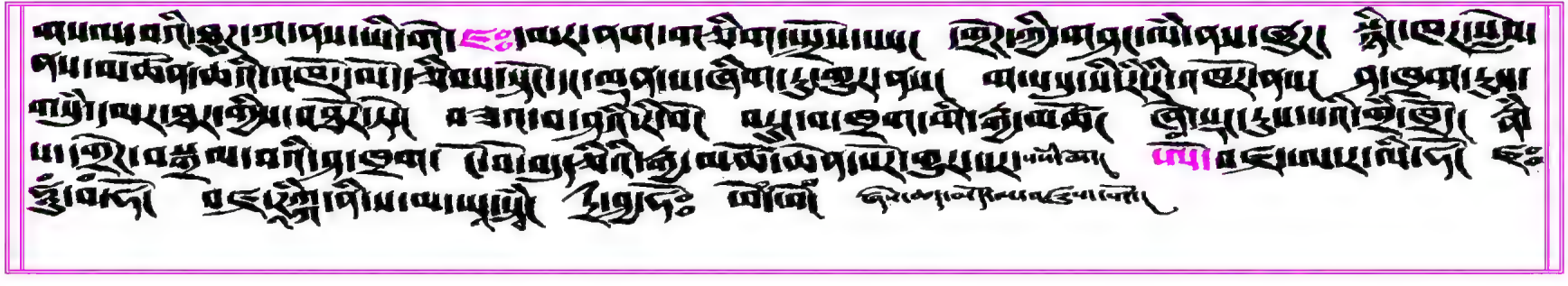

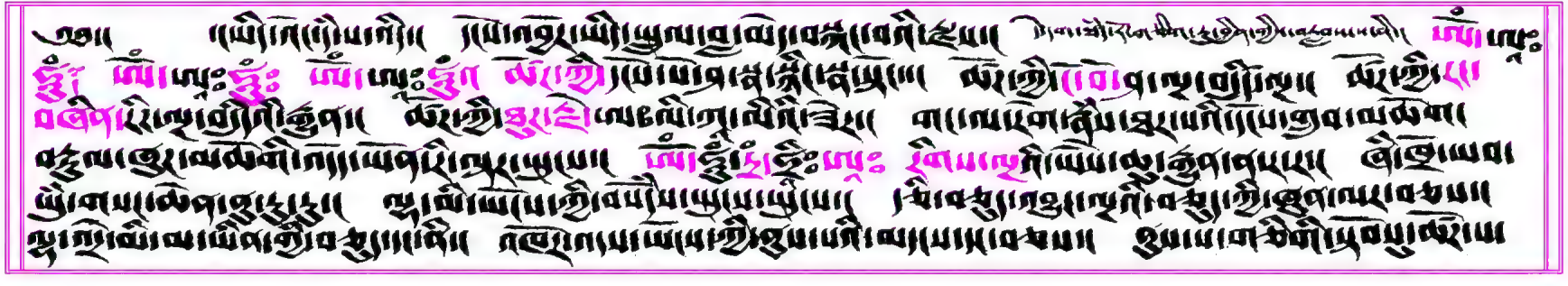

ཨཱཿ ཧཱུྃ། རཏྣཙིནྟཱམཎིཔཱལིཔཱལིཏཱཡཻ་ནམཿ། ཨཔཱཡཛཱལཱཏཱརཎ

ཨོཾ། བཛྲཱཡཱ་ཧཱ་ཧཱ་ཧཱ་ཧཱ་ཧཱ། བཛྲཱ་ཝཱ་ཡཱ་ཏེ་ཧཱ་ཧཱ་ཧཱ་ཧཱ་ཧཱ། ཨཱ་ཧཱ་ཧཱ་ཧཱ་ཧཱ་ཧཱ་ཧཱ།
ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ། ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ། ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ།
ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ། ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ། ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ།
ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ། ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ། ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ།
ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ། ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ། ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ།
ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ། ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ། ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ།
ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ། ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ། ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ།

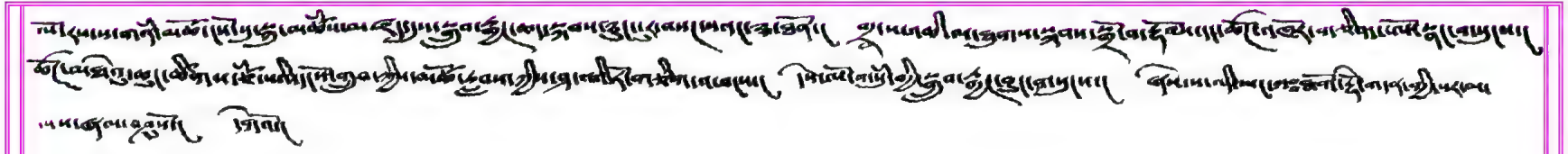

ཀཱ་ ཀཱ་ཡཱ་ཀཱ་ཡཱ་ཨཱ་ཡཱ་ཨཱ་ཡཱ་ཨ

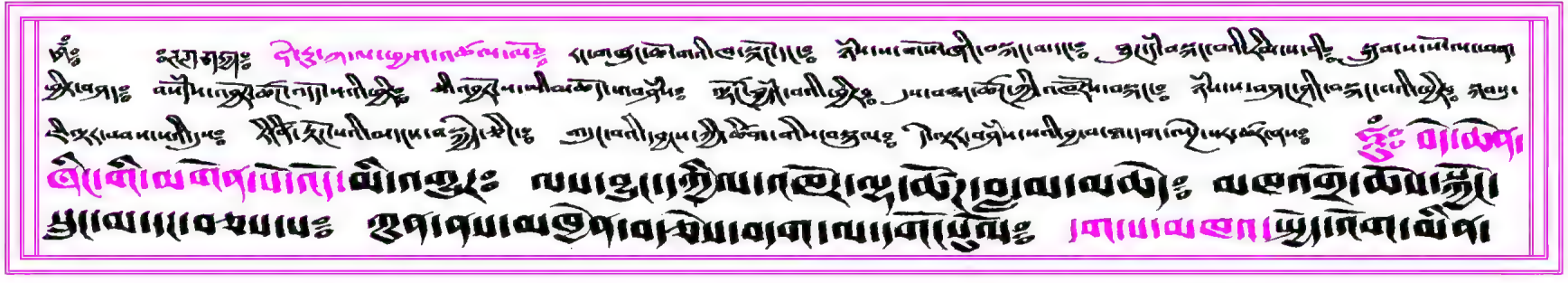

ཨཱཿ ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ

ཨོཾ ཨཱཏྨཱཡཱི་ཝཱལཱི་ཀཱ་ནཱ་པཱ་ཏཱི་ཡེ། ཤྲཱི་ཝ་ཛྲ་པཱ་ཎི་ཀཱ་ཡ་ནཱི་པྲ་ཀཱ་ཤ་ཡ། ཝཱ་ལཱི་ཀཱ་ཝ་ཛྲཱ་ཡ་ཎཱི་ཡེ། ཤ་ཙཱི་ཛྭ་ཱ་ལཱ་ཀཱ་ཡ་ཎཱི་ཡེ། པྲ་ཛྙཱ་པཱ་ར་མི་ཏཱ་ཡེ། ཨཱ་ཡུ་རྫྙཱ་ན་ཝི་ཤུ་དྡྷི་ཡེ། ཤྲཱི་ཡཱི་ཝ་ལཱི་ཀཱ་ཡེ། ཤྲཱི་ཝ་ཛྲ་ཀཱ་ཡེ། ཤྲཱི་ཝ་ཛྲ་ཝཱ་ཎཱི་ཡེ། ཤྲཱི་ཝ་ཛྲ་ཀཱ་ཡ་ཀཱ་ཡེ། ཤྲཱི་ཝ་ཛྲ་ཀཱ་ཡ་ཝཱ་ཀ་ཙི་ཏྟཱ་ཡེ། ཤྲཱི་ཝ་ཛྲ་ཀཱ་ཡ་ཝཱ་ཀ་ཙི་ཏྟ་ཨཱ་ལཱ་ཀཱ་ཡེ། ཤྲཱི་ཝ་ཛྲ་ཀཱ་ཡ་ཝཱ་ཀ་ཙི་ཏྟ་ཨཱ་ལཱ་ཀཱ་ཡ་ཨཱ་ཝེ་ཤཱ་ཡེ། ཤྲཱི་ཝ་ཛྲ་ཀཱ་ཡ་ཝཱ་ཀ་ཙི་ཏྟ་ཨཱ་ལཱ་ཀཱ་ཡ་ཨཱ་ཝེ་ཤཱ་ཡ་ཨཱ་ཏྨཱ་ཡཱི་ཝཱལཱི་ཀཱ་ནཱ་པཱ་ཏཱི་ཡེ། ཤྲཱི་ཝ་ཛྲ་པཱ་ཎི་ཀཱ་ཡ་ནཱི་པྲ་ཀཱ་ཤ་ཡ། ཝཱ་ལཱི་ཀཱ་ཝ་ཛྲཱ་ཡ་ཎཱི་ཡེ། ཤ་ཙཱི་ཛྭ་ཱ་ལཱ་ཀཱ་ཡ་ཎཱི་ཡེ། པྲ་ཛྙཱ་པཱ་ར་མི་ཏཱ་ཡེ། ཨཱ་ཡུ་རྫྙཱ་ན་ཝི་ཤུ་དྡྷི་ཡེ། ཤྲཱི་ཡཱི་ཝ་ལཱི་ཀཱ་ཡེ། ཤྲཱི་ཝ་ཛྲ་ཀཱ་ཡེ། ཤྲཱི་ཝ་ཛྲ་ཝཱ་ཎཱི་ཡེ། ཤྲཱི་ཝ་ཛྲ་ཀཱ་ཡ་ཀཱ་ཡེ། ཤྲཱི་ཝ་ཛྲ་ཀཱ་ཡ་ཝཱ་ཀ་ཙི་ཏྟཱ་ཡེ། ཤྲཱི་ཝ་ཛྲ་ཀཱ་ཡ་ཝཱ་ཀ་ཙི་ཏྟ་ཨཱ་ལཱ་ཀཱ་ཡེ། ཤྲཱི་ཝ་ཛྲ་ཀཱ་ཡ་ཝཱ་ཀ་ཙི་ཏྟ་ཨཱ་ལཱ་ཀཱ་ཡ་ཨཱ་ཝེ་ཤཱ་ཡེ། ཤྲཱི་ཝ་ཛྲ་ཀཱ་ཡ་ཝཱ་ཀ་ཙི་ཏྟ་ཨཱ་ལཱ་ཀཱ་ཡ་ཨཱ་ཝེ་ཤཱ་ཡ་ཧཱུྃ།

ཨོཾ། ཤྲཱིཝཛྲཱཀྲོཝཛྲཱཝརྞཱཝཛྲཱཡཱུཥེ། ཨཱཿ བཛྲཱཡཱཧཱཝཛྲཱཝཱཧཱཡཱཧཱཡཱུཥེ། ཧཱུྃ བཛྲཱཀྲོཥེཝཛྲཱཀྲོཥེཝཛྲཱཡཱུཥེ། ཛཿ ཨཱཀཱཤཱཝཛྲཱཀཱཤཱཡཱུཥེ

ཨཱཿ ཨོཾ་ཨ་ཝ་ལོ་ཀི་ཏེ་ཤྭ་ར་ཧྲི་དཿ ཨཱཿ ཨོཾ་ཨ་ཝ་ལོ་ཀི་ཏེ་ཤྭ་ར་ཧྲི་དཿ ཨཱཿ ཨོཾ་ཨ་ཝ་ལོ་ཀི་ཏེ་ཤྭ་ར་ཧྲི་དཿ
ཨཱཿ ཨོཾ་ཨ་ཝ་ལོ་ཀི་ཏེ་ཤྭ་ར་ཧྲི་དཿ ཨཱཿ ཨོཾ་ཨ་ཝ་ལོ་ཀི་ཏེ་ཤྭ་ར་ཧྲི་དཿ ཨཱཿ ཨོཾ་ཨ་ཝ་ལོ་ཀི་ཏེ་ཤྭ་ར་ཧྲི་དཿ
ཨཱཿ ཨོཾ་ཨ་ཝ་ལོ་ཀི་ཏེ་ཤྭ་ར་ཧྲི་དཿ ཨཱཿ ཨོཾ་ཨ་ཝ་ལོ་ཀི་ཏེ་ཤྭ་ར་ཧྲི་དཿ ཨཱཿ ཨོཾ་ཨ་ཝ་ལོ་ཀི་ཏེ་ཤྭ་ར་ཧྲི་དཿ
ཨཱཿ ཨོཾ་ཨ་ཝ་ལོ་ཀི་ཏེ་ཤྭ་ར་ཧྲི་དཿ ཨཱཿ ཨོཾ་ཨ་ཝ་ལོ་ཀི་ཏེ་ཤྭ་ར་ཧྲི་དཿ ཨཱཿ ཨོཾ་ཨ་ཝ་ལོ་ཀི་ཏེ་ཤྭ་ར་ཧྲི་དཿ
ཨཱཿ ཨོཾ་ཨ་ཝ་ལོ་ཀི་ཏེ་ཤྭ་ར་ཧྲི་དཿ ཨཱཿ ཨོཾ་ཨ་ཝ་ལོ་ཀི་ཏེ་ཤྭ་ར་ཧྲི་དཿ ཨཱཿ ཨོཾ་ཨ་ཝ་ལོ་ཀི་ཏེ་ཤྭ་ར་ཧྲི་དཿ
ཨཱཿ ཨོཾ་ཨ་ཝ་ལོ་ཀི་ཏེ་ཤྭ་ར་ཧྲི་དཿ ཨཱཿ ཨོཾ་ཨ་ཝ་ལོ་ཀི་ཏེ་ཤྭ་ར་ཧྲི་དཿ ཨཱཿ ཨོཾ་ཨ་ཝ་ལོ་ཀི་ཏེ་ཤྭ་ར་ཧྲི་དཿ

ཨོཾ་ ཨཱཿཧཱུྃ་ བཛྲ་ཡོ་གི་ནཱི་ཛཿ ཧཱུྃ་ ཐཱ་ཀུ་ཝཱ་ལེ་ཀ་པ་ཏེ་ཧཱུྃ་ཕཊ་ ཡེ་ཤེ་ཡེ་ཤེ་ཝཱ་ལེ་ཀ་ཡཱ་ཧཱུྃ།
ཧཱུྃ་ ཐཱ་ཀུ་ཝཱ་ལེ་ཀ་པ་ཏི་ནཱ་ཡ་ཀཱི་ཡཱ་ཧཱུྃ་ ཀཱ་ལ་ཙཀྲ་ཨ་ཏི་རཱ་ཛ་ནཱི་ཡཱ་ལེ་ཀཱ་ཡཱ་ཧཱུྃ་ བཛྲ་ཀཱ་ཡ་ཝཱ་ཀ་ཙི་ཏྟ་
ཨཱ་ཀཱ་ཤ་ཧཱུྃ་ པྲ་ཐ་ཝཱི་པཱ་ཏཱ་ལ་ཝཱ་ཧ་ཡ་པ་ནཱི་ཡཱ་ཧཱུྃ།ཧཱུྃ་ ཐཱ་ཀུ་ཝཱ་ལེ་ཀ་པ་ཏི་ནཱི་ཡཱ་པཱ་ཡ་ཡཱ་ཧཱུྃ་ དེ་ཝཱ་ཡཱ་ཝ་ན་ཝ་
ཤཱུ་ནཱ་ཤཱ་ཝ་ཝཱ་ལེ་ཀ་ཡཱ་ཧཱུྃ་ ཛཿཧཱུྃ་ཝཾ་ཧོཿ ཤཱི་ཡཱ་ཀཱ་ཡ་ཝཱ་ཀ་ཙི་ཏྟཱ་ན་ཏྲེ་ཏི་ནཱི་ཡཱ་ཧཱུྃ། ཝི་ཤཱ་ཡཱི་ལ་ཝ་ན་ཏེ་ཛཱ་
ཏི་ཀཱི་ཡཱ་ཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ། ཤཱི་ཡཱ་ཝ་ཛྲཱ་ཡུ་ཏཱ་ཡཱ་ཤ་ཡཱ་ཧཱུྃ། ཐཱ་ཝ་ཛྲཱི་ཀཱ་ཡ་ཝཱ་ཀ་ཙི་ཏྟཱ་ན་ཏྲེ་ཏི་ནཱི་
ཡཱ་ཧཱུྃ་ ཨཱི་ཝ་ཛྲཱི་ཀཱ་ཝ་ཛྲཱི་ཝ་ཙ་ནཱ་ཝ་ཛྲཱི་ཀཱ་ཡཱ་ཧཱུྃ་ ཨཱ་ཀཱ་ཤ་ཀཱ་ཡ་ཝཱ་ཀ་ཙི་ཏྟཱ་ན་ཏྲེ་ཏི་ནཱི་ཡཱ་ཧཱུྃ།

ཨཾ། ཨཱཿཧཱུྃ་ཛྲ་ཡ་ཛཿ ཧཱུྃ་ཛྲ་ཡ་ཛཿ ཧཱུྃ་ཛྲ་ཡ་ཛཿ བཛྲཱ་ནཱ་ཡ་ཀཱ་ཡ་ཨཱ་ཀ་ཥ་ཡ་ཨཱ་ཀ་ཥ་ཡ་ཨཱ་ཀ་ཥ

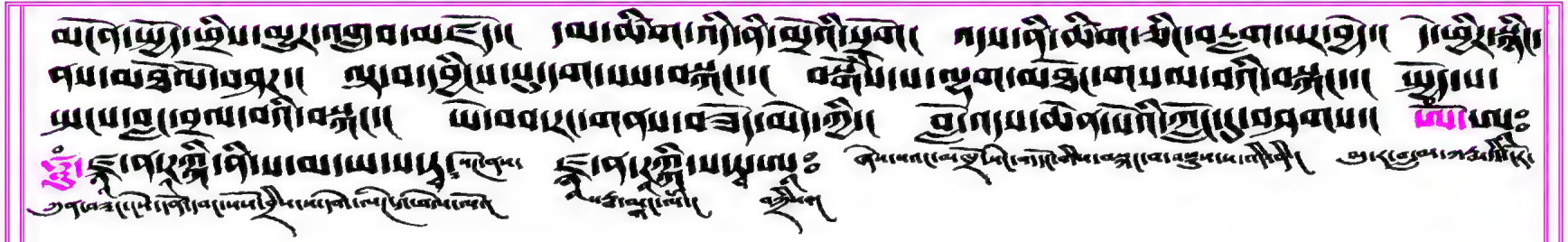

ཀ་ཀཱ་ཀི་ཀཱི་ཀུ་ཀཱུ་ཀྲི་ཀཱྲི་ཀླི་ཀཱླི་ཀེ་ཀཻ་ཀོ་ཀཽ་ཀཾ་ཀཿ ཀ་ཀཱ་ཀི་ཀཱི་ཀུ་ཀཱུ་ཀྲི་ཀཱྲི་ཀླི་ཀཱླི་ཀེ་ཀཻ་ཀོ་ཀཽ་ཀཾ་ཀཿ

ॐः ःपपाप्तुपाप्पापाचैः प्रापाश्चैःपाप्तप्राप्तेपाप्पाप्तुैःहिःहैःपाप्पापः पाप्तेपाप्पाहैप्तुपाप्तैपापापाप्पैःपाती
पापाः हुप्राहिःहैःपापाःपापाःपापाप्तुपापाप्पुः पप्पैपापापाप्पैःपाःहैःपापैःपिपाप्तपाप्तेपापापाप्पः पप्पैपाप्तिपापाप्तैः
पपैःप्तुपापाप्तपाप्तैःपिपाप्तःहापपैः हुप्राहिःपिपापापाप्तपाप्तपाप्पैपापापाचैः पाहःपापैःपिपापैःपिपाप्पैपा
पाप्तुपापाप्तपैपापाप्पुः ह्रूँः पैःहाप्तिःपाप्तपैःपिपापाःपुैपापाप्तेपापैःचैः पप्पैःपुैपापापाप्तपैःपापाप्तुपैः
पापुपापाप्तपः पापाप्पैपाप्तुपाप्तिपापाप्पपापैःस्फ्रांप्तुपाः पप्पैःपुैपाःपैःहैःपैःहैःपैःपाप्तपापापाप्तुपाः पिपाप्तुपाः
तैःप्तुःपाप्तैःपुैःपुैपापाप्तैःपैः हुप्तैःपिपाप्पैःपुैपाःपिपाःपापाःपापाप्तैपपापाप्तैः पैःपाप्तैःपापापाप्तुपाप्तुःपाः

ཨོཾ། ཨཱཿཧཱུྃ། ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨེ་ཧྱེ་ཧི།

ཨོཾ་ ཨཱཿཧཱུྃ་ བཛྲ་ཡོ་གི་ནཱི་ཀཱ་ཡ་ཛཿ

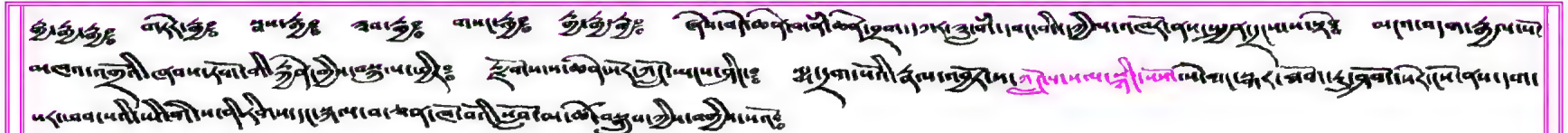

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ། ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཕྱོགས་བཅུ་ན་བཞུགས་པའི་བླ་མ་དམ་པ་རྣམས་ཀྱི་སྐུ་གསུང་ཐུགས་ཡོན་ཏན་ཕྲིན་ལས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཐམས་ཅད་ཀྱང་།

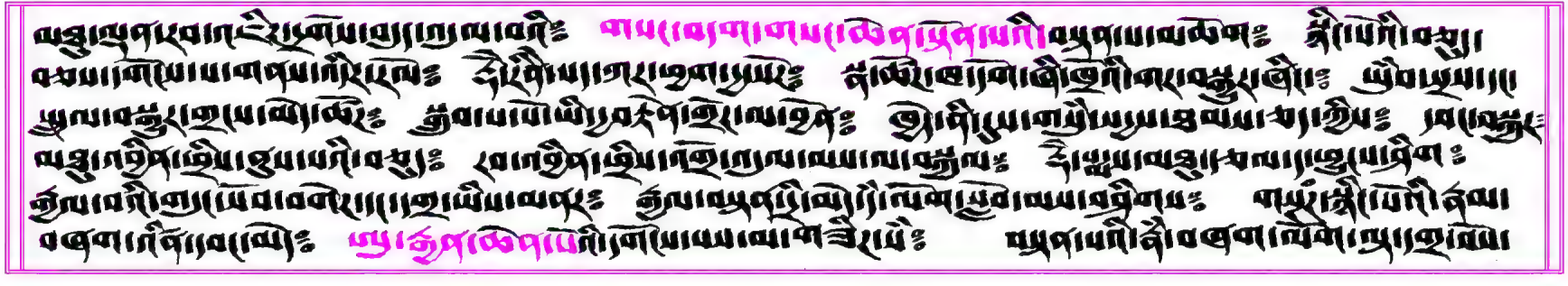

ཨོཾ ཨཱཿགཎེཤཱཡཾ ཨཱཿཤཱཀྱཔུཏྲཱཡཾ ཨཱཿཤཱཀྱཔུཏྲཱཡཾ ཨཱཿཤཱཀྱཔུཏྲཱཡཾ ཨཱཿཤཱཀྱཔུཏྲཱཡཾ ཨཱཿཤཱཀྱཔུཏྲཱཡཾ
ཨཱཿཤཱཀྱཔུཏྲ

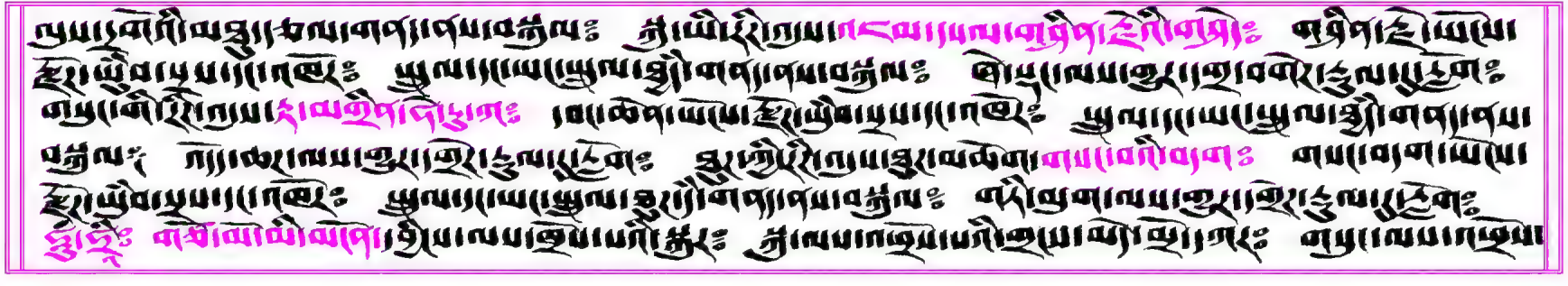

ཨོཾ་ ཨཱཿཧཱུྃ་ བཛྲ་ཡོ་གི་ནཱི་ ཛཿཧཱུྃ་ བཾ་ཧོཿ

ॐ ः श्रीगुरवे नमः श्रीवैद्यनाथाय नमः श्रीमद्वाराहीदेव्यै नमः श्रीमद्गणपतये नमः
श्रीमद्वाराहीदेव्यै नमः श्रीगुरवे नमः श्रीवैद्यनाथाय नमः श्रीमद्वाराहीदेव्यै नमः
श्रीगुरवे नमः श्रीवैद्यनाथाय नमः श्रीमद्वाराहीदेव्यै नमः श्रीगुरवे नमः श्रीवैद्यनाथाय नमः
श्रीमद्वाराहीदेव्यै नमः श्रीगुरवे नमः श्रीवैद्यनाथाय नमः श्रीमद्वाराहीदेव्यै नमः श्रीगु
रवे नमः श्रीवैद्यनाथाय नमः श्रीमद्वाराहीदेव्यै नमः ह्रूं ब्रह्मविष्णुरुद्रादिदुःखप
रिहारिण्यै नमः श्रीमद्गणपतये नमः श्रीगुरवे नमः श्रीवैद्यनाथाय नमः श्रीमद्वाराहीदेव्यै
नमः श्रीमद्गणपतये नमः श्रीगुरवे नमः श्रीवैद्यनाथाय नमः श्रीमद्वाराहीदेव्यै नमः

ॐ ः ः ः

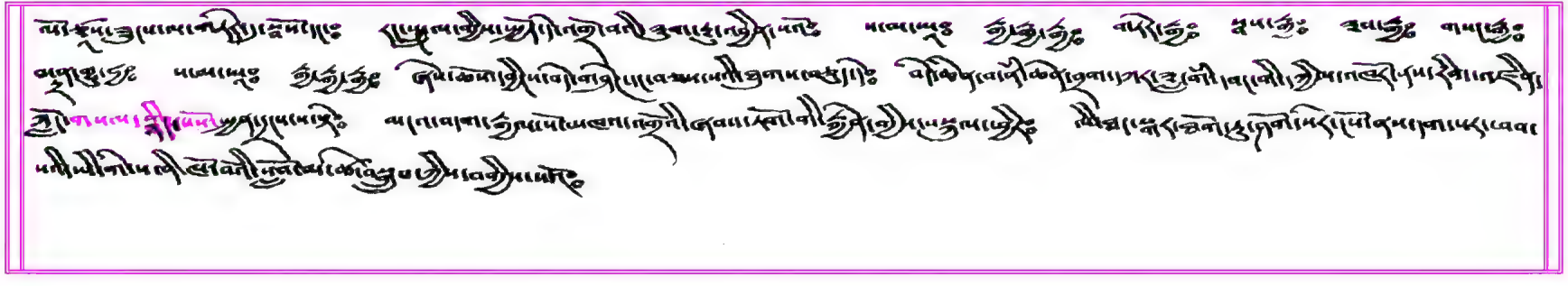

ཨཱཿཧཱུྃ རྡོ་རྗེ་ཁྲོ་བོ་ཧཱུྃ རྡོ་རྗེ་གདུག་པ་ཅན་ཧཱུྃ རྡོ་རྗེ་ཁྲོ་བོ་ཆེན་མོ་ཧཱུྃ ཤཱཀྱ་ཐུབ་པ་རྡོ་རྗེ་ཁྲོ་བོ་ཧཱུྃ ཤཱཀྱ་ཐུབ་པ་རྡོ་རྗེ་གདུག་པ་ཅན་ཧཱུྃ ཤཱཀྱ་ཐུབ་པ་རྡོ་རྗེ་ཁྲོ་བོ་ཆེན་མོ་ཧཱུྃ ཡཱ་ཧོ་ཡཱ་ཧོ་ཧཱུྃ ཡཱ་ཧོ་ཡཱ་ཧོ་ཧཱུྃ ཡཱ་ཧོ་ཡཱ་ཧོ་ཧཱུྃ ཧེ་རུ་ཀེ་ཧེ་རུ་ཀ་ཧཱུྃ ཕྱག་ན་རྡོ་རྗེ་ཧཱུྃ ཐོད་ཕྲེང་རྒྱན་ཧཱུྃ ཧེ་རུ་ཀེ་ཧེ་རུ་ཀ་ཧཱུྃ ཕྱག་ན་རྡོ་རྗེ་ཧཱུྃ ཐོད་ཕྲེང་རྒྱན་ཧཱུྃ དཔལ་ཧེ་རུ་ཀ་ཕྱག་ན་རྡོ་རྗེ་ཐོད་ཕྲེང་རྒྱན་ཧཱུྃ དཔལ་ཧེ་རུ་ཀ་ཕྱག་ན་རྡོ་རྗེ་ཐོད་ཕྲེང་རྒྱན་ཧཱུྃ དཔལ་ཧེ་རུ་ཀ་ཕྱག་ན་རྡོ་རྗེ་ཐོད་ཕྲེང་རྒྱན་ཧཱུྃ ཤཱཀྱ་ཐུབ་པ་རྡོ་རྗེ་ཁྲོ་བོ་ཧཱུྃ ཤཱཀྱ་ཐུབ་པ་རྡོ་རྗེ་གདུག་པ་ཅན་ཧཱུྃ ཤཱཀྱ་ཐུབ་པ་རྡོ་རྗེ་ཁྲོ་བོ་ཆེན་མོ་ཧཱུྃ

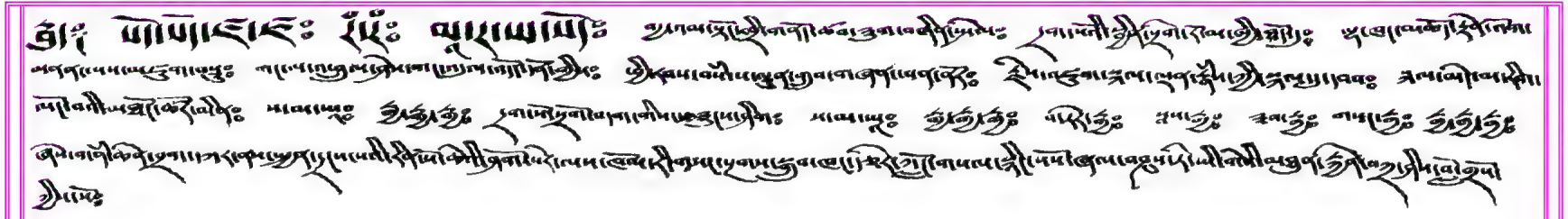

770

ཀ

ཤེས་རབ་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཡི་ཡུམ་ལ་ཕྱག་འཚལ་ལོ། །ཐུབ་པ་ཆོས་ཀྱི་རྒྱལ་པོ་ཡི་ཡུམ་ལ་ཕྱག་འཚལ་ལོ། །ཐུབ་པ་ཆོས་ཀྱི་རྒྱལ་པོ་ཡི་ཡུམ་ལ་ཕྱག་འཚལ་ལོ། །ཐུབ་པ་ཆོས་ཀྱི་རྒྱལ་པོ་ཡི་ཡུམ་ལ་ཕྱག་འཚལ་ལོ། །

ॐ ह्रीं नमो वीर्याक्षेभ्यो स्वाहा

ཨཱཿ ཨཱཿ ཨཱཿ

ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वजनवशंकरी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वस्त्रीवशंकरी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वराजवशंकरी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वमुखवशंकरी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वदुष्टनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वग्रहनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वभूतनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वपिशाचनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वडाकिनीनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वशाकिनीनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वविघ्ननिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वदुःखनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वदारिद्र्यनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वशत्रुनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वज्वरनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वविषनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वशूलनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वशिरोरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वनेत्ररोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वकर्णरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वमुखरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वदन्तरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वनखरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वहृद्रोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वकासश्वासनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वकुष्ठनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वक्षयापस्मारनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वक्षयरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वपित्तरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्ववातरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वकफरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसन्निपातरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वशरीरनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वमनोरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वविसर्पनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वदद्रुनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वकण्डूनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वचर्मरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वरक्तविकारनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वप्रमेहनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वमेदोरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वबुद्धिनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वगुह्यरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वाण्डरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वशुक्रदोषनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वमूत्रकृच्छ्रनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वमूत्राघातनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वमूत्रदोषनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वपादरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वजङ्घारोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वजानुरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वऊरुरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वकटिरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वनाभिरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वपार्श्वरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वपृष्ठरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वहृदयरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वस्तनरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वकक्षरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वबाहुरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वहस्तरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वकण्ठरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वजिह्वारोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वतालुरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वओष्ठरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वशिरोरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वकेशरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वदुःखनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वदारिद्र्यनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वशत्रुनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वज्वरनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वविषनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वशूलनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वशिरोरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वनेत्ररोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वकर्णरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वमुखरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वदन्तरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वनखरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वहृद्रोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वकासश्वासनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वकुष्ठनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वक्षयापस्मारनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वक्षयरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वपित्तरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्ववातरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वकफरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसन्निपातरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वशरीरनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वमनोरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वविसर्पनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वदद्रुनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वकण्डूनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वचर्मरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वरक्तविकारनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वप्रमेहनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वमेदोरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वबुद्धिनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वगुह्यरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वाण्डरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वशुक्रदोषनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वमूत्रकृच्छ्रनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वमूत्राघातनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वमूत्रदोषनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वपादरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वजङ्घारोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वजानुरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वऊरुरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वकटिरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वनाभिरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वपार्श्वरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वपृष्ठरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वहृदयरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वस्तनरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वकक्षरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वबाहुरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वहस्तरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वकण्ठरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वजिह्वारोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वतालुरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वओष्ठरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वशिरोरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वकेशरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वदुःखनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वदारिद्र्यनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वशत्रुनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वज्वरनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वविषनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वशूलनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वशिरोरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वनेत्ररोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वकर्णरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वमुखरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वदन्तरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वनखरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वहृद्रोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वकासश्वासनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वकुष्ठनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वक्षयापस्मारनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वक्षयरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वपित्तरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्ववातरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वकफरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसन्निपातरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वशरीरनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वमनोरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वविसर्पनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वदद्रुनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वकण्डूनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वचर्मरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वरक्तविकारनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वप्रमेहनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वमेदोरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वबुद्धिनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वगुह्यरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वाण्डरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वशुक्रदोषनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वमूत्रकृच्छ्रनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वमूत्राघातनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वमूत्रदोषनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वपादरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वजङ्घारोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वजानुरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वऊरुरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वकटिरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वनाभिरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वपार्श्वरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वपृष्ठरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वहृदयरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वस्तनरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वकक्षरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वबाहुरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वहस्तरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वकण्ठरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वजिह्वारोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वतालुरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वओष्ठरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वशिरोरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वकेशरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वदुःखनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वदारिद्र्यनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वशत्रुनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वज्वरनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वविषनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वशूलनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वशिरोरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वनेत्ररोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वकर्णरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वमुखरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वदन्तरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वनखरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वहृद्रोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वकासश्वासनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वकुष्ठनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वक्षयापस्मारनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वक्षयरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वपित्तरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्ववातरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वकफरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वसन्निपातरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वशरीरनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वमनोरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वविसर्पनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वदद्रुनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वकण्डूनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वचर्मरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वरक्तविकारनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वप्रमेहनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वमेदोरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वबुद्धिनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वगुह्यरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वाण्डरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वशुक्रदोषनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वमूत्रकृच्छ्रनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वमूत्राघातनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वमूत्रदोषनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वपादरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वजङ्घारोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वजानुरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वऊरुरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वकटिरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वनाभिरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वपार्श्वरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वपृष्ठरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वहृदयरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वस्तनरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वकक्षरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वबाहुरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वहस्तरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वकण्ठरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वजिह्वारोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वतालुरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वओष्ठरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वशिरोरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वकेशरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वसर्वरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वसर्वदुःखनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वसर्वदारिद्र्यनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वसर्वशत्रुनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वसर्वरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वसर्वज्वरनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वसर्वविषनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वसर्वशूलनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वसर्वशिरोरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वसर्वनेत्ररोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वसर्वकर्णरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वसर्वमुखरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वसर्वदन्तरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वसर्वनखरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वसर्वहृद्रोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वसर्वकासश्वासनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वसर्वकुष्ठनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वसर्वक्षयापस्मारनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वसर्वक्षयरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वसर्वपित्तरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वसर्ववातरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वसर्वकफरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वसर्वसन्निपातरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वसर्वशरीरनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वसर्वमनोरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वसर्वविसर्पनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वसर्वदद्रुनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वसर्वकण्डूनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वसर्वचर्मरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वसर्वरक्तविकारनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वसर्वप्रमेहनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वसर्वमेदोरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वसर्वबुद्धिनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वसर्वगुह्यरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वसर्वाण्डरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वसर्वशुक्रदोषनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वसर्वमूत्रकृच्छ्रनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वसर्वमूत्राघातनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वसर्वमूत्रदोषनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वसर्वपादरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वसर्वजङ्घारोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वसर्वजानुरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वसर्वऊरुरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्वसर्वकटिरोगनिवारणी स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सर्वसर्वसर्वसर्

ཨཨཨ། །ཨཨཨ

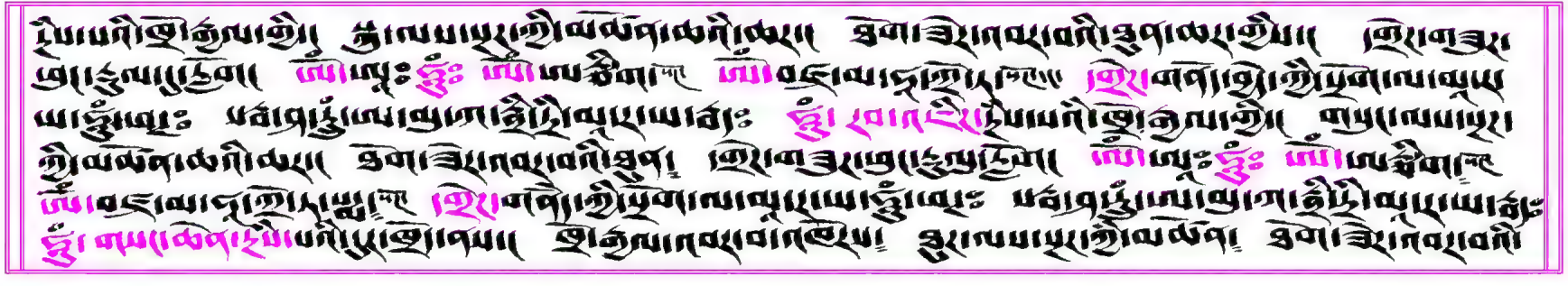

ཨཨཨ། །ཀཱཡཝཱཀྩིཏྟཱནཱཾ ཛིནཱཏྨཛཱཡཱཔུཏྲཱཎཱཾ། ཛིནཱཏྨཛཱཡཱཔུཏྲིཎཱཾ། ཛིནཱཏྨཛཱཡཱཔུཏྲཱཎཱཾ
ཤཱིལཱཙཱརཱཎཱཾ། །ཤཱཀྱཀུལཔུཏྲཱཎཱཾ། ཤཱཀྱཀུལཔུཏྲིཎཱཾ། ཛིནཱཏྨཛཱཡཱཔུཏྲཱཎཱཾ། ཛིནཱཏྨཛཱཡཱཔུཏྲཱཎཱཾ།
ཤཱིལཱཙཱརཱཎཱཾ། ཤཱཀྱཀུལཔུཏྲཱཎཱཾ། ཤཱཀྱཀུལཔུཏྲིཎཱཾ། ཛིནཱཏྨཛཱཡཱཔུཏྲཱཎཱཾ། ཛིནཱཏྨཛཱཡཱཔུཏྲཱཎཱཾ།
ཤཱིལཱཙཱརཱཎཱཾ། ཤཱཀྱཀུལཔུཏྲཱཎཱཾ། ཤཱཀྱཀུལཔུཏྲིཎཱཾ། ཛིནཱཏྨཛཱཡཱཔུཏྲཱཎཱཾ། ཛིནཱཏྨཛཱཡཱཔུཏྲཱཎཱཾ།
ཤཱིལཱཙཱརཱཎཱཾ། ཤཱཀྱཀུལཔུཏྲཱཎཱཾ། ཤཱཀྱཀུལཔུཏྲིཎཱཾ། ཛིནཱཏྨཛཱཡཱཔུཏྲཱཎཱཾ། ཛིནཱཏྨཛཱཡཱཔུཏྲཱཎཱཾ།
ཤཱིལཱཙཱརཱཎཱཾ། ཤཱཀྱཀུལཔུཏྲཱཎཱཾ། ཤཱཀྱཀུལཔུཏྲིཎཱཾ། ཛིནཱཏྨཛཱཡཱཔུཏྲཱཎཱཾ། ཛིནཱཏྨཛཱཡཱཔུཏྲཱཎཱཾ།
ཤཱིལཱཙཱརཱཎཱཾ། ཤཱཀྱཀུལཔུཏྲཱཎཱཾ། ཤཱཀྱཀུལཔུཏྲིཎཱཾ། ཛིནཱཏྨཛཱཡཱཔུཏྲཱཎཱཾ། ཛིནཱཏྨཛཱཡཱཔུཏྲཱཎཱཾ།
ཤཱིལཱཙཱརཱཎཱཾ། ཤཱཀྱཀུལཔུཏྲཱཎཱཾ། ཤཱཀྱཀུལཔུཏྲིཎཱཾ། ཛིནཱཏྨཛཱཡཱཔུཏྲཱཎཱཾ། ཛིནཱཏྨཛཱཡཱཔུཏྲཱཎཱཾ།
ཤཱིལཱཙཱརཱཎཱཾ། ཤཱཀྱཀུལཔུཏྲཱཎཱཾ། ཤཱཀྱཀུལཔུཏྲིཎཱཾ། ཛིནཱཏྨཛཱཡཱཔུཏྲཱཎཱཾ། ཛིནཱཏྨཛཱཡཱཔུཏྲཱཎཱཾ།
ཤཱིལཱཙཱརཱཎཱཾ། ཤཱཀྱཀུལཔུཏྲཱཎཱཾ། ཤཱཀྱཀུལཔུཏྲིཎཱཾ། ཛིནཱཏྨཛཱཡཱཔུཏྲཱཎཱཾ། ཛིནཱཏྨཛཱཡཱཔུཏྲཱཎཱཾ།
ཤཱིལཱཙཱརཱཎཱཾ། ཤཱཀྱཀུལཔུཏྲཱཎཱཾ། ཤཱཀྱཀུལཔུཏྲིཎཱཾ། ཛིནཱཏྨཛཱཡཱཔུཏྲཱཎཱཾ། ཛིནཱཏྨཛཱཡཱཔུཏྲཱཎཱཾ།
ཤཱིལཱཙཱརཱཎཱཾ། ཤཱཀྱཀུལཔུཏྲཱཎཱཾ། ཤཱཀྱཀུལཔུཏྲིཎཱཾ། ཛིནཱཏྨཛཱཡཱཔུཏྲཱཎཱཾ། ཛིནཱཏྨཛཱཡཱཔུཏྲཱཎཱཾ།
ཤཱིལཱཙཱརཱཎཱཾ། ཤཱཀྱཀུལཔུཏྲཱཎཱཾ། ཤཱཀྱཀུལཔུཏྲིཎཱཾ། ཛིནཱཏྨཛཱཡཱཔུཏྲཱཎཱཾ། ཛིནཱཏྨཛཱཡཱཔུཏྲཱཎཱཾ།
ཤཱིལཱཙཱརཱཎཱཾ། ཤཱཀྱཀུལཔུཏྲཱཎཱཾ། ཤཱཀྱཀུལཔུཏྲིཎཱཾ། ཛིནཱཏྨཛཱཡཱཔུཏྲཱཎཱཾ། ཛིནཱཏྨཛཱཡཱཔུཏྲཱཎཱཾ།

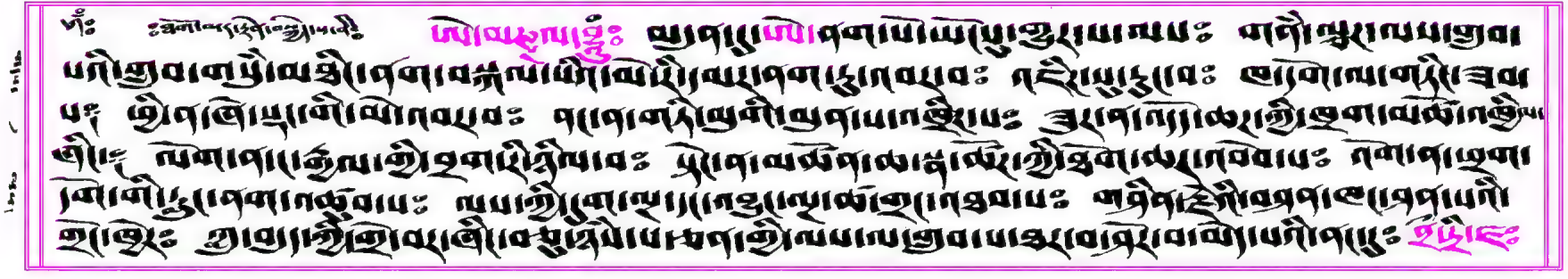

ॐ ः ॐ ः ः ः

ཨོཾ ཨཱཿཧཱུྃ ཨཱཿཧཱུྃ ཨཱཿཧཱུྃ

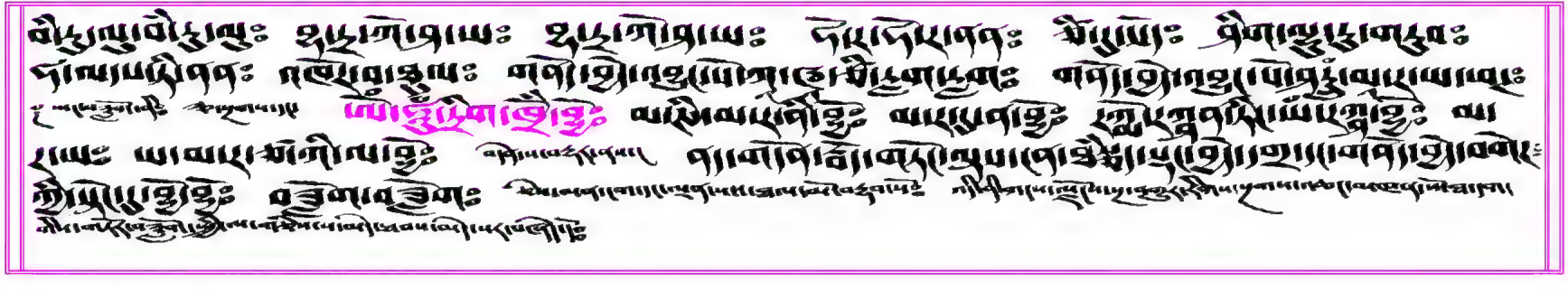

ཨོཾ ཨཱཿཧཱུྃ ཨཱཿཧཱུྃ ཨཱཿཧཱུྃ

ॐ ः श्रमसाङ्गरीङ्गपानावः नत्रैषानावाबेषानपानावाङ्गनाङ्गरीः वसङ्गपोङ्गपाश्चङ्गावोनवा
ः ः कौयाङ्गुपानावाङ्गनापपङ्गेनापाः नत्रैषानानङ्गपाबोनयाबनवनोपाः ङ्गनवङ्गेषानाः ङ्गुपाणङ्गपे
नङ्गेनापाः लेपानपोबोकुपाङ्गुंवज्रानलिनावङ्गुः ः ः

804

ཀཀཀ

ꣳ ꣳ ꣳ

ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ

ཨོཾ་ ཨཱཿཧཱུྃ་ ཨཱཿཧཱུྃ་ ཨཱཿཧཱུྃ

ॐः ः॥ॐॐॐ

ཨོཾ་ ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་

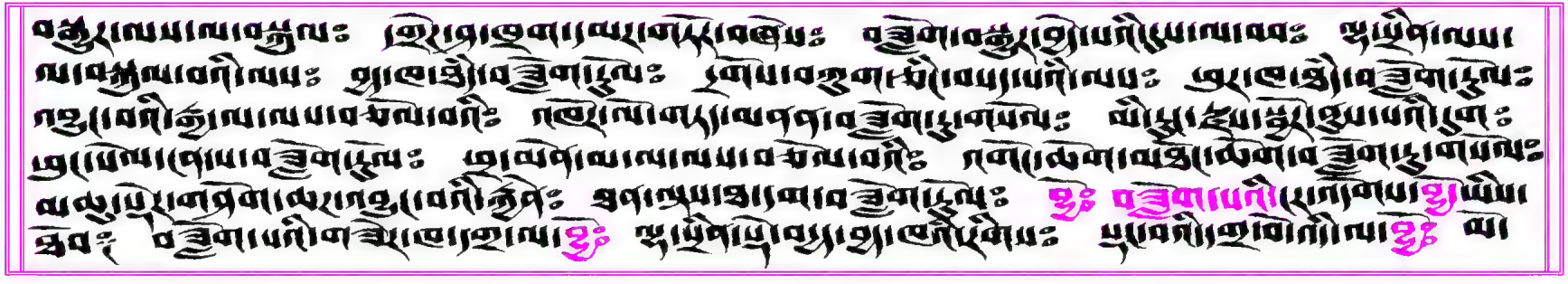

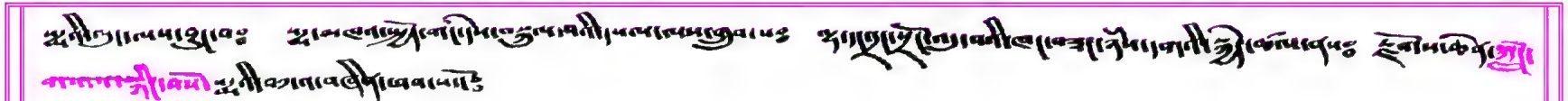

ॐ ः वज्रपाणये ः यमान्तकाय ः पद्मान्तकाय ः अमृतकुण्डलिने ः
वज्रयक्षिणी ः वज्रशृङ्खलाय ः वज्रजिह्वाय ः वज्रदंष्ट्राय ः वज्रोदराय ः
वज्रभृकुटये ः वज्रतुण्डाय ः वज्रमुखाय ः वज्रदण्डाय ः वज्रहस्ताय ः
वज्रनखाय ः वज्रसर्वाङ्गाय ः वज्रायुधाय ः वज्रतीक्ष्णदंष्ट्राय ः
महाबलाय ः महाकायाय ः महापादाय ः महावीराय ः महाभयानकाय ः
भीमरूपाय ः भयानकाय ः विकटाय ः विकटोदराय ः अस्थिमालालङ्कृताय ः
नागयज्ञोपवीतिने ः महानागकुण्डलधराय ः महाकालाय ः कालदण्डाय ः
हुं फट् स्वाहा ः

ॐ

ॐः ः ॐ ः ः ः

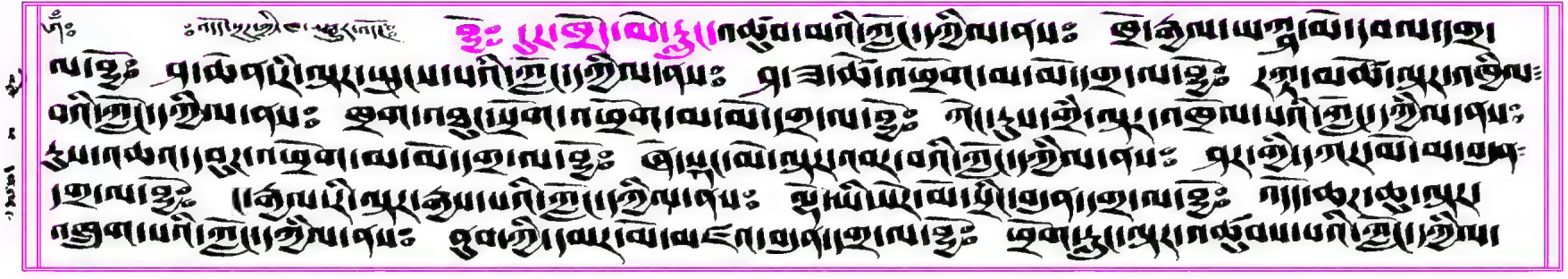

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय महाभयविदारणकराय महाकायवज्रधरकुलसमुद्भवाय
वज्रपाणये वज्रहस्ताय वज्रमुखाय वज्रदंष्ट्राय वज्रनखाय वज्रतुण्डाय वज्रजिह्वाय वज्रभृकुटीविटङ्कितोग्रतेजसे
महाबलाय महाकायाय महाकायप्रमाणशरीराय महाकायविकुर्वणवशमुपगताय महारौद्रनादनादिने
ॐ वज्रहुं फट् स्वाहा ॐ वज्रसत्त्व समयमनुपालय वज्रसत्त्व त्वेनोपतिष्ठ दृढो मे भव सुतोषो मे भव
सुपोषो मे भव अनुरक्तो मे भव सर्वसिद्धिं मे प्रयच्छ सर्वकर्मसु च मे चित्तं श्रेयः कुरु हूं हा हा हा हो भगवन्
वज्रमा मे मुञ्च वज्रीभव महासमयसत्त्व अः हूं फट् स्वाहा ॥

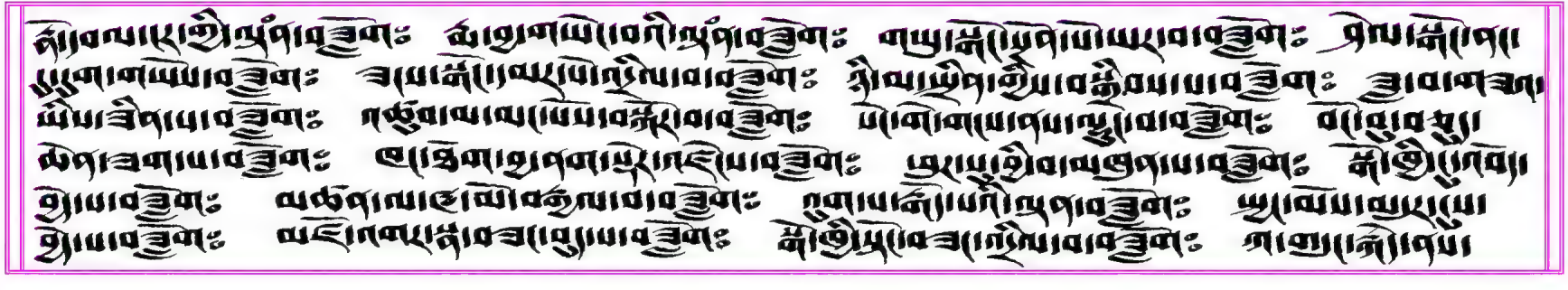

ॐ ः अनादिवज्रेभ्यः श्रीवज्रौघनाथवज्रेभ्यः श्रीवज्रौघानन्दनाथवज्रेभ्यः श्री
श्रीमत्परमानन्दनाथवज्रेभ्यः नरनाथसुनाथौघवज्रेभ्यः नानाविधानन्दविभवनाथवज्रेभ्यः श्रीः
श्रीमत्प्रकाशानन्दनाथेभ्यः श्रीमत्त्रयम्बकेशवज्रेभ्यः पूर्णानन्दपूर्णबोधवज्रेभ्यः वा
गीशानन्दौघनाथवज्रेभ्यः नयनाथमहेश्वरवज्रेभ्यः नयनेशमहेश्वरवज्रेभ्यो
नमः श्रीमहेश्वरवज्रेभ्यः पूर्णानन्दवज्रेभ्यः सुधाकलशवज्रेभ्यः
श्रीवज्रेभ्यः

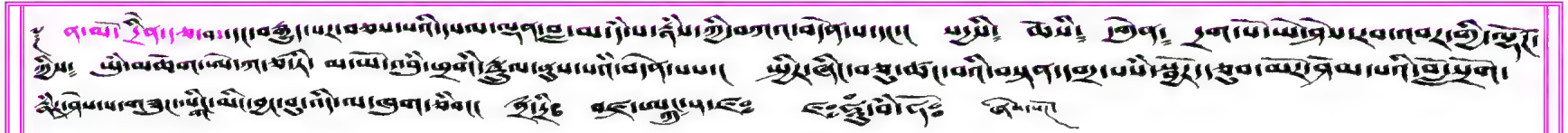

ॐ नमो वज्रवाराहीये वज्रवेगे वज्रोदरीये स्वाहा। वज्रमालिनीये वज्रमुखीये स्वाहा।
वज्रेक्षणे वज्रमहाघोरिण्ये स्वाहा। वज्रयमान्तकीये स्वाहा। यमदूतीये स्वाहा।
यमदीपनीये स्वाहा। यमदीपनीये स्वाहा। महाकालीये स्वाहा। रौद्रचामुण्डीये स्वा
हा। महारौद्रीये स्वाहा। सुनासनीये वज्रवाराहीये स्वाहा। ह्रीं
वज्रवाराहीये स्वाहा। वज्रवाराहीये स्वाहा। हुं वज्रवाराहीये स्वाहा। फट्
वज्रवाराहीये स्वाहा। वज्रवाराहीये स्वाहा। सर्वदुष्टप्रदुष्टानां सर्वसत्त्वानां
सर्वभूतानां सर्वप्रेतानां सर्वपिशाचानां सर्वयक्षराक्षसानां सर्वकुष्माण्डानां
सर्वोन्मादकानां सर्वग्रहाणां सर्वविद्याराजानां सर्वदेवानां सर्वनागानां
सर्वयक्षाणां सर्वासुराणां सर्वगरुडानां सर्वकिन्नराणां सर्वमहोरगाणां
सर्वमनुष्याणां सर्वामनुष्याणां सर्वभूतप्रेतपिशाचानां सर्वज्वरान्तकानां
सर्वविषान्तकानां सर्वदुष्टान्तकानां सर्वशत्रूणां सर्वदुष्टानां सर्वदुष्टानां
सर्वदुष्टानां सर्वदुष्टानां सर्वदुष्टान

852

ཨོཾ ཨཱརྱཱཝལོཀིཏེཤྭརཱཡ བོདྷིསཏྭཱཡ མཧཱསཏྭཱཡ མཧཱཀཱརུཎིཀཱཡ ཏདྱཐཱ ཨོཾ དྷརྨེ དྷརྨེ མཧཱདྷརྨེ དྷརྨཱཝཏི སྭཱཧཱ ཨོཾ ཨཱརྱཱཝལོཀིཏེཤྭརཱཡ སརྦཏཐཱགཏཧྲྀདཡཱདྷིཥྛཱནཱཡ ཧཱུྃ ཧཱུྃ ཕཊ་ ཕཊ་ སྭཱཧཱ ཨོཾ ཨཱརྱཱཝལོཀིཏེཤྭརཱཡ པདྨཧསྟཱཡ ཧཱུྃ ཧཱུྃ ཕཊ་ ཕཊ་ སྭཱཧཱ ཨོཾ ཨཱརྱཱཝལོཀིཏེཤྭརཱཡ ཨཱཀཱཤཱནན

ॐ हूं हूं हेरुकाय वज्रकोपाय स्वाहा हूं वज्रायोगनैरात्म्यायै नमो वज्रयोगिनी
सिद्धये

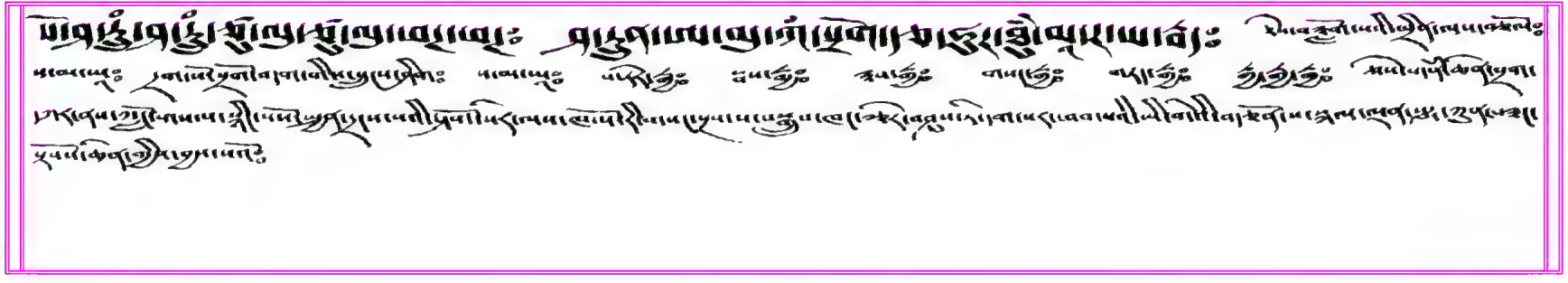

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ། ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ། ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ།

ॐ ः धरीपुलावाश्रीपुवङ्कवः श्रीहरिनाजुलावाधरीपुलावाश्रलावङ्कवः केनुरालवाधरीपुला
वाश्रलावा कैवावीवानुलावाधरीपुलावाश्रलावा लावाबहुरावरीपुलावाश्रलावा व्याबर्वनावनवैनवी
पुलावाश्रलावङ्कवः पुलावधरीवीनुलावावाःवालावाधेवाश्रः रारःवावधरीश्रीपुलावीवाश्रः
गाःवाबहुवाःवैनावावनुवाःवाः पुलावधरीवजैलावानुलावाश्रीवावजैवाधवाश्रः रारःवाधरीवावधवा
पुलावानुवाः वैधकैवाश्रीवावाधवाःवैनावीवाश्रीवावजैवाधवाश्रः रारःवाधरीवावधवा

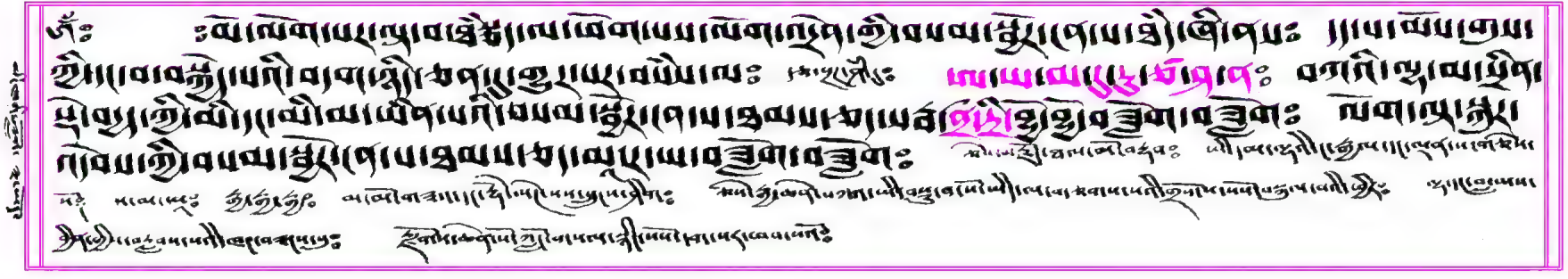

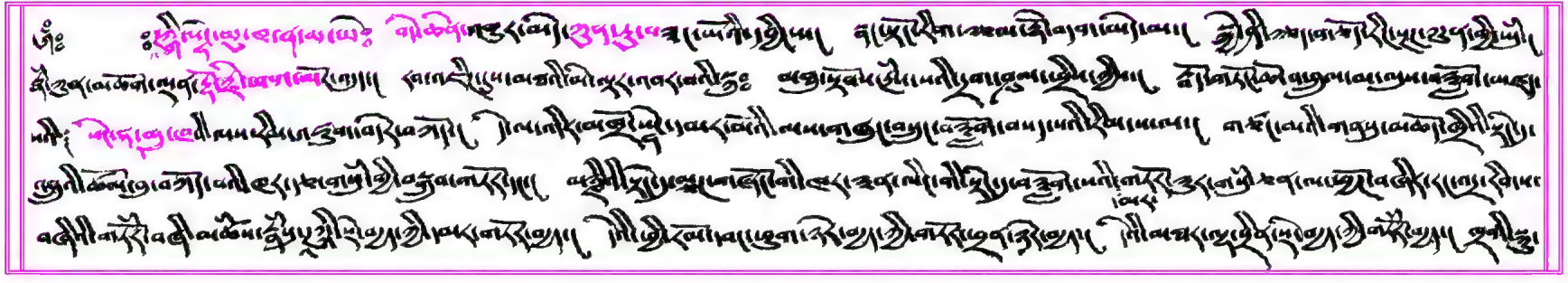

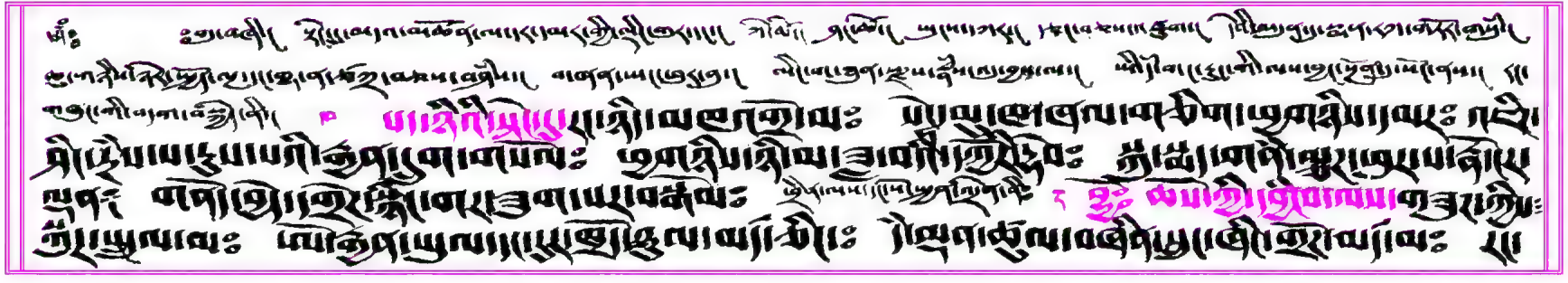

ॐ ः प्रेषणाय स्वाहा ः प्रेषणाय स्वाहा ः प्रेषणाय स्वाहा

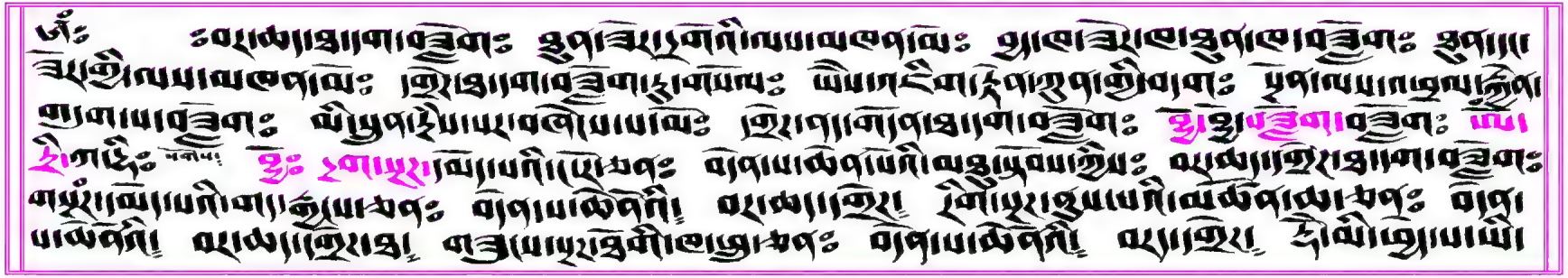

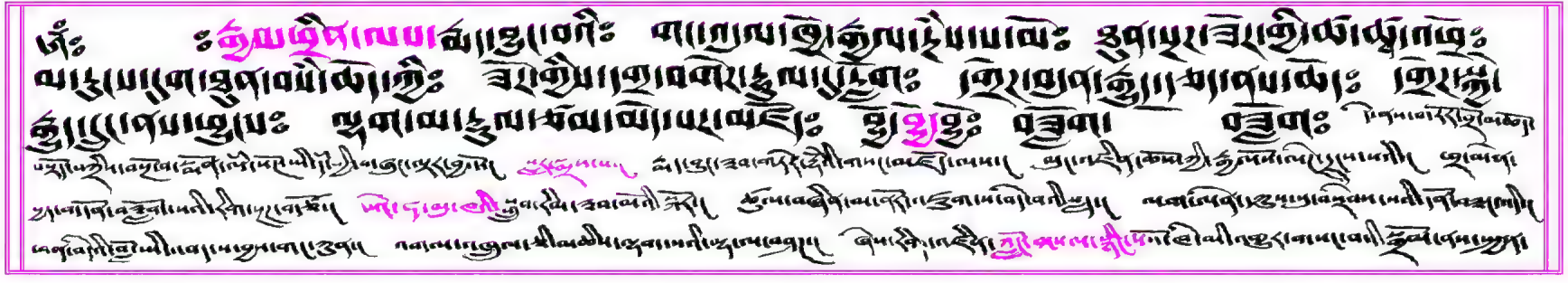

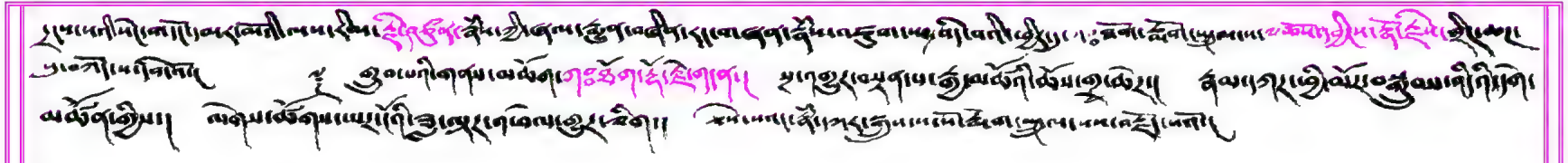

ॐ भूः ॐ भुवः ॐ स्वः

886

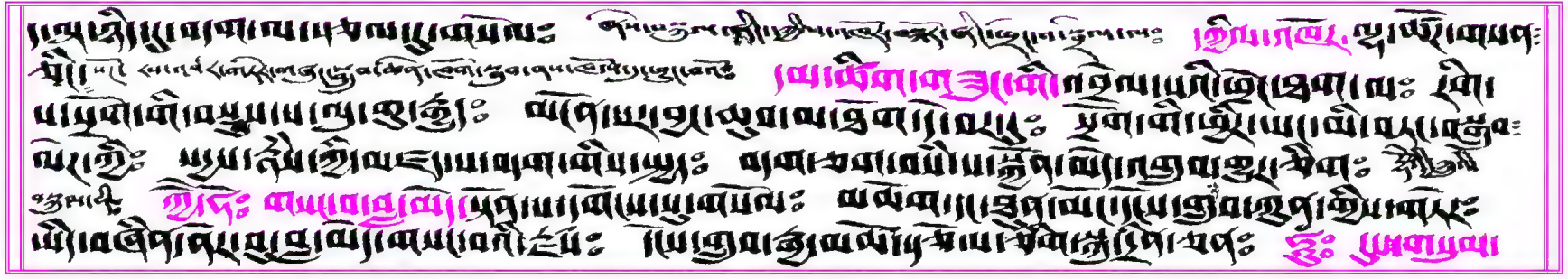

ॐ ः ॐ ह्रीं वज्रवैरोचनीये हुं हुं फट् स्वाहा

ཨོཾ ཨཱཿཧཱུྃ ཝཛྲཱ་ཡ་ཛཿ ཛཿཧཱུྃ་ཝཛྲཱ་ཡ་ཛཿ ཨཱ

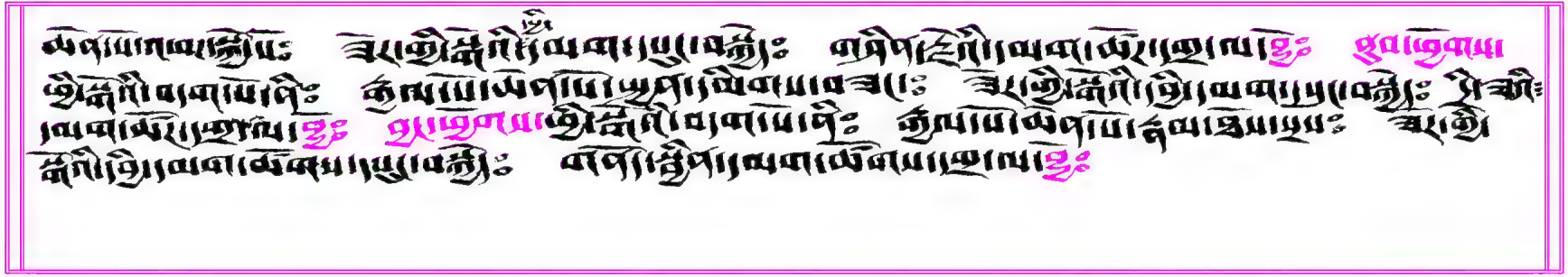

ॐ नमः सर्वतथागतेभ्यः सर्वत्रगतिविशुद्धिप्रतिष्ठितेभ्यः सर्वथा सुप्रतिष्ठितसर्वधर्मसुप्रतिष्ठितेभ्यः सर्वतथागतेभ्यो
नमो नमस्कृतेभ्यः सर्वतथागतसुविशुद्धिविशुद्धमतिभ्यः सर्वतथागतसर्वतोभद्रेभ्यः सर्वतथागतसर्वधर्म
सुविशुद्धिविशुद्धमतिभ्यः सुप्रतिष्ठितसर्वधर्मसुप्रतिष्ठितेभ्यः सर्वतथागतसर्वधर्मसुविशुद्धिविशुद्धमतिभ्यः
सर्वतथागतसर्वधर्मसुविशुद्धिविशुद्धमतिसुप्रतिष्ठितेभ्यः सर्वतथागतसर्वधर्मसुविशुद्धिविशुद्धमतिसर्वत्रगति
विशुद्धिप्रतिष्ठितेभ्यः सर्वतथागतसर्वधर्मसुविशुद्धिविशुद्धमतिसर्वत्रगतिविशुद्धिप्रतिष्ठितसुप्रतिष्ठितेभ्यः

ཨཱཏྨཱཡཱུཥྱཱཡཱུཥྱཱཡཱུཥྱ

ॐ नमः सर्वज्ञाय सर्वदर्शिने सर्वावरण विश्कम्भिने सर्वतथागत हृदयाधिष्ठान स्वभावाय तद्यथा ॐ सर्वतथागत काय वाक् चित्त पूजा पूजना समय अधिष्ठान अधिष्ठिते सर्वतथागत अधिष्ठान अधिष्ठिते सर्वतथागत समय अधिष्ठान अधिष्ठिते सर्वतथागत धर्म धातु अधिष्ठान अधिष्ठिते सर्वतथागत अधिष्ठान अधिष्ठिते सर्वतथागत अधिष्ठान अधिष्ठिते सर्वतथागत

ཨོཾ་ ཧཱུྃ་ཏྲཱཾ་ཧཱུྃ་ ཧོ་བཱ་ཧ་བཱ་ཧ་ཧཱུྃ་ཧཱུྃ་ པཱ་ཡ་ཡ་པཱ་ཡ་ཡ་ཀུ་ཀྵ་ཀྵ་ཡ་ཡ་ཧཱུྃ་ སྭཱ་ཧཱ།
པཱ་ཡ་ཡ་ཧ་ན་ཧ་ན་ཀ་ཏྱ་ཡ་ཡ་ཧཱུྃ་ ཕཊ་ཨ་པ་ཨ་པ་ཨ་པ་ཧ་ར་ཡཱ་ཡ་ནཱ་ཡ་ སི་དྷྱ་ནྟུ་ཏེ་ སི་དྷྱ་ནྟུ་ཏེ་ཕ་
ཊ་ཡཱ་ནཱ་ཡ་ སཱ་ཧཱ་ཡ་ཨ་ཀ་ལ་མྲྀ་ཏྱུ་ཧ་ར་ཡཱ་ནཱ་ཡ་ སཱ་ཧཱ་ཡ་ཨ་ཀཱ་ལ་ཨ་ཀཱ་ལ་ཀཱ་ལ་ཀཱ་ལ་ཧ་ར་ཡཱ་ནཱ་ཡ་
ཧཱུྃ་ པ་ཡཱ་པ་ཡི་ཧ་ཡ་ཀ་ཏྱ་ཡ་ཡ་ཧཱུྃ་ ཐུ་ཏེ་ཧེ་ཏེ་ཧ་ར་ཡཱ་ནཱ་ཡ་ སཱ་ཧཱ་ཡ་ དཱ་ཡ་ཀཱ་ཡ་ཀ་ལི་ཀ་ལི་ཀ་ཏྱ་ཡ་ཡ་
ཧཱུྃ་ སཱ་ཧཱ་ཡ་ཨ་ཀ་ལ་མྲྀ་ཏྱུ་ཧ་ར་ཡཱ་ནཱ་ཡ་ སཱ་ཧཱ་ཡ་ཨ་ཀཱ་ལ་ཨ་ཀཱ་ལ་ཀཱ་ལ་ཀཱ་ལ་ཧ་ར་ཡཱ་ནཱ་ཡ་
ཀེ་པཱ་ལི་ཧཱུྃ་པཱ་བཱ་ཡཱ་ཡ་ཧཱུྃ་ ཀཱ་ལ་ཀཱ་ལི་ཡཱ་ཡ་ཧཱུྃ་ཧཱུྃ་ ཕཊ་ཨ་པ་ཨ་པ་ཨ་པ་ཧ་ར་ཡཱ་ནཱ་ཡ་

ॐ ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं

ཨོཾ ཨཱཿཧཱུྃ བེཥཱཡཱཿབེཥཱཡཱཿཨཱཿཧཱུྃ ཨཱཿཧཱུྃ ཨཱཿཧཱུྃ

ॐ ॥ ॥ ॥

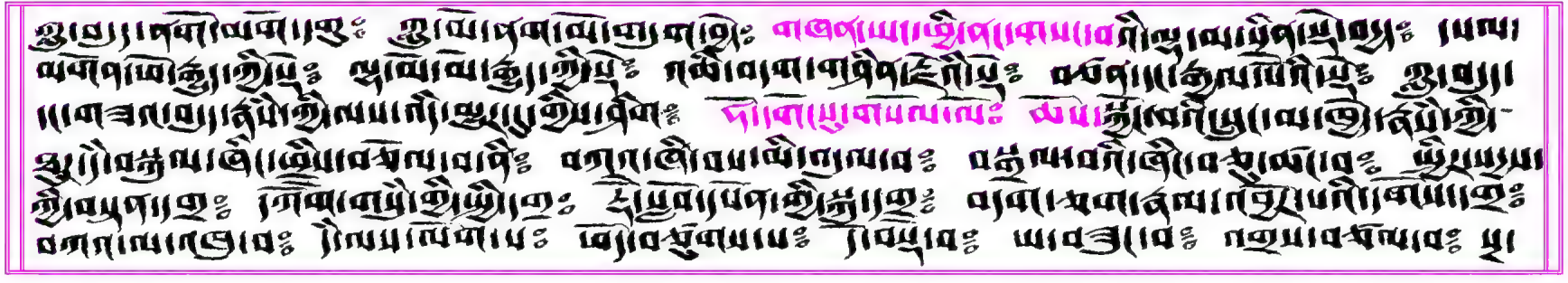

ཨོཾ་ ཨཱཿཧཱུྃ་ ཨཱཿཧཱུྃ་ ཨཱཿཧཱུྃ་ ཤྲཱི་ཨཱཿཧཱུྃ་ ཨཱཿཧཱུྃ་ ཨཱཿཧཱུྃ་

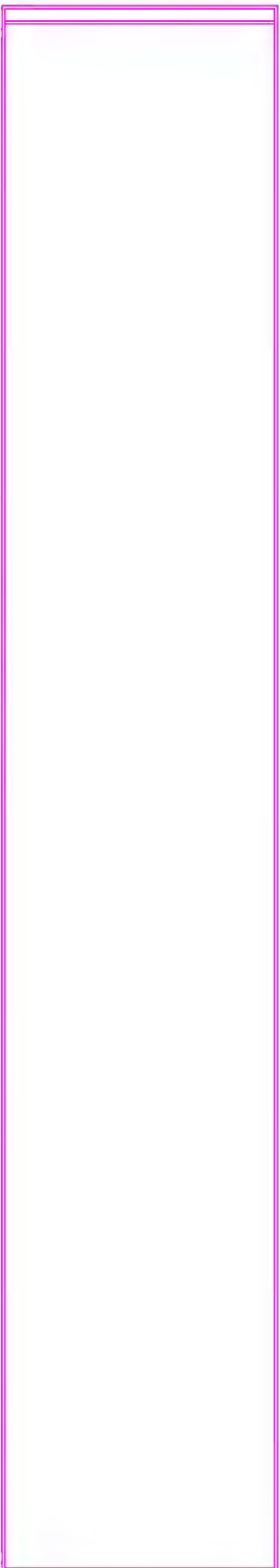

ལ་ཞེས་པ་ནི། ཡང་དག་པ་ཉིད་ཀྱི་ཚུལ་ཏེ། ཡང་དག་པ་ཉིད་ཀྱི་ཚུལ་ཞེས་པ་ནི། ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡང་དག་པ་ཉིད་ཀྱི་ཚུལ་ཏེ། ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་

ཤེས་རབ་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ། ཤེས་རབ་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་

ज्ञा॥ ज्ञिमपावियाजीज्ञाघीजी॥ ज्ञाज्ञुरादीजीज्ञाघीजी॥ ज्ञावाणीज्ञाज्ञाव्यावज्ञा॥ ज्ञैज्ञा
ज्ञपवाणा ज्ञाज्ञपाज्ञा॥ज्ञज्ञाज्ञाणीज्ञीज्ञा॥ ज्ञाज्ञावाज्ञाज्ञाणेपाज्ञा॥ ज्ञाज्ञावाज्ञैपाज्ञापाज्ञाज्ञाव्याणीज्ञा
वाज्ञीज्ञाणेज्ञाज्ञा॥ णीज्ञाज्ञाज्ञावाणापाज्ञाणीज्ञाणीज्ञीज्ञाणीज्ञीज्ञाज्ञाव्यावज्ञा॥ ज्ञैज्ञावाज्ञपवाणा॥ ज्ञाज्ञाणेज्ञा
णीज्ञाणापीज्ञाणाज्ञाणाज्ञाणीज्ञीज्ञाणीज्ञीज्ञाज्ञावज्ञाज्ञाज्ञाज्ञाणीज्ञाज्ञाव्याणीज्ञाज्ञाव्यावज्ञा॥ ज्ञै
ज्ञावाज्ञपवाणा॥ ज्ञाणीज्ञाणा ज्ञाज्ञाविज्ञैज्ञावाज्ञाणेज्ञाज्ञा ज्ञाज्ञैज्ञाज्ञाणीज्ञीज्ञा॥ ज्ञाज्ञाज्ञाणीज्ञावज्ञाज्ञैज्ञाज्ञाणीज्ञा॥ ज्ञैज्ञावाज्ञाणीज्ञा
ज्ञैज्ञाज्ञाज्ञाज्ञावाज्ञैज्ञाज्ञा॥

ལས་ཀྱི་ཁྱིའི་ཀུས་ཀུན་པ་ཁྱིའི་ཁྱུ་ཐ་ཆུང་ངུ་ཁྱིའི་ཁྱུ་ཐ་ཆེན་པོ། ། །

ཨཱཿ ཤྲཱིཧཱུཾཛྲཾཧཱུཾཛྲཾཧཱུཾཛྲཾ

ཀཱ་ཡ་ཝཱ་ཙཱ་ཧཱ་

ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཐིག་ལེ་ཉིད་དུ་ཐིམ་པ་ཡིན་ནོ། །ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ནས་ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས

ཨཱཿ ཧཱུྃ ཨོཾ ཨཱཿ ཧཱུྃ ཨོཾ ཨཱཿ ཧཱུྃ ཨོཾ ཨཱཿ ཧཱུྃ

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ

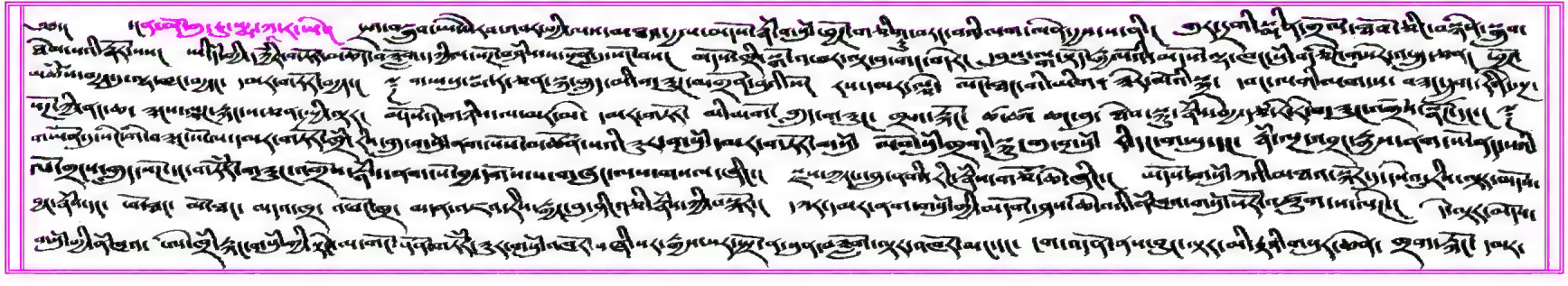

ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ བཛྲ་གུ་རུ་ པདྨ་སིདྡྷི་ཧཱུྃ།

ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ བཛྲ་གུ་རུ་ པདྨ་སིདྡྷི་ཧཱུྃ།

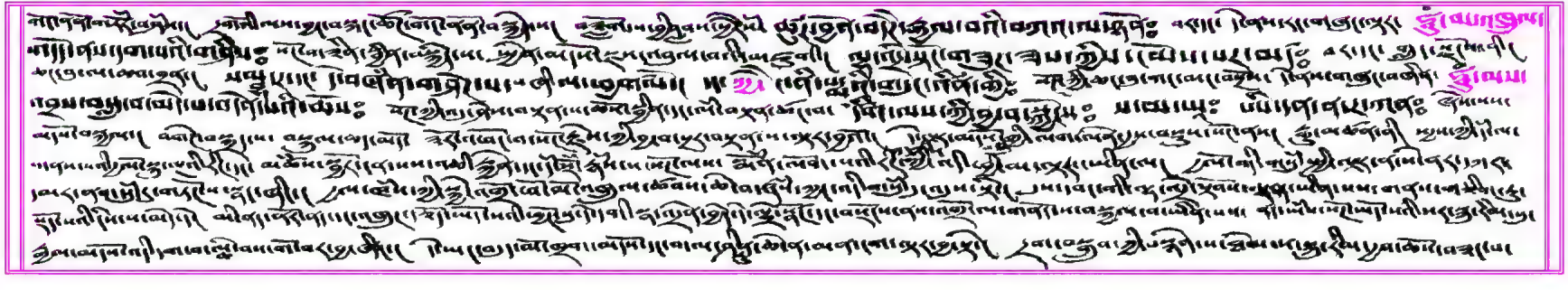

ཨོཾ་ ཨཱཿཧཱུྃ་ ཤྲཱཝཱ་ཡཱ་ཏཱ་ཡཱ་ཏཱ་ཡཱ་ཏ

ཨོཾ་ ཨཱརྱ་ཀུ་ལེ་ཡེ་ནཱ་མ་ཨཱརྱ་ཏཱ་རེ་ཡེ་ སྭཱ་ཧཱ། ཨཱརྱ་ཏཱ་རེ་ཡེ་ནཱ་མ་ཨཱརྱ་ཀུ་ལ

ཨོཾ ཨཱཿཧཱུྃ ཨཱཿཧཱུྃ ཨཱཿཧཱུྃ

ཏོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ། ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཡུམ་ལྔའི་ཕྱག་ཏུ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཡིག་ཏུ་གྱུར་པ་ལས། ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཡུམ་ལྔ་ཡང་ཨཱཿཧཱུྃ་ཡིག་ཏུ་གྱུར་ཏེ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय कूर्मरूपाय मन्दरगिरिप्रतिष्ठानाय सुरासुरैरमृतार्थं मथ्यमानपयोधिमथनाय मन्दराचलोद्धरणाय
अनन्तमहाबलाय सर्वसत्त्वात्मने महाकच्छपवपुषे ते नमः ॥ ततः प्रसन्नो भगवान्कूर्मरूपी जनार्दनः ।
देवदानवराजानं प्रहसन्निदमब्रवीत् ॥ ९ ॥ श्रीभगवानुवाच ॥ एवमेतत्पुरा देवैर्मन्त्रयित्वा
दितेः सुताः । कृतं तदनुमोदध्वं फलं मथ्नीत मा चिरम् ॥ १० ॥ यदा नोपनयेत्कालो
विजनं दानवैरिदम् । तदा कृतमिदं कर्म हरिष्यति न संशयः ॥ ११ ॥ यूयं तदनुमोदध्वं
यदिच्छेदेष वो जनः । न हि कर्म विरोधेन कार्यं वः फलमुत्तमम् ॥ १२ ॥ यस्य वै
मनसो यद्यद्धर्मतो नेच्छति द्विषः । तत्तस्य नाचरेत्प्राज्ञः परपीडाकरं हि तत् ॥ १३ ॥
अथ यूयं समुत्पाट्य मन्दरं बलदर्पिताः । नेतुमुत्सहथ क्षिप्रं सिद्धिस्तत्रास्तु कर्मणः ॥ १४ ॥
अहं धारयितास्मीह पृष्ठेनाद्रिमनुत्तमम् । भवन्तो बाहुभिर्वीर्यं तेजो मे वर्धयन्तु वः ॥ १५ ॥
एवं सम्मन्त्र्य भगवान्देवदानवयूथपैः । तत्रोत्पाट्य महाबाहुः क्षीरोदं समुपाहरत् ॥ १६ ॥
तत्र मन्दरमुत्पाट्य नेतुमुत्साहयन्सुरान् । गदापाणिर्महाबाहुः प्रतस्थे गरुडध्वजः ॥ १७ ॥
ततो दूरतरं गत्वा मन्दरं बलदर्पिताः । उदहरन्त सहसा वहन्तो गिरिमुत्तमम् ॥ १८ ॥
अवहन्तो गिरिं सोढुं तेऽशक्ता गिरिमूर्धनि । पेतुः सहासुरगणा विशीर्णबाहुबन्धनाः ॥ १९ ॥
तांश्चाद्रिणा पतता सुरान्सासुरयूथपान् । निपीड्य गिरिराट्तूर्णं पातयामास भूतले ॥ २० ॥
तत्रापि पतितः शैलः पतता सुरवेश्मनि । जघान कतिचित्सिद्धान्किंनरान्सपरिच्छदान् ॥ २१ ॥
तान्विषण्णमनसः सर्वान्विज्ञाय मधुसूदनः । विहायसा महाबाहुः सहस्रभुजतामगात् ॥ २२ ॥
आरुरोह गिरिं तूर्णं गरुडेन पतत्रिणा । सुरासुरैः परिवृतो दिशः सर्वा विलोकयन् ॥ २३ ॥
ततः सुरासुरपतिर्भगवान्पुरुषोत्तमः । गिरिं वज्रायुधेनाशु निर्बिभेद सहस्रधा ॥ २४ ॥
ततः पूर्ववदुत्थाय गिरिः सर्वायुधक्षतः । ववृधे वृष्टिभिः सिक्तो वनस्पतिभिरावृतः ॥ २५ ॥
ततो गिरिं समुत्पाट्य पूर्ववत्सुरदानवाः । क्षीरोदमानयन्भूयः प्रगृह्य सुसमाहिताः ॥ २६ ॥
ततो गिरिं समुत्पाट्य पूर्ववत्सुरदानवाः । क्षीरोदमानयन्भूयः प्रगृह्य सुसमाहिताः ॥ २७ ॥

ॐ नमो भगवते अमोघसिद्धये तथागताय अर्हते सम्यक्संबुद्धाय तद्यथा ॐ अमोघे अमोघदर्शिनि अमोघवचने अमोघतेजसे अमोघवीर्ये अमोघसिद्धिसंभवे अमोघवज्रधारिणि अमोघपाशधारिणि अमोघाङ्कुशधारिणि

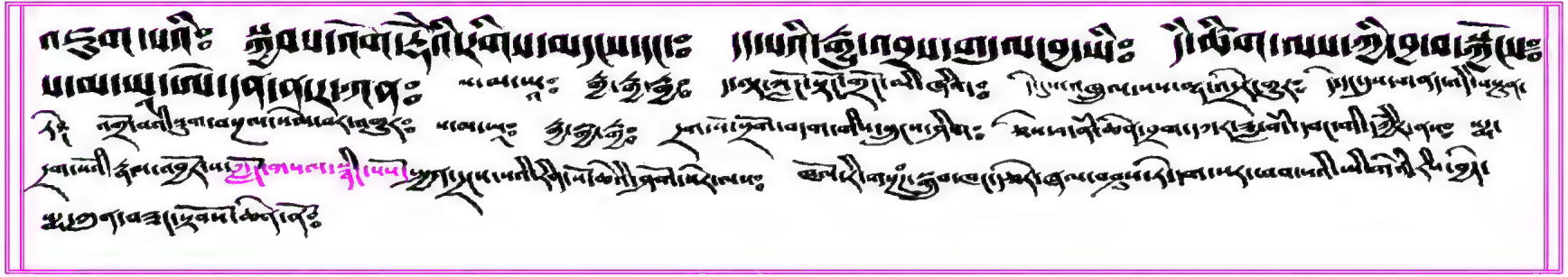

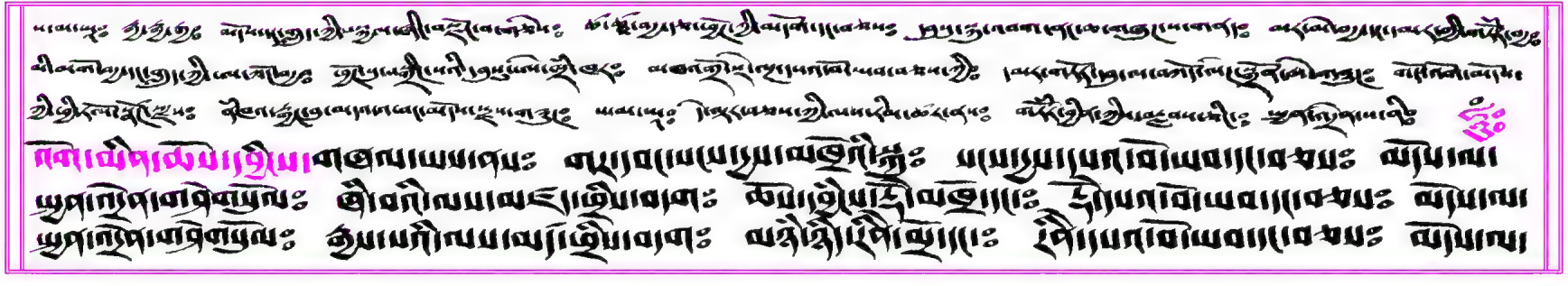

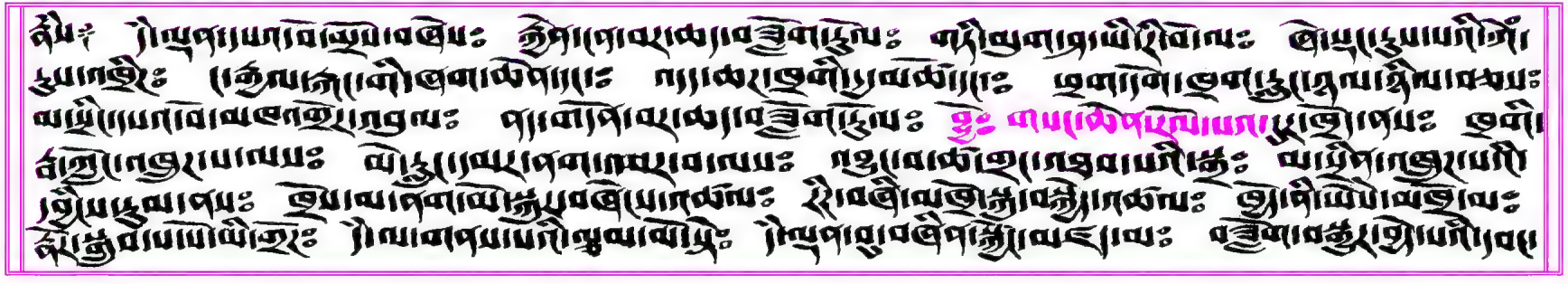

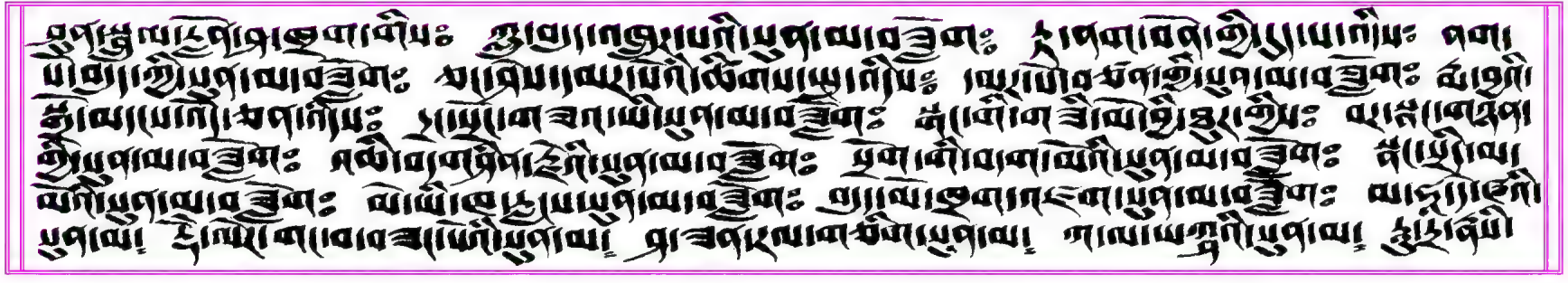

1009

ཀཱ་ཏན་ཏྲ་ ཀ་ ཁ་ ཤ་ ཤ་ ཤ

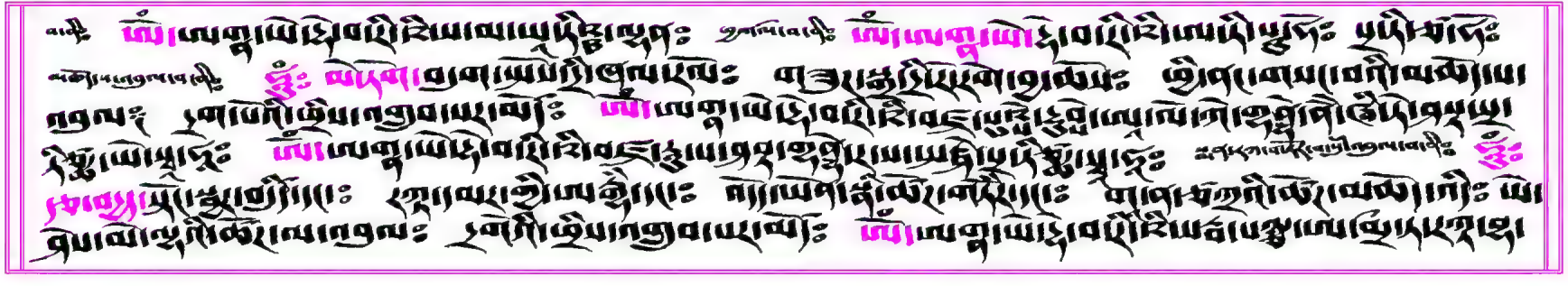

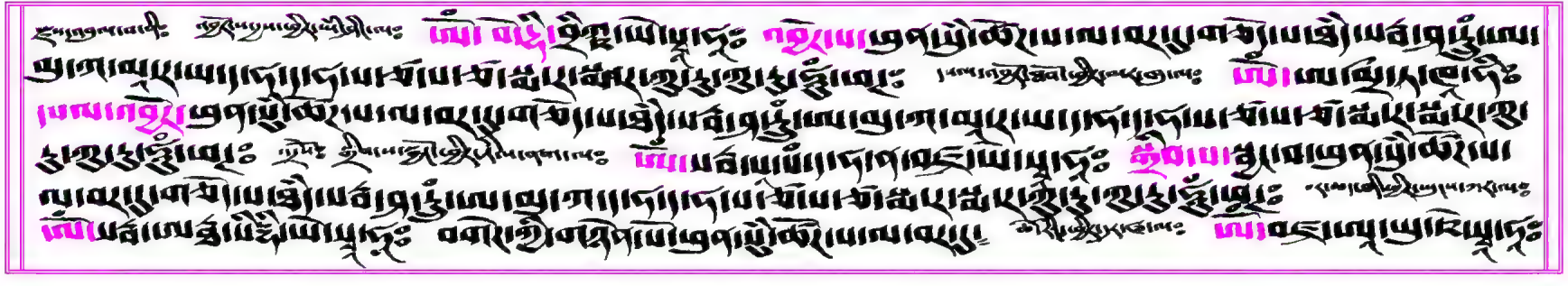

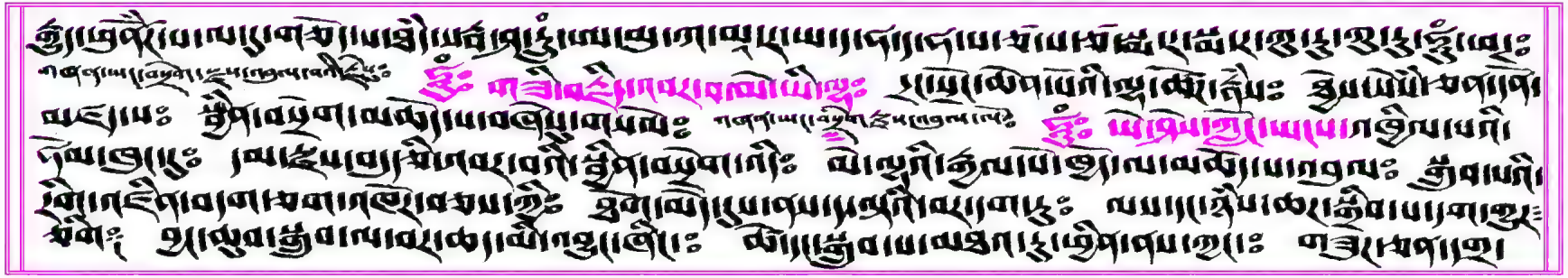

ཨོཾ ཨཱཿཧཱུྃ ཨཱཿཧཱུྃ ཨཱཿཧཱུྃ

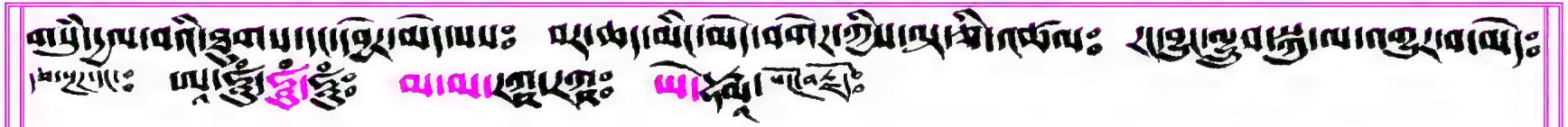

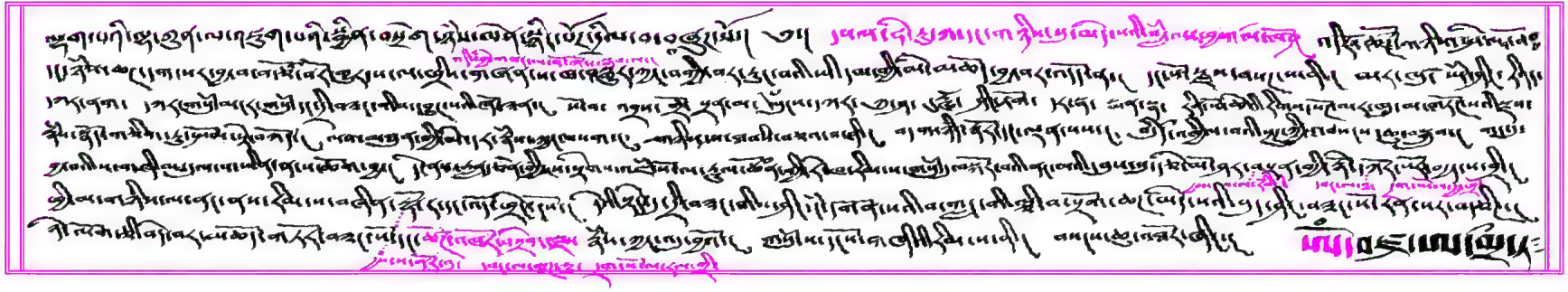

ਸੁਖਮਨੀ ਸੁਖ ਅੰਮ੍ਰਿਤ ਪ੍ਰਭ ਨਾਮੁ ॥ ਭਗਤ ਜਨਾ ਕੈ ਮਨਿ ਬਿਸ੍ਰਾਮ ॥

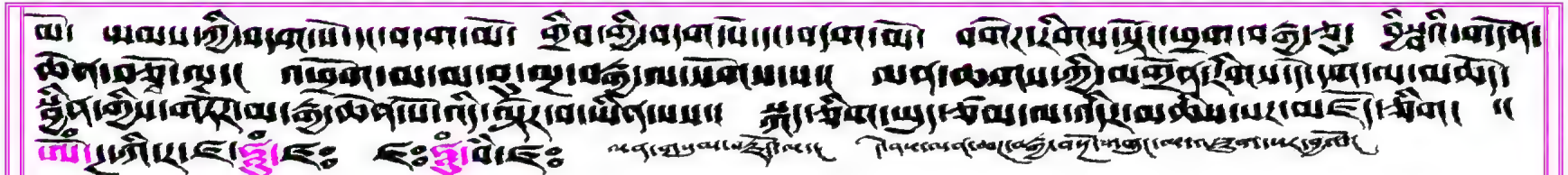

1050

ཨོཾ་ ཤྲཱིཡཱནཱི་ ཀཱལཱཡཱཀྲཱིཡཱནཱི་ཏྲཱིཀཱཡཱཡཱ། ཤྲཱིཀཱིལཱཡཱ། ཡཱཏཱཡཱཡཱཡཱཏཱཡཱཡཱཡཱཏཱཡཱཡཱ

ཨོཾ ཨཱཿཧཱུྃ བཛྲགུརུ་པདྨ་སིདྡྷི་ཧཱུྃ དཔལ་ཡེ་ཤེས་མཁའ་འགྲོ་མཆོག་གི་ཞབས་ཀྱི་ཐུགས་ཀར་ཧཱུྃ ཡིག་ཆུང་ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཀུན་ཏུ་བཟང་པོའི་ཞལ་ནས་གསུངས་པ་ཡིན་ནོ།།

ॐ नमो भगवते ह्रीः नमो ऽमिताभाय तथागताय अर्हते सम्यक्संबुद्धाय तद्यथा ह्रीः नमो अमिताभे अमितोद्भवे अमितसिद्धे अमितगतिगामिनि अमितशब्दानुगते अमितपुण्यसंभारसंचयनिर्जाते अमितज्ञानसमुद्रे अमितकरुणाकरे

ཀཱཾ། ཨཨཱཨཱཨཱ

ཨཱཿ ཨཱཿཨཱཿཨཱཿཨཱཿ ཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃ ཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃ ཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃ ཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃ ཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃ
ཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃ ཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃ ཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃ ཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃ ཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃ
ཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃ ཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃ ཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃ ཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃ ཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃ
ཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃ ཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃ ཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃ ཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃ ཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃ
ཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃ ཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃ ཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃ ཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃ ཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃཧཱུྃ

ཨཱཿ ཨོཾ་བཛྲ་ཡོ་ཀི་ནཱི་ཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ། ཨོཾ་བཛྲ་ཨཱཿཧཱུྃ། ཨོཾ་བཛྲ་ཨཱཿ

ཨོཾ་ ཨཱཿ་ བཛྲོཏྤལཱསནོཔཝིཥྚཱཡཻ་ ཏཱཐཱགཏཱཡཻ་ ཨརྷཏེ་ སམྱཀྶཾབུདྡྷཱཡ་ སཱདྷུ་ སཱདྷུ་ སཱདྷུ་ ཨཱཿ་ ཧཱུྃ་ ཧཱུྃ་ ཧཱུྃ་ ཨཱཿ་ ཨཱཿ་ ཨཱཿ

ཨོཾ་ ཐམ་ཏྲ་ཡཱ་ཏྲ་ཡཱ་ཏྲ་ཡཱ

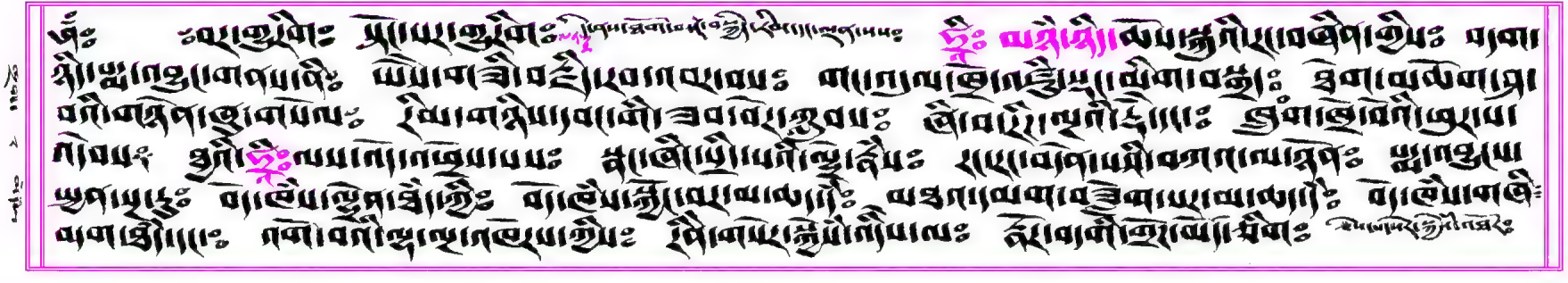

ཨཾ ཨཱཿསཀྟཱཡཱཡཻཿ ཤཱཀྱཐུབྟཱཡཻཿ ཤཱཀྱཀུལཱཡཻཿ སྟཱཡཱཡཻཿ ཤཱཀྱཡཱཧཻཿ ཤཱཀྱཀུལཱཡཻཿ
ཤཱཀྱཀུལཱཡཱཿ ཤཱནྟཱཡཻཿ ཤཱནྟཱཡཱཿ ཤཱནྟཱཡཱཧཻཿ ཤཱནྟཱཡཱཿ ཤཱནྟཱཡཻཿ ཤཱནྟཱཡཱཿ ཤཱནྟཱཡཱཧཻཿ
ཤཱནྟ

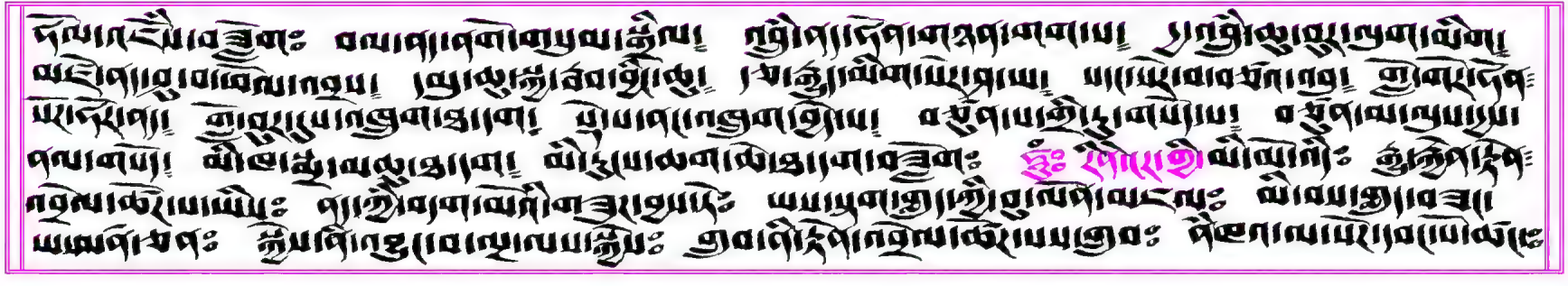

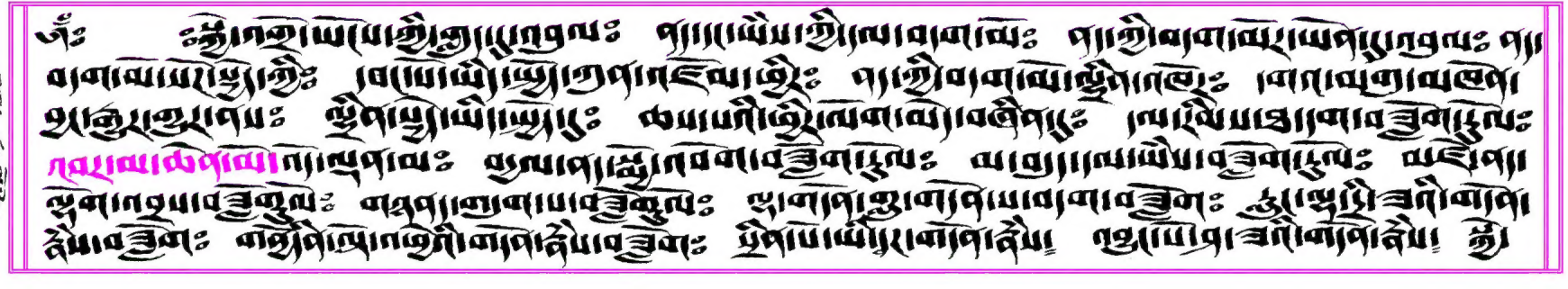

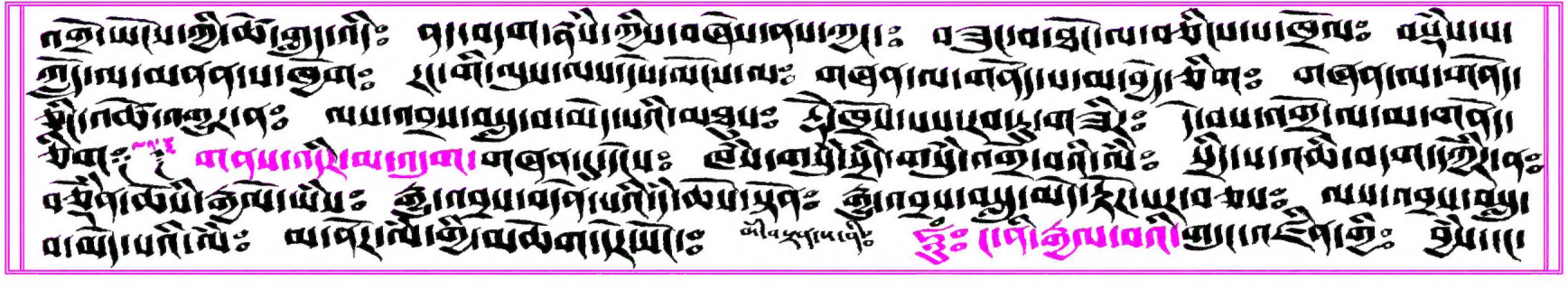

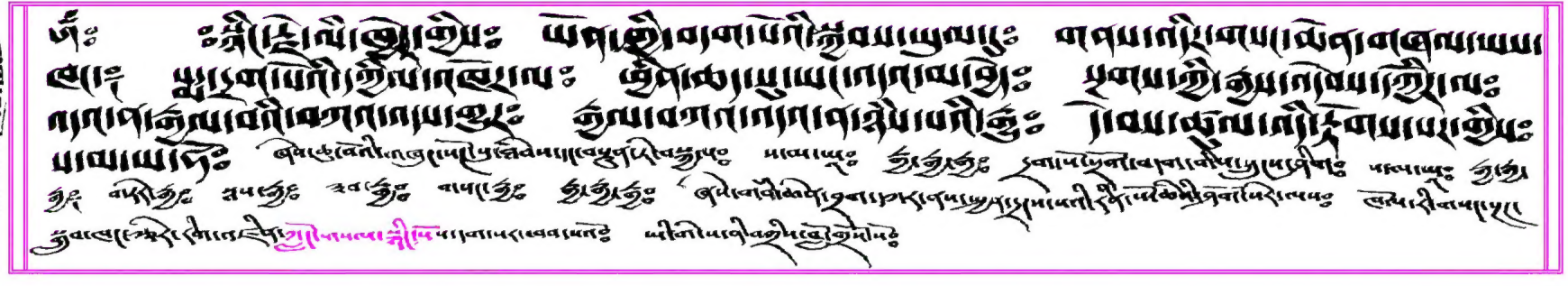

1088